04 अप्रैल 2025
शुक्रवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

स्वघोषणा पत्र के साथ जमीन के सभी कागजात संलग्न कर देना जरूरी नहीं

2

ममता सरकार को बड़ा झटका... 25000 शिक्षकों की भर्ती रद्द करने का फैसला बरकरार

सर्वोच्च फैसला

एजेंसी/नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल में 25 हजार शिक्षकों और गैर शिक्षक कर्मचारियों की भर्ती को रद्द करने के हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा है। शीर्ष अदालत ने उच्च न्यायालय कलकत्ता के फैसले में दखल देने से इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में 25,753 शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों की नियुक्ति को अमान्य करार देते हुए चयन प्रक्रिया को दूषित और दागी करार दिया। कलकत्ता हाईकोर्ट ने 2016 में एसएससी द्वारा राज्य द्वारा संचालित और राज्य द्वारा सहायता प्राप्त स्कूलों के लिए 25,000 से अधिक शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की

भर्ती को रद्द कर दिया था। सीजेआई संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने फैसला सुनाते हुए कहा कि हमें हाईकोर्ट के फैसले में हस्तक्षेप करने का कोई वैध आधार या कारण नहीं मिला। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि जिन कर्मचारियों की नियुक्तियां रद्द कर दी गई हैं, उन्हें अपना वेतन और अन्य भत्ते लौटाने की जरूरत नहीं है। शीर्ष अदालत ने राज्य सरकार को नए सिरे से चयन प्रक्रिया शुरू करने और इसे तीन महीने के भीतर पूरा करने का भी आदेश दिया। हालांकि मानवीय आधार पर विकलांग कर्मचारियों को छूट प्रदान की गई तथा कहा गया कि वे नौकरी में बने रहेंगे।

पीठ ने सीबीआई जांच के उच्च न्यायालय के निर्देश को चुनौती देने वाली पश्चिम बंगाल सरकार की याचिका पर सुनवाई 4 अप्रैल के लिए तय की। शीर्ष अदालत ने 10 फरवरी को इस मामले में दायर याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। इस मुकदमे को पश्चिम बंगाल एसएससी भर्ती मामले के रूप में भी जाना जाता है। यह राज्य के स्कूल सेवा आयोग द्वारा 25,000 शिक्षण/गैर-शिक्षण कर्मचारियों की भर्ती से संबंधित है, जिसे कलकत्ता उच्च न्यायालय ने रद्द कर दिया था। राज्य ने उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था।

दिल्ली-एनसीआर में पटाखे चलाने पर एक साल के लिए बैन

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में पटाखे चलाने को लेकर अहम फैसला सुनाया। शीर्ष अदालत ने दिल्ली-एनसीआर में पटाखे चलाने, बनाने, बेचने और स्टोर करने पर पूरे एक साल के लिए रोक लगा दी है। कोर्ट ने कहा कि हर साल सिर्फ 3-4 महीने के लिए पटाखा बैन करने से कोई फायदा नहीं है। दिल्ली की हवा बहुत खराब हो रही है, इसलिए ये कदम उठाना जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट ने दो टूक शब्दों में कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में हालात इतने खराब हैं कि किसी भी तरह की छूट नहीं दी जा सकती। यहां तक कि ग्रीन पटाखे भी नहीं चलाए जा सकते। ऑनलाइन पटाखे बेचने पर भी रोक रहेगी। जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने यह भी कहा कि दिल्ली-एनसीआर में हवा के जो हालत है, उसे देखते हुए ग्रीन पटाखों को भी छूट नहीं दी जा सकती। यहां तक कि ऑनलाइन पटाखों की बिक्री पर भी रोक रहेगी। कोर्ट ने पटाखा बनाने वाली कंपनियों की इस दलील को भी नहीं माना कि प्रतिबंध से उनके व्यापार और रोजी-रोटी पर असर पड़ेगा। कोर्ट ने कहा कि हवा में प्रदूषण का स्तर बहुत ज्यादा है। हर कोई अपने घर या ऑफिस में एयर प्यूरीफायर नहीं लगा सकता। सर्वोच्च अदालत ने कहा कि जो लोग सड़कों पर काम करते हैं, वे प्रदूषण से सबसे ज्यादा परेशान होते हैं। इसलिए, लोगों को प्रदूषण मुक्त वातावरण में जीने का हक है, जो कि संविधान के आर्टिकल 21 के तहत जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में पटाखों के उपयोग, निर्माण, बिक्री और भंडारण पर एक साल के लिए प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया।

अपनी संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक करेंगे सुप्रीम कोर्ट के जज

नई दिल्ली। न्यायपालिका में पारदर्शिता और लोगों का विश्वास बनाए रखने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा कदम उठाया है। सुप्रीम कोर्ट के सभी जजों ने पदभार ग्रहण करने के दौरान ही अपनी संपत्ति का ब्योरा पब्लिक करने का फैसला किया है। सुप्रीम कोर्ट की तरफ से यह फैसला 1 अप्रैल को की गई फुल कोर्ट मीटिंग में लिया गया है। इस संबंध में एक प्रस्ताव पारित किया गया और यह भावी जजों पर भी लागू होगा।

जजों ने यह भी कहा कि संपत्तियों से जुड़ी जानकारी सुप्रीम कोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड की जाएगी। हालांकि, वेबसाइट पर संपत्ति की घोषणा करना स्वैच्छिक होगा। सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर कहा गया है, ह्यसुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर संपत्ति की घोषणा करना स्वैच्छिक आधार पर होगा।ह्व रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना समेत सुप्रीम कोर्ट के 30 जजों ने अपनी संपत्ति का घोषणा पत्र कोर्ट में दिया है। वरिष्ठ वकील आदिश अग्रवाल ने समाचार न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत में कहा, ह्यमैं सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले का स्वागत करता हूं जिसमें जजों को अपनी संपत्ति आधिकारिक वेबसाइट पर घोषित करने को कहा गया है। इसकी वजह से जनता का भरोसा बहाल होगा, जो पिछली घटनाओं के कारण थोड़ा कम हुआ है। मुझे उम्मीद है कि हाई कोर्ट के जज भी इसका अनुसरण करेंगे। इससे न्यायपालिका में पारदर्शिता और विश्वास सुनिश्चित होगा। जबकि 1977 में इसी तरह के प्रस्ताव पर विचार किया गया था, लेकिन इसे पूरी तरह से लागू नहीं किया गया था।

खबरें फटाफट

अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गया टैरिफ हमें तबाह कर देगा: राहुल गांधी

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारत पर लगाए गए 27 फीसदी टैरिफ को लेकर विपक्ष ने सवाल उठाने शुरू कर दिए हैं। लोकसभा में गुरुवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने टैरिफ का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि टैरिफ हमें तबाह कर देगा। सरकार इस मुद्दे पर क्या कर रही है? उन्होंने एलएसी की स्थिति का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि विदेश नीति का मतलब बाहरी देशों को प्रबंधित करना है। हमारे सहयोगी अमेरिका ने अचानक हम पर टैरिफ लगाने का फैसला कर लिया है। राहुल गांधी ने कहा कि अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ भारतीय अर्थव्यवस्था को पूरी तरह तबाह कर देंगे। विशेष रूप से ऑटो उद्योग, फार्मास्यूटिकल्स और कृषि जैसे क्षेत्रों को। उन्होंने कहा कि किसी ने एक बार इंदिरा गांधी जी से पूछा था कि विदेश नीति के मामले में आप बाएं या दाएं झुकती है और इंदिरा गांधी जी ने जवाब दिया था मैं बाएं या दाएं नहीं झुकती, मैं सीधी खड़ी होती हूं। मैं भारतीय हूं और मैं सीधी खड़ी होती हूं। राहुल गांधी ने भारत और चीन द्वारा राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ मनाने को लेकर सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि चीन हमारी 4,000 वर्ग किलोमीटर जमीन पर बैठा है।

वक्फ संशोधन बिल पर राज्यसभा में देर रात तक जारी रही चर्चा

कांग्रेस ने लोगों को बांटा, मुस्लिमों को दोयम दर्जे का आदमी बनाया: जेपी नड्डा

◆ लोकसभा में बुधवार रात वक्फ संशोधन बिल के पक्ष में 288 सांसदों ने वोट किया था वहीं बिल के विरोध में 232 वोट पड़े

एजेंसी/नई दिल्ली

मोदी सरकार 3.0 ने अपनी पहली परीक्षा डिस्टिंक्शन के साथ पास कर ली है। गुरुवार को राज्यसभा में बिल पर चर्चा की जा रही है। राज्यसभा का नंबर गेम भी सरकार के पक्ष में है। ऐसे में माना जा रहा है कि सरकार राज्यसभा में भी आसानी से वक्फ संशोधन बिल को पास करा लेगी। क्योंकि बिल पास कराने के लिए सरकार को 119 वोटो की जरुरत है जबकि सरकार को 125 सांसदों का समर्थन है। लोकसभा में बुधवार रात बिल के पक्ष में 288 सांसदों ने वोट किया था वहीं बिल के विरोध में 232 वोट पड़े। वक्फ संशोधन बिल पर लोकसभा में 14 घंटे से ज्यादा चली गरमा गरम बहस हुई। इस दौरान विपक्ष बिल को मुसलमानों के खिलाफ साबित करने में लगा रहा। विपक्ष के सांसदों ने चर्चा के दौरान बिल के खिलाफ 100 से ज्यादा संशोधन प्रस्ताव दिए। लेकिन वोटिंग के दौरान विपक्ष के सभी संशोधन गिर गए। विपक्ष का हर दावा फेल हो गया।

बीजेपी सांसद जेपी नड्डा ने राज्यसभा में कहा है कि पीएम मोदी जी ने सबका साथ और सबका विकास और सबका प्रयास का मंत्र लेकर चले हैं और उसे पूरा किया है। इसमें किसी विशेष को पर फोकस नहीं किया गया। हमें वोटबैंक की राजनीति से बाहर निकलकर नेशनल इंटरेस्ट के हिसाब से देखना होगा। बिल को लेकर लगातार भ्रम फैलाया गया। जेपी नड्डा ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि आपने 70 साल में लोगों को बांटकर देख लिए। अब आप वहां बैठने के लिए मजबूर हो गए हैं। ट्रिपल तलाक को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बहुत पहले कह दिया था पर यूपीए सरकार 10 साल तक चुपचाप बैठी रही। इजिप्ट में ट्रिपल तलाक 1929 में खत्म हो गया था। बांग्लादेश में 1972 में ट्रिपल तलाक खत्म हो गया था। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने राज्यसभा में कहा कि कांग्रेस ने मुस्लिमों को दोयम दर्जे का आदमी बना दिया। जब मुस्लिम देश वक्फ की संपत्ति को ट्रांसपेरेंट कर रहे हैं तो फिर भारत की धरती पर करने में दिक्कत क्या आ रही है। वक्फ बिल के जरिए हमने ये कोशिश की है कि इनकी संपत्तियों का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल हो सके। जेपी नड्डा ने राज्यसभा में कहा कि मैं इतना जरूर कहना चाहता हूं कि संपत्ति को दान देने वाला जेनुइन तो होना चाहिए। उसका प्रैक्टिसिंग मुसलमान तो होना ही चाहिए। इस बिल में यही बात है, लेकिन कुछ लोग इसका विरोध कर रहे हैं।

कांग्रेस नेता इमरान प्रतापगढ़ी ने कहा कि यह विधेयक असंवैधानिक है। बीजेपी सरकार वक्फ की जमीनों को हड़पने का प्रयास कर रही है। मुसलमानों की जमीन पर बात करने के लिए लोकसभा में बीजेपी के पास एक भी मुसलमान सांसद नहीं है। एक भी मुस्लिम महिला सदस्य नहीं है। वक्फ की जो जमीनें हैं उसे हमारे पुरखों ने डोनेट किया है।

राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने कहा कि समझ लीजिए कि मेरे पास कुछ प्रॉपर्टी है और मैं उसको चैरिटी में देना चाहता हूं कि तो उसे कौन रोक सकता है। देश में जब वन नेशन वन लॉ होना है तो फिर ये कहना कि केवल मुसलमान ही वक्फ दे सकता है किस तरह से सही है। प्रॉपर्टी मेरी, मालकियत मेरी फिर आप कौन होते हो कि चैरिटी में किसे देना है या नहीं देना है। इस बिल में ये प्रावधान रखा क्यों गया ये अपने आप में सवाल है। राष्ट्रीय जनता दल के नेता मनोज झा ने राज्यसभा में बोलते हुए वक्फ संशोधन विधेयक को असंवैधानिक बताया है। उन्होंने कहा कि कुछ समुदायों को हाशिए पर धकेला जा रहा है।

इस बिल को लेकर सरकार का इरादा ठीक नहीं: खड़गे

वक्फ बिल पर राज्यसभा में चर्चा के दौरान अपनी बात रखते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि इसमें खामियां हैं। सरकार की मंशा ठीक नहीं है। एक तरह से यह परेशान करने के लिए यह बिल लाया गया है। ये सरकार अल्पसंख्यकों को आर्थिक रूप से मजबूत करने के लिए तैयार नहीं है क्योंकि समय दर समय उनके बजट में कटौती की गई। इस बिल को लेकर सरकार का इरादा ठीक नहीं है। ये अब वक्फ बोर्ड की संपत्ति को जमा करके किसकों देंगे ये मुझे पता नहीं। सारे पब्लिक सेक्टर बेच रहे हैं। कहा कि इन्होंने बिल में कलेक्टर को शामिल किया है। कलेक्टर तो इसमें फैसला अपने फेवर में करेगा न की इनके फेवर में करेगा। इसमें दो नॉन मुस्लिम सदस्यों को शामिल किया जाएगा, लेकिन क्या तिरुपति में जो ट्रस्ट है उसमें क्या आप किसी मुस्लिम समाज के लोग को डालेंगे। किसी भी मंदिर के ट्रस्ट में दलित सदस्य नहीं हैं। खरगे ने कहा कि आप झगड़े का बीज डाल रहे है। मैं अपील करता हूं कि इस बिल को वापस लिया जाए। अगर पहले के कानून में गलतियां हैं तो उसमें सुधार लाया जाए। मुसलमानों के लिए यह बिल अच्छा नहीं है। ये बिल संविधान के खिलाफ है। नजर नहीं है, नजारों की बात करते हैं। जमीं पे चांद सितारों की बात करते हैं, वो हाथ जोड़कर बस्ती को लूटने वाले भरी सभा में सुधारों की बात करते हैं, बड़ा हसीन है उनकी जुबान की जादू, लगा के आग बारों की बात करते हैं।

खंडवा में कुआं साफ करने के दौरान दम घुटने से आठ की मौत

गणगौर पर्व का उत्साह मातम में बदला

एजेंसी/खंडवा

खंडवा जिले के छैगांवमाखन ब्लाक के ग्राम कोंडावत में गणगौर पर्व का उत्साह उस समय मातम में बदल गया। करीब 150 साल पुराने सार्वजनिक कुएं में जवारे विसर्जन के लिए सफाई के लिए कूदे ग्रामीण मौत का शिकार हो गए। मौत के इस कुएं ने एक-एक कर 8 लोगों को आगोश में ले लिया। कुएं में मौजूद जहरीली गैस के कारण लोगों का दम घुट गया।

सूचना मिलते ही मौके पर कलेक्टर ऋषव गुप्ता, एसपी मनोज राय सहित पूरा प्रशासनिक व पुलिस अमला मौके पर पहुंचा। कुएं में गैस का प्रभाव कम करने के लिए पानी निकाले जाने के बाद रेस्क्यू टीम एसडीआरएफ के जवानों ने कूदकर लोगों के शव बाहर निकाले। शवों के बाहर निकलते ही गांव में चीख पुकार मच गई। गुरुवार को ग्रामीण अंचल में गणगौर पर्व के अंतिम दिन रणुबाई को विदाई देने के लिए उत्साह का वातावरण रहा। ग्राम कोंडावत में भी ग्रामीणों द्वारा माता के रथ बौड़ाए गए थे। इन रथों के विसर्जन से पूर्व गांव में गणगौर माता की पूजा के साथ भंडारे भी हुए। शाम को जवारे विसर्जन की तैयारियां चल रही थीं।

गांव के ही सार्वजनिक कुएं में जवारों का विसर्जन हर साल किया जाता है। जवारे विसर्जित करने से पूर्व सफाई व्यवस्था के लिए गांव के कुनबी समाज के लोग इस कुएं में उतरे, लेकिन वे वापस नहीं आए। अचेत होने लगे, तो इन्हें बचाने के लिए कुछ लोग और कुएं में उतर गए। एक के बाद एक आठ लोग कुएं में कूदे, लेकिन ये वापस नहीं लौट पाए। इसके बाद कोई भी कुएं में उतरने की हिम्मत नहीं दिखा पाया। कुएं के आसपास ग्रामीणों की भीड़ लग गई। कुएं में अचेत हो चुके लोगों के परिजन आवाज देते रहे, लेकिन कोई आवाज नहीं आई। चीख पुकार मचने लगी। कुएं के आसपास भारी भीड़ जमा हो गई। प्रारंभिक जांच में कुएं में मीथेन गैस से हादसा होने की संभावना है, जिसके संपर्क में आने से दम घुटने से इन लोगों की जान गई।

बिहार की महिला से बेंगलुरु में रेप, दो धराए

एजेंसी/बेंगलुरु

बिहार की एक महिला से बेंगलुरु में रेप किया गया है। घटना बुधवार की रात करीब 1.30 बजे आरके पुरम रेलवे स्टेशन के करीब घटी। पीड़ित महिला केरल में काम करती है। वह बिहार में अपने घर लौट रही थी। वह अपने मामा के बेटे के साथ स्टेशन पर पहुंची थी। महिला केरल के एनार्कुलम में काम करती है। वह बिहार जाने के लिए केरल से बेंगलुरु आई थी। उसने अपने मामा के बेटे को बताया कि बेंगलुरु पहुंच गई हूं। ममरे भाई ने उसे आरके पुरम स्टेशन जाने के लिए कहा।

पुलिस के अनुसार, दोनों खाना लेने के लिए महादेवपुरा की ओर जा रहे थे तभी स्टेशन परिसर के बाहर ऑटोरिक्शा में सवार दो लोग उनके पास आए। महिला द्वारा दर्ज कराई गई एफआईआर के अनुसार एक संदिग्ध ने उसके ममरे भाई को पकड़ लिया। दूसरा संदिग्ध महिला को घसीटकर सुनसान इलाके में ले गया और उसके साथ रेप किया। इस दौरान महिला चीखने-चिल्लाने लगी। आसपास के लोगों से मदद मांगने लगी। उसकी आवाज सुनकर आसपास के लोग जुटे और एक संदिग्ध को पकड़ लिया। उसे पुलिस के हवाले किया गया है। पुलिस ने जांच के बाद कर्नाटक के कोलार के मुलाबागिलु कस्बे से आसिफ और सैयद मुशर नाम के दो लोगों को गिरफ्तार किया है। व्हाइटफील्ड के डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस ने बताया कि आसिफ पर यौन उत्पीड़न का आरोप है। सैयद मुशर ने पीड़िता के भाई को बंधक बनाया था।

उप्र के मदरसों में एनसीईआरटी की तर्ज पर लागू हुआ पाठ्यक्रम

एजेंसी/लखनऊ

उत्तर प्रदेश के सभी मदरसों में नए शैक्षिक सत्र 2025-26 से राष्ट्रीय शैक्षिक व अनुसंधान प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की तर्ज पर पाठ्यक्रम लागू कर दिया गया है। मदरसों में पढ़ने वाले बच्चों को इसी सत्र से कक्षा एक से तीन तक एनसीईआरटी की किताबें दी जाएंगी। सभी मदरसों में बेसिक शिक्षा परिषद की तर्ज पर इस साल से बच्चों को एनसीईआरटी की किताबें दी जाएंगी। इस संबंध में मदरसा बोर्ड की ओर से जारी आदेश में कहा गया कि बेसिक शिक्षा विभाग अपने विद्यालयों में चरणबद्ध तरीके से एनसीईआरटी का पाठ्यक्रम लागू कर रहा है। इसी प्रकार से प्रदेश के मान्यता प्राप्त राज्यानुदानित मदरसों में भी चरणबद्ध तरीके से एनसीईआरटी का पाठ्यक्रम लागू कर दिया गया है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने खोजवां के कश्मीरीगंज में किया मंदिर का भूमि पूजन

काशी में बनेगा अयोध्या जैसा भव्य और अद्भुत श्रीराम मंदिर

एजेंसी/वाराणसी

सीएम योगी ने अब काशी में भव्य राम मंदिर बनाने के लिए भूमि पूजन किया। खोजवां के कश्मीरीगंज स्थित रामानंदचार्य सम्प्रदाय के श्रीराम जानकी मंदिर को भव्य स्वरूप देने के लिए भूमि पूजन किया। 700 सालों का इतिहास समेटे ये मंदिर अत्यंत धार्मिक प्रभाव वाला है। गोस्वामी तुलसी दास के गुरू नरहरि दास और गोस्वामी तुलसीदास भी यहां पांच साल रहकर अध्ययन कर चुके हैं। साल 1669 काशी के लिए एक अभिशाप के रूप में था। औरंगजेब ने फरमान जारी कर मंदिरों

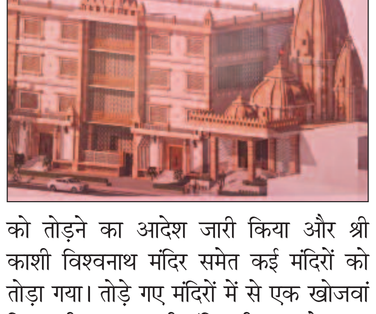

को तोड़ने का आदेश जारी किया और श्री काशी विश्वनाथ मंदिर समेत कई मंदिरों को तोड़ा गया। तोड़े गए मंदिरों में से एक खोजवां स्थित श्री राम जानकी मंदिर भी था, जो 350 साल पहले रामानंद सम्प्रदाय के अनंतानंदाचार्य ने 1398 में कश्मीर से आए अपने 17 शिष्यों के साथ स्थापित किया था। अप्रैल 1669 में जब आक्रांताओं ने मंदिर तोड़ा तो मूर्तियां भी खंडित हो गई थीं, लेकिन लक्ष्मी नारायण जी की मूर्ति सुरक्षित रह गई थी। मंदिर तोड़कर आक्रांताओं द्वारा मस्जिद निर्माण का प्रयास किया गया, लेकिन वो सफल नहीं हो सके। काशी के लोगों ने उनके मनसूबों पर पानी फेर दिया। संत सियाराम दास ने 1700 में दोबारा इस मंदिर का निर्माण किया। तब से ये मंदिर जस का तस खड़ा है।

सीएम योगी ने श्रीराम मंदिर आंदोलन का जिक्र करते हुए कहा कि ये संतों के बलिदान और उनकी तपस्या का ही फल है कि अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर का निर्माण हो पाया है और इसमें काशी के लोगों की भूमिका भी निर्णायक रही, जो उन्होंने एक ऐसे प्रतिनिधि को चुनकर भेजा, जिसके दृढ़ निश्चय से ये संभव हो पाया। सीएम योगी ने कहा कि रामानंदाचार्य की महान परम्परा के 26वें पीठ प्रमुख श्री कमलाचार्य जी के नेतृत्व में काशी में भी भव्य राम जानकी मंदिर का निर्माण होगा। सीएम ने कहा कि 40-50 साल के इतिहास पर कुछ लोग सीना चौड़ा करते हैं, जबकि इस मंदिर का इतिहास 700 साल पुराना है। कई सन्यासियों ने यहां रह कर सनातन की सेवा की, जिनमें गोस्वामी तुलसीदास जी भी शामिल हैं।

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के मंत्री संजय सरावगी ने अधिकारियों को दिये निर्देश

स्वघोषणा पत्र के साथ जमीन के सभी कागजात संलग्न कर देना जरूरी नहीं

- पुराना सचिवालय स्थित कार्यालय कक्ष में सर्वे निदेशालय के अधिकारियों के साथ भूमि सर्वे की प्रगति की समीक्षा की हुई समीक्षा
- 31 मार्च तक कुल 11500916 स्वघोषणा प्राप्त हुई है

केटी न्यूज/पटना

स्वघोषणा के साथ जमीन के सभी कागजात संलग्न करके देना जरूरी नहीं है। फिलहाल जमीन के जितने कागजात रैयत के पास उपलब्ध हैं, उतने ही संलग्न करें और और बाकि के कागजात का इंतजाम किस्तवार एवं खानापुरी के समय तक कर लें। इस प्रकार बिहार के जमीन मालिक बेहतर ढंग से भूमि सर्वे में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकते हैं। यह बात राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के मंत्री संजय सरावगी ने आज भूमि सर्वे की समीक्षा के दौरान कही। सरावगी पुराना सचिवालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में सर्वे निदेशालय के अधिकारियों के साथ भूमि सर्वे की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में विभाग के सचिव जय सिंह भी उपस्थित थे। बैठक में स्वघोषणा की तिथि बढ़ाने की संभावना पर भी चर्चा की गई। तिथि बढ़ाने के क्रम में आनेवाली तकनीकी और विधिक कठिनाइयों पर भी विचार किया गया। माननीय मंत्री को सर्वे निदेशालय के अधिकारियों ने बताया कि 31 मार्च तक कुल 11500916 स्वघोषणा प्राप्त हुई है। इसमें रैयतों द्वारा शिविरों में जमा किए गए ऑफलाइन एवं रैयतों द्वारा निदेशालय की वेबसाइट पर जमा किए गए। ऑनलाइन, दोनों प्रकार की स्वघोषणा शामिल है। इसमें दूसरे चरण में शुरू किए गए 36 जिलों के सभी 445 अंचलों (सर्वे शिविरों) में रैयतों द्वारा जमा की गई स्वघोषणा की संख्या को भी जोड़ा गया है। वहीं दूसरे नंबर पर आनेवाने दरभंगा के बिरौल शिविर में कुल 114067 स्वघोषणा प्राप्त हुई है। दरभंगा का बहेड़ी, कुशेश्वर स्थान, अररिया का जौकी हाट, फारबिसगंज एवं पलासी में भी बड़ी संख्या में रैयतों ने स्वघोषणा जमा किया है। इसी प्रकार समस्तीपुर के कल्याणपुर और औरंगाबाद के नबीनगर सर्वे शिविर की स्थिति भी स्वघोषणा प्राप्त करने के मामले में संतोषप्रद है। जमीन पैमाइश में गड़बड़ी की अपील अब डीसीएलआर कोर्ट में ऑनलाइन की जा सकेगी। इसके साथ ही रैयती और सरकारी जमीन की मापी की प्रक्रिया ई-मापी पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन की जा चुकी है। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने एक अप्रैल से इस व्यवस्था की शुरूआत कर दी है। इसके अनुसार रैयत अब मापी अपील आवेदन भी ऑनलाइन कर सकेंगे। साथ ही इसकी आगे की सभी प्रक्रिया भी ऑनलाइन होगी। इसमें आवेदन के गुण या दोष की जांच, सुनवाई की तिथि, मापी आवेदन शुल्क जमा करना, अमीन को मापी की जिम्मेदारी देने सहित मापी की रिपोर्ट ऑनलाइन होना शामिल है।

कर्मी 15 दिनों में सुधारें अपनी कार्य प्रणाली

समीक्षा के क्रम में कुछ जिलों में स्वघोषणा की संख्या काफी कम देखकर सरावगी ने नाराजगी जाहिर की और उपस्थित अधिकारियों को सबसे खराब परफॉर्मेंस वाले जिलों-सर्वे शिविरों को चिन्हित करने का निर्देश दिया। साथ ही चेतावनी दी कि खराब परफॉर्मेंस वाले शिविरों के कर्मियों ने 15 दिनों में अपना प्रदर्शन नहीं सुधारा, तो उन्हें कार्य मुक्त करने की कार्रवाई शुरू की जाएगी। पश्चिम चंपारण जिले के 5 अंचलों, बेतिया, पिपरासी, मधुबनी, ठकराहा और भितहा में स्वघोषणा की संख्या सबसे कम पाई गई। इसी प्रकार पूर्वी चंपारण जिले के 5 अंचलों पिपराकोठी, तुरकौलिया, बनकटवा, छौड़ादानो और रक्सौल में स्वघोषणा की संख्या काफी कम रही। चंपारण के ये 10 अंचल पूरे बिहार में स्वघोषणा प्राप्त करने में सबसे पीछे रहे। बेतिया सदर में अबतक मात्र 187 स्वघोषणा ही प्राप्त हुई है जबकि पिपरासी अंचल में प्राप्त स्वघोषणा की संख्या मात्र 524 है। दूसरी तरफ अररिया सदर अंचल में रैयतों से प्राप्त स्वघोषणा की संख्या 136777 पहुंच गई है।

आप का दावा... पंजाब की तरह बिहार में बनेगी सरकार

केटी न्यूज/समस्तीपुर

आम आदमी पार्टी के कार्यकताओं ने गुरुवार से समस्तीपुर में केजरीवाल पद यात्रा शुरू की। पद यात्रा का नेतृत्व पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राकेश यादव ने किया। इससे पूर्व पद यात्रा की शुरूआत शहर के धुरलख गांव से हुई। जहां पद यात्रा में शामिल लोगों ने आम लोगों को जानकारी देते हुए बताया कि जिस तरह से केजरीवाल सरकार ने दिल्ली में आम लोगों के लिए काम किया, शिक्षा के क्षेत्र में, सड़क के क्षेत्र में काम किए गए। इस तरह का काम इन दिनों पंजाब में किए जा रहे हैं। अगर बिहार में आम आदमी पार्टी की सरकार बनी, तो उसी तर्ज पर काम भी किया जाएगा। पदयात्रा में शामिल लोग विभिन्न मार्ग से होते हुए शहर के अंबेडकर और कपूर्री ठाकुर के प्रतिमा स्थल पर पहुंचकर उन्हें माल्यार्पण किया। इसके बाद पद यात्रा में शामिल लोग ओवरब्रिज होते हुए शहर के स्टेशन चौराहा स्थित गांधी स्मारक स्थल पर गांधी के प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके बाद पद यात्रा विभिन्न मार्गों से होते हुए रोसड़ा पहुंची। प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि इस बार पद यात्रा का उद्देश्य आम लोगों को केजरीवाल सरकार और पंजाब सरकार के जनहित के कार्यों को आम लोगों को बताना है।

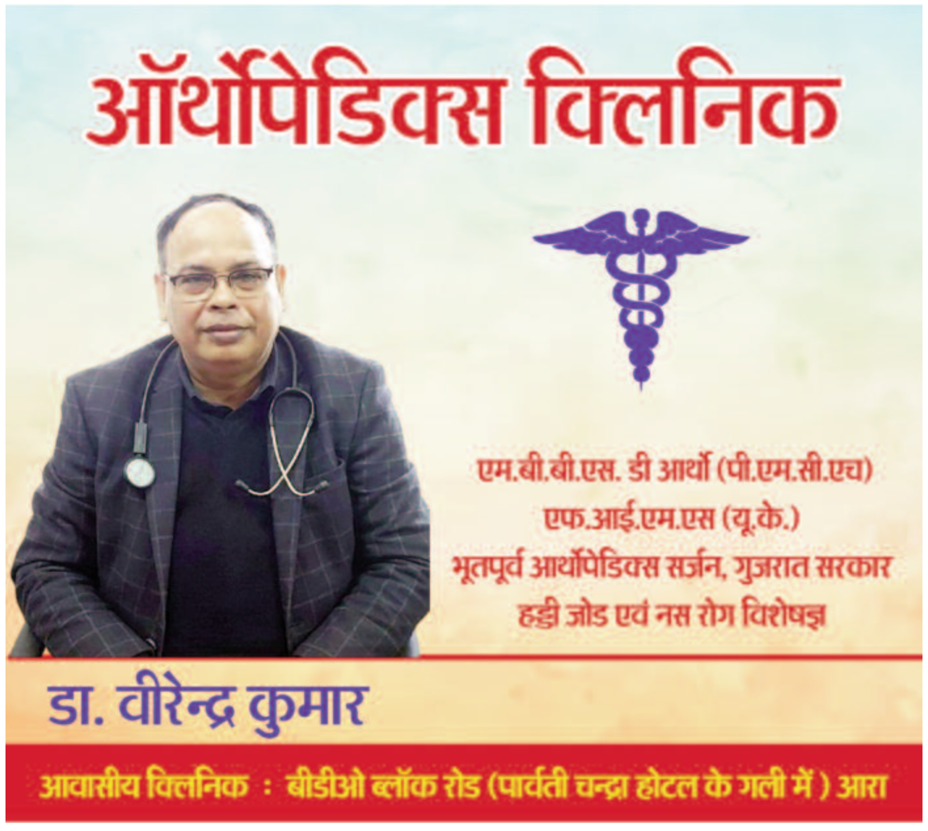

हाई कोर्ट ने दिया आदेश... बीपीएससी टीआरई वन पास शिक्षकों को एक माह में दें सीधा नियुक्ति पत्र

केटी न्यूज/पटना

पटना हाई कोर्ट ने सुप्रीम के एक फैसले का हवाला देते हुए बिहार सरकार के शिक्षा विभाग को आदेश दिया है कि बिहार लोक सेवा आयोग की टीआरई 1 में पास डिप्लोमाधारी शिक्षकों की काउंसलिंग 15 दिनों के अंदर कराते हुए एक महीने के अंदर उन्हें नियुक्ति पत्र दें। पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट के आदेश की प्रति मिलने पर भी जब इन्हें अकारण परेशान कर नियुक्त नहीं किया जा रहा था। अब हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के उसी फैसले का हवाला देते हुए शिक्षा विभाग को यह सीधा आदेश दिया है। सीएम नीतीश कुमार लगातार नौकरियां देने की बात कर रहे हैं। शिक्षा में सुधार के लिए विभाग के मौजूदा अपर मुख्य सचिव एस. सिद्धार्थ भी लगातार जमीन पर काम कर रहे हैं। लेकिन, इसी के साथ शिक्षा विभाग में मनमानी का भी रवैया सामने आ रहा है।

शिक्षा विभाग के प्राथमिक शिक्षा निदेशक पंकज कुमार की ओर से पिछली बार एक विज्ञापन जारी किया गया था, जिसमें टीआरई-1 के तहत बीपीएससी की ओर से प्रकाशित परीक्षाफल में अनुशंसित विद्यालय अध्यापकों के दस्तावेज सत्यापन की तारीख 10 फरवरी 2025 निर्धारित की गई थी। 10 फरवरी की सुबह ही विकास भवन में इन सफल परीक्षार्थियों ने पहुंचकर इंतजार करना शुरू किया। जो कागजात मांगे गए थे, सारे लेकर पहुंचे थे। लेकिन, अंदर जाते ही इनसे एक ऐसे कागज की मांग की गई कि सभी का गला सूखने लगा। विज्ञापन में शिक्षा विभाग ने साफ स्वीकार किया कि सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका पर 10 दिसंबर 2024 को पारित आदेश में दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से प्राथमिक शिक्षा में 18 महीने की इन-सर्विस ट्रेनिंग डिप्लोमा धारण करने वाले अभ्यर्थियों की पात्रता को मान्य किया गया है। सुप्रीम कोर्ट का फैसला दिसंबर में, पूरे दो महीने पहले आया था। बीपीएससी टीआरई-1 के विज्ञापन के समय भी इसे मान्य रखा गया था और इसी आधार पर इन्हें चयनित सूची में रखते हुए ऐसे अभ्यर्थियों का जिला आवंटित तक हो चुका था।

ई-ग्राम कचहरी से बढ़ी न्यायिक पारदर्शिता, 22684 मामले दर्ज

पटना। बिहार सरकार ने ग्रामीण जनता को त्वरित न्याय दिलाने और कोर्ट-कचहरी के चक्कर से बचाने के लिए ई-ग्राम कचहरी प्रणाली की शुरूआत की है। सुलभ न्याय दिलाने के उद्देश्य से न सिर्फ प्रदेश के गांवों में न्यायिक प्रक्रियाओं को सरल एवं प्रभावी बना रही है। राज्य में अब तक कुल 22 हजार 684 मामले दर्ज किए जा चुके हैं। ऑनलाइन मामलों के पंजीकरण की सुविधा के साथ बिहार देश का पहला राज्य बन गया है। जहां इस तरह की व्यवस्था लागू की गई है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 24 अक्तूबर 2024 को इस अत्याधुनिक न्याय प्रणाली का शुभारंभ किया था, जो अब गांवों में प्रभावी रूप से कार्य कर रही है।

आवासीय विद्यालयों की रसोई संभालेंगी जीविका दीदियां

पटना। पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग और जीविका के बीच गुरुवार को एक महत्वपूर्ण समझौते पर हस्ताक्षर किया गया है। इसके तहत 39 अन्य पिछड़ा वर्ग कन्या आवासीय प्लस-2 उच्च विद्यालयों में छात्राओं के कल्याण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया है। समझौते पर हस्ताक्षर पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की ओर से अपर सचिव अनिल कुमार ठाकुर और जीविका के निदेशक (उद्यम) विनय कुमार राय द्वारा किया गया। समझौता ज्ञापन के मुख्य बिंदुओं में रसोई के माध्यम से सभी 39 कन्या आवासीय प्लस-2 विद्यालयों में रहने वाली छात्राओं को भोजन की सुविधा प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त स्वच्छता और कपड़े धोने की सेवाएं भी जीविका द्वारा ही प्रदान की जाएगी।

युवाओं में डोमिसाइल नीति को लेकर नाराजगी : कन्हैया

- कन्हैया कुमार ने पलायन रोको नौकरी दो यात्रा दोबारा शुरू की
- यात्रा पहुंची पूर्णिया, कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

केटी न्यूज/पूर्णिया

कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार की पलायन रोको नौकरी दो यात्रा दोबारा शुरू हो गई है। गुरुवार को कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार यात्रा में शामिल होने पूर्णिया पहुंचे। कांग्रेस कार्यालय गोकुल कृष्ण आश्रम में प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कन्हैया कुमार ने पूर्णिया के किसानों की बदहाल स्थिति, मक्का में बिचौलियों की, रोजगार, सूखा नशा स्मैक जैसे मुद्दों पर अपनी बात रखी।कन्हैया ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, यहां मेरी कई लोगों से बातचीत हुई। इससे मैं स्थानीय मुद्दों से वाकिफ हो सका। युवाओं में डोमिसाइल नीति को लेकर नाराजगी है। मांग है कि बिहार में डोमिसाइल नीति लागू होना चाहिए।

युवाओं का बिहार से बाहर जाने पर लोग बिहारी कह कर अपमानित करते हैं और अपने राज्य में भी बिहारी होने का कोई लाभ नहीं। पलायन, जुट और चीनी मील के कारखानों के बंद होने, एयरपोर्ट के मुद्दे पर भी अपनी बात खुलकर रखी। किसी जमाने में पूर्णिया सीमांचल और कोसी का सेंटर पॉइंट हुआ करता था। इसी से टूटकर चार जिले बने। लेकिन आज राजनीतिक उपेक्षा और राजनीतिक प्रतिनिधित्व की कमी के कारण पूर्णिया लगातार पिछड़ता जा रहा है। सरकारी इकाई को यहां से उठाकर क्षीण और शिफ्ट कर दिया जाता है। पूर्णिया व्यापार और शिक्षा का केंद्र रहा है, मगर आज ऐसी स्थिति है कि विकास की जो धारा पटना से चलती है, पूर्णिया को काटकर क्षीण और शिफ्ट हो जाती है। पूर्णिया के लोगों को इलाज करने के लिए कोलकाता पर निर्भर रहना पड़ता है। अब जरूरत है पूर्णिया को विकास की धारा से जोड़कर रखने की। पूर्णिया के लोगों ने यात्रा में सहयोग किया, इसके लिए यहां की जनता का आभारी हूं।

व्रतियों ने पूजा अर्चना व अर्घ्य देकर परिवार की सुख, शांति और समृद्धि की कामना की

आस्था: चैती छठ के तीसरे दिन अस्ताचलगामी भगवान सूर्य को व्रतियों ने अर्पित किया अर्घ्य

केटी न्यूज/पटना

चार दिवसीय लोकआस्था का महापर्व चैती छठ का गुरुवार को तीसरा दिन रहा। देर शाम अस्ताचलगामी भगवान भास्कर को छठव्रतियों ने अर्घ्य अर्पित किया। डूबते हुए भगवान सूर्य की पूजा-अर्चना कर उन्हें अर्घ्य देकर परिवार की सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। पटना में छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गयी। छठव्रती अपने पूरे परिवार के सदस्यों के साथ अर्घ्य देने छठ घाट पर पहुंचे। छठव्रतियों के साथ-साथ परिवार के सदस्यों ने भी भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया। इस दौरान पटना सिटी के गंगा घाटों पर भी लोगों की भारी भीड़ देखी गयी। कई छठ व्रतियों ने अपने-अपने घर के छत पर भी भगवान भास्कर को अर्घ्य दिया। कल शुक्रवार को छठव्रती उदयगामी भगवान सूर्य को अर्घ्य देंगे। सुबह उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देने के बाद छठव्रती प्रसाद ग्रहण करेंगे। प्रसाद ग्रहण करने के साथ ही उनके 36 घंटे का निर्जला उपवास सम्पन्न होगा। चार दिवसीय चैती छठ महापर्व की शुरुआत मंगलवार 01 अप्रैल को नहाय-खाय के साथ हुआ था। जिसके अगले दिन 02 अप्रैल दिन बुधवार को खरना पूजा किया गया। छठ व्रतियों ने भक्तिमयी माहौल में खरना का प्रसाद ग्रहण किया। गुड़, चावल और दूध से तैयार खीर के साथ रोटी के प्रसाद का भोग बड़े ही श्रद्धाभाव से चढ़ाया गया। जिसके साथ ही व्रतियों का 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू हुआ। गुरुवार को अस्ताचलगामी सूर्य और शुक्रवार को उदायीमान सूर्य को अर्घ्य देने का साथ महापर्व छठ का समापन होगा। उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही चार दिवसीय महापर्व को व्रती पारण के साथ व्रत तोड़ेंगी। यह व्रत संतान की लंबी आयु और सुख-समृद्धि के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है।

मिली सफलता: चौसा चेकपोस्ट पर पटना ले जाई जा रही 36 लाख की प्रतिबंधित कफ सिरप बरामद

♦ लहसुन की बोरी के नीचे छुपा कर यूपी क्षेत्र से लाई जा रही सिरप राजधानी में पहुंचाने का था उद्देश्य

केटी न्यूज/बक्सर

उत्पाद पुलिस ने चौसा चेकपोस्ट पर बड़ी कार्रवाई करते हुए ड्रग्स के तहत प्रतिबंधित कफ सिरप की 12 हजार बोतल जब्त की है, जिसकी कीमत 36 लाख रूपए आंकी गई है। तस्कर इसे लहसुन की बोरियों के नीचे छिपाकर यूपी से बिहार ला रहे थे। सिरप को राजधानी पटना तक पहुंचाने की योजना थी, लेकिन पुलिस की मुस्तैदी से उनके मंसूबे नाकाम हो गए। नशे के सौदागरों की करतूत देख उत्पाद विभाग की टीम भी हैरान थी।

उत्पाद चेकपोस्ट प्रभारी दिलीप सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि यह प्रतिबंधित कफ सिरप नशे के अवैध कारोबार में इस्तेमाल की जाती है। इसे बिहार में तस्करी कर युवाओं को नशे की गिरफ्त में धकेलने की साजिश थी। पुलिस ने ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया है। जिसकी पहचान यूपी के गाजीपुर जिले के नन्दगंज निवासी संदीप कुमार के रूप में की गई।

शराबबंदी के बाद से बढ़ गई है वैकल्पिक विकल्पो की डिमांड : बता दें कि बिहार में शराबंदी कानून लागू होने के बाद से नशाखोरों द्वारा नशे की आपूर्ति के लिए कई वैकल्पिक विकल्पों का उपयोग किया जा रहा है। कोडीन युक्त फेंसिडिल भी नशाखोरों के विकल्प में शामिल है। वहीं, इसमें मानक से अधिक अल्कोहल की मात्रा के कारण ही इसे प्रतिबंधित किया गया है। बक्सर सीएस शिव कुमार प्रसाद ने इसे प्रतिबंधित किए जाने की पुष्टि की है।

पुलिस अलर्ट, कार्रवाई जारी : निरीक्षक ने बताया कि बिहार में नशे के खिलाफ अभियान तेज कर दिया गया है। सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और तस्करों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। पुलिस अब इस तस्करी के पीछे छिपे बड़े रैकेट का पदार्फाश करने में जुटी है। उन्होंने बताया कि पकड़े गए कफ सिरप की गिनती कार्यपालक दंडाधिकारी विनोद कुमार की देख रेख में गिनती की गई। वहीं इसकी सूचना एसडीओ को भी दी गई है।

लहसुन की बोरियों के नीचे छिपाया गया था पूरा माल

चौसा चेकपोस्ट पर नियमित चेकिंग के दौरान पुलिस ने एक संदिग्ध ट्रक को रोका। जब अधिकारियों ने वाहन की तलाशी ली, तो लहसुन की बोरियों के नीचे बड़ी मात्रा में कोडीन युक्त फेंसिडिल सिरप बरामद हुई। जिसे मानक से अधिक अल्कोहल के कारण ड्रग्स की दुनिया में प्रतिबंधित कर दिया गया है। पूछताछ में चालक सिरप की सही जानकारी देने में असमर्थ रहा, जिससे पुलिस को संदेह हुआ। हालांकि, पकड़े गए चालक के अनुसार राज्य के राजधानी पटना में इसे खपाने की साजिश थी।

86 ली. विदेशी शराब समेत ऑटो जब्त, तस्कर गिरफ्तार

बक्सर। वीर कुंवर सिंह सेतु स्थित चेकपोस्ट पर वाहन जांच के दौरान शराब के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया। गुरुवार को यह कामयाबी मद्य निषेध पुलिस की टीम को मिली। आरोपी की पहचान पटना के दीघाघाट स्थित संगम कॉलोनी निवासी आकाश कुमार के रूप में हुई। गिरफ्तार युवक के पास से भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद हुई। इसकी पुष्टि करते हुए मद्य निषेध पदाधिकारी आलोक रंजन ने बताया कि 8 पीएम ब्रांड के कुल 479 टेट्रा पैक शराब जब्त की गई है। जिसकी कुल मात्रा 86.22 लीटर है।

खबरें फटाफट

स्टेशन के टिकट काउंटर से गिरफ्तार हुआ टिकट दलाल

बक्सर। वरीय मंडल सुरक्षा आयुक्त दानापुर प्रकाश कुमार पंडा के निर्देश पर बक्सर आरपीएफ के निरीक्षक प्रभारी कुंदन कुमार के नेतृत्व में आरपीएफ पोस्ट बक्सर के अधिकारी एवं जवानों द्वारा त्योहार सीजन के बाद टिकट दलालों के विरुद्ध बक्सर स्टेशन के टिकट काउंटर पर निगरानी के दौरान एक टिकट दलाल को पकड़ा गया। जिसके पास से अन्य चार व्यक्तियों के लिए ओपनिंग टिकट नई दिल्ली से पटना का, तीन बिना भरा हुआ आरक्षण मांग पत्र एवं नगद 3520 रुपया बरामद किया गया। आरपीएफ पोस्ट प्रभारी कुंदन कुमार ने बताया कि पकड़े गए व्यक्ति की पहचान राजेश कुमार उम्र करीब 28 वर्ष पिता प्यारचंद शाह ग्राम पिपराढ़ थाना राजपुर जिला बक्सर के रूप में हुई है। आरपीएफ की पूछताछ के दौरान टिकट दलाल ने एक हजार से 1500 प्रति टिकट किराया के अतिरिक्त लाभ लेकर टिकट बनवाने की बात स्वीकार किया है। वहीं, टिकट दलाल के पकड़े जाने से अन्य टिकट दलालों में हड़कंप मचा हुआ है। टिकट काउंटर पर अन्य आम जनता को टिकट मिले इसके लिए आरपीएफ की टीम सक्रिय है।

आवास सहायक एवं विकास मित्र को शो-कॉज का जिलाधिकारी ने दिया निर्देश

ताज्जूब: महादलित टोले के लोगों को पीएम आवास योजना की जानकारी नहीं

♦ दलसागर में डीएम के निरीक्षण में खुली ग्रामीण आवास योजना समेत अन्य विकास योजनाओं की कलई

केटी न्यूज/बक्सर

प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना में कमीशनखोरी की चर्चाएं अक्सर सुनने को मिलती है। इस योजना का लाभ पाने के लिए अक्सर ग्रामीण प्रखंड कार्यालय का चक्कर लगाते है। यह योजना गरीब परिवारों को अपना छत मुहैया कराती है, लेकिन जिले के एक महादलित समुदाय के टोले के निवासियों को इस योजना की जानकारी ही नहीं है और उक्त टोले के निवासी अबतक इस महत्वपूर्ण योजना का लाभ पाने से वंचित भी है। गुरूवार को जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल के समक्ष खुद ग्रामीणों ने यह बताया कि उन्हें प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना समेत कई अन्य योजनाओं के बारे में नहीं बताया गया है। इसके बाद डीएम सख्त हो गए तथा तुरंत संबंधित पंचायत के आवास सहायक व विकास मित्र से शो-कॉज करने का निर्देश देने के साथ ही अनुसूचित जाति बस्तियों में कैंप लगा सरकारी योजनाओं की जानकारी देने का फरमान सुनाया है।

बस्ती वालों को आवास समेत अन्य योजनाओं की नहीं थी जानकारी : इस बस्ती में भ्रमण के क्रम में जिलाधिकारी ने बस्तीवालों से अन्य सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी हासिल करनी चाही, लेकिन वे किसी भी अन्य लाभकारी सरकारी योजनाओं की जानकारी जिलाधिकारी को नहीं दे सकें। जिलाधिकारी ने कहा कि इन टोलों में सरकारी योजनाओं की जानकारी का अभाव है। यह विकास मित्र के दायित्वों के प्रति लापरवाही प्रदर्शित करता है। उन्होंने इस लापरवाही पर संबंधित विकास मित्र से स्पष्टीकरण पूछने का निर्देश दिया।

कैंप लगा सरकारी योजनाओं की दें जानकारी : इस बस्ती में निरीक्षण के दौरान सरकारी योजनाओं की जानकारी के अभाव की पर जिलाधिकारी काफी नाराज हुए। उन्होंने जिला कल्याण पदाधिकारी को निर्देश दिया कि अनुसूचित जाति टोलों में कैम्प आयोजित कर सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराएं। जिससे लोगों के बीच सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी हो सके एवं उन्हें उसका लाभ दिया जा सकें।

ऐसे समझिए पूरा मामला

जिलाधिकारी ने सदर प्रखंड के दलसागर पंचायत के वार्ड संख्या आठ के महादलित टोले का भ्रमण के दौरान जिलाधिकारी ने इस टोला में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) सर्वेक्षण के बारे में इस बस्ती निवासी नंदजी, अनिता देवी, सुनीता देवी, निर्जला देवी, बियफी देवी एवं अन्य लोगों के घर घर जाकर आवास योजना सर्वेक्षण के बारे में पूछताछ की। इस दौरान बस्ती वालों ने उन्हें बताया कि उन्हें न तो इस योजना की जानकारी है और न ही योजना के तहत कितनी राशि मिलती है इसकी जानकारी उन्हें है। जाहिर है, सर्वेक्षण के दौरान आवास सहायक या अन्य कर्मी बस्ती में जाकर कुछ जानकारी नहीं दिए है। जबकि अभी आवास योजना के सर्वेक्षण का काम चल रहा है तथा राज्य सरकार द्वारा इसकी अवधि भी विस्तारित की गई है। जिलाधिकारी ने इसे आवास सहायक के दायित्वों के प्रति घोर लापरवाही बताया और इस संबंध में संबंधित आवास सहायक से शो-कॉज पूछने का निर्देश दिया।

कच्चे मकान दे रहे थे आवास सहायक के मनमानी के पक्के सबूत : इस बस्ती के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने पाया कि अनुसूचित जाति समुदाय के अधिकांश घर कच्चे है तथा मिट्टी, टिन के शेड व फूस आदि से बनाए गए है। जबकि प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत उन्हें पक्का मकान बनाने के लिए पैसा दिया जाता है। बस्ती के कच्चे मकान आवास सहायक के मनमानी के पक्के सबूत दे रहे थे। यही कारण है कि डीएम उक्त आवास सहायक के खिलाफ शो-कॉज पूछने और संतोषजनक जबाव नहीं देने पर कार्रवाई का निर्देश दिए है।

ग्रामीण क्षेत्र में घर बनाने के लिए मिलता है 1.20 लाख रूपए : बता दें कि ग्रामीण आवास योजना के तहत बीपीएल श्रेणी के गरीबों को पक्का मकान बनाने के लिए तीन किश्तों में कुल 1.20 लाख रूपए मिलते है। इसके अलावे घर में शौचालय निर्माण के लिए अलग से 12 हजार रूपए तथा मनरेगा योजना के तहत बतौर मजदूरी 22 हजार 500 रूपए दिया जाता है।

जांच में लापरवाही बरतने पर डीपीओ माध्यमिक को शोकॉज

केटी न्यूज/बक्सर

जिला शिक्षा पदाधिकारी ने माध्यमिक शिक्षा के डीपीओ नाजीश अली को शोकॉज जारी किया है। फर्जी सर्टिफिकेट पर नौकरी करने में सहयोग करने वाले दोषी प्राचार्य को बचाने के लिए आरोप लगने के मामले में डीपीओ को शोकॉज किया गया है। साथ ही जांच के तथ्यों पर विपरित रिपोर्ट सामने आने पर डीईओ अमरेंद्र पांडेय ने शोकॉज किया है।

जारी शोकॉज के अनुसार वास्तविक पूजा कुमारी के नाम पर दूसरी अभ्यर्थी नौकरी कर रही थी। नियुक्ति के दौरान प्रधानाध्यापक ने सर्टिफिकेट सहित अन्य दस्तावेजों की जांच नहीं की थी। इसके लिए वर्ष 2023 में तत्कालीन जिला शिक्षा पदाधिकारी ने डीपीओ (माध्यमिक) की अध्यक्षता में जांच टीम गठित की गई थी। उस दौरान नाजीश अली मध्याह्न भोजन के डीपीओ के पद पर तैनात थे। जांच टीम ने जो रिपोर्ट सौंपा था, उसमें सदस्य के रूप में नाजीश अली ने भी रिपोर्ट पर हस्ताक्षर किया था। दुबारा जांच डीपीओ माध्यमिक शिक्षा के पद पर तैनाती के बाद किया गया। जिनके द्वारा जांच रिपोर्ट में पूर्व के तथ्यों का वर्णन नहीं है। रिपोर्ट में अंतर आ रहा है। इससे डीपीओ की प्रधानाध्यापक से मिली भगत प्रतीत हो रही है। डीईओ ने इस संबंध में शोकॉज की मांग की है।

एमपी हाई स्कूल में कराया था नियोजन : बताया जाता है कि आरोपित शिक्षिका पूजा कुमारी ब्रह्मपुर प्रखंड के कांट गांव निवासी थी। जिन्होंने 2022 में शिक्षिका पद के लिए एमपी हाई स्कूल में अपना नियोजन कराया था। शिक्षिका पद पर योगदान से पूर्व उनका चयन बिहार पुलिस में सब इंस्पेक्टर के पद पर हो गया। ट्रेनिंग के बाद सीवान में पदस्थापना के बाद पूजा कुमारी अपना सर्टिफिकेट लेने बक्सर पहुंची। जिस क्रम में उसे पता चला कि उसके कागज पर कोई अन्य महिला शिक्षिका की नौकरी कर रही है। विभाग से सर्टिफिकेट नहीं मिलने पर नगर थाना में एफआईआर दर्ज कराया। जिसके बाद बात सामने आयी की पूजा कुमारी के सर्टिफिकेट पर रोहतास जिले की दिनारा थाना की बेबी कुमारी डुमरांव प्रखंड के नेनुआ मध्य विद्यालय में नौकरी कर रही है। इस मामले में प्रधानाध्यापक ने फर्जी शिक्षिका बेबी कुमारी को बचाने का प्रयास किया। इस मामले में दोबारा जांच में डीपीओ नाजीश अली प्रधानाध्यापक की बचाव कर रहे है।

दाखिल खारिज व परिमार्जन के मामलों का समय से करें निष्पादन: एसडीएम

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव एसडीएम राकेश कुमार ने गुरूवार को स्थानीय अंचल कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने दाखिल खारिज, परिमार्जन, अभियान बसेरा-2 आदि के अद्यतन स्थिति की जानकारी ली तथा सीओ शमन प्रकाश को निर्धारित समय के अंदर कार्यों को पूरा करने का निर्देश दिया।

एसडीएम ने इस दौरान अंचल कार्यालय के सभी फाईलों को खंगाला तथा राजस्वकर्मियों के कार्यों की समीक्षा भी की। उन्होंने कहा कि आम जनता के कार्यों का ससमय निष्पादन होना चाहिए। इसके लिए सभी को तत्पर रहना है। वहीं, उन्होंने दाखिल खारिज, परिमार्जन तथा अभियान बसेरा-2 को पर विशेष ध्यान देने को कहा तथा सीओ को निर्देश दिया कि दाखिल खारिज के लंबित मामलों का अविलंब निष्पादन किया जाए।

इस संबंध में एसडीएम ने बताया कि यह रूटीन वर्क के तहत निरीक्षण था तथा इस दौरान अंचल कार्यों को समय से पूरा करने व आम जनता द्वारा प्राप्त आवेदनों का निष्पादन पारदर्शिता से करने का निर्देश दिया।

रहस्यमय ढंग से गायब हुआ घर से कोचिंग के लिए निकला किशोर

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव के वार्ड 23 स्थित ईश्वर सिंह की गली निवासी एक किशोर बुधवार को दोपहर बाद से ही अपने घर से गायब है। उसके गायब होने से स्वजन किसी अनोहोनी की आशंका से सहमे हुए है। किशोर के पिता ओंकारनाथ केशरी ने स्थानीय थाने में अपने पुत्र के लापता होने के संबंध में लिखित शिकायत की है।

पुलिस को दिए आवेदन में उसके पिता ने जिक्र किया है कि बुधवार की शाम तीन बजे उसका 12 वर्षीय पुत्र मोहित राज कोचिंग जाने की बात कह घर से निकला था और लौटकर वापस नहीं आया। जब वह घंटो बाद भी घर नहीं आया तो स्वजन उसकी तलाश करने लगे। इस दौरान उसके कोचिंग से लेकर हर संभावित ठिकानों पर उसकी खोजबीन की गई, लेकिन कही भी उसका पता नहीं चल सका। इसके बाद गुरूवार को उसके पिता ने पुलिस से को आवेदन दे अपने बेटे को सकुशल बरामद करने की गुहार लगाई है। पुलिस उसके आधार पर उसकी जांच पड़ताल में जुट गई है।

वहीं, बुधवार को एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें वह अकेले पीठ पर बैग लिए जाते दिखाई पड़ रहा है। हालांकि, इसके बाद उसका कुछ पता नहीं चल सका है। परिजन आस पास के लोगों व शहर के सामाजिक कार्यकताओं ने भी उसकी तस्वीर को सोशल मीडिया पर डाल उसके संबंध में जानकारी देने की अपील की है।

वक्फ संशोधन विधेयक के विरोध में खड़ा हुआ विपक्ष, सांसद ने बोला हमला

वक्फ संशोधन विधेयक हमारे संविधान की मूल भावना पर सीधा हमला: सांसद सुधाकर सिंह

♦ बोले... भाजपा के सत्ता में आने पर अल्पसंख्यक संस्थानों पर हो रहे लगातार हमले

केटी न्यूज/बक्सर

वक्फ संशोधन विधेयक के विरोध में बक्सर के सांसद राजद पार्टी के सुधाकर सिंह ने कहा कि यह विधेयक महज एक मसौदा कानून नहीं है, बल्कि हमारे संविधान की मूल भावना पर सीधा हमला है।

यह विधेयक लोकतांत्रिक सिद्धांतों, धर्मनिरपेक्षता के आदर्शों और भारत की बहुलवादी संस्कृति के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि जब से भाजपा सत्ता में आई है, अल्पसंख्यक संस्थानों पर लगातार हमले हो रहे हैं। इंडिया गठबंधन की पार्टियों ने बार-बार कहा है कि भाजपा सरकार के शासन में संवैधानिक मूल्यों को कमजोर किया जा रहा है। आज इनकी नजर अल्पसंख्यक समुदाय की भूमि पर है और कल ये अन्य धार्मिक संस्थानों की संपत्तियों पर भी कब्जा करने की साजिश रच सकते हैं। उदाहरण के लिए, बोधगया के बौद्ध मंदिर ट्रस्ट में बहुसंख्यक लोग अन्य धर्मों से जुड़े हुए हैं, और अब इसी तरह का मॉडल वक्फ संपत्तियों पर भी लागू करने का प्रयास किया जा रहा है। यदि यही प्रक्रिया जारी रही, तो भविष्य में मंदिरों की भूमि और उनके धन को भी अधिग्रहित करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने सरकार से विधेयक को तुरंत वापस लेने का अनुरोध किया।

जो मन चाहे अब उस पर दावा नहीं कर पाएगा वक्फ

बीजेपी युवा नेता दीपक यादव ने वक्फ संशोधन विधेयक 2025 पारित होने पर कहा कि 13 घंटे से ज्यादा समय तक चर्चा के बाद लोकसभा में वक्फ संशोधन बिल पारित हो चुका है। मैं इसका स्वागत करता हूं। यह संविधान की सुरक्षा की जीत है। वक्फ जो मन चाहे अब उस पर दावा नहीं कर पाएगा। सामाजिक न्याय की जीत हुई है। गरीब मुसलमानों, महिलाओं, अनाथ बच्चों आदि को भी वक्फ की संपत्ति से लाभ मिलेगा। यह सुशासन की भी जीत है। अब यह कानून बन जाएगा तो सभी बुराइयां जो वक्फ प्रणाली में थीं वह खत्म हो जाएंगी।

व्रतियों ने अस्ताचलगामी सूर्य को दिया अर्घ्य, जिले के सभी घाटों पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

छठ माता के गीतों से भक्तिमय हुआ पूरा जिला

♦ उद्यगामी सूर्य को अर्घ्य देकर पारण करेंगे छठ व्रति, पूरा होगा अनुष्ठान

केटी न्यूज/बक्सर/डुमरांव

चैती छठ के चार दिवसीय अनुष्ठान के तीसरे दिन चैत्र शुक्ल षष्ठी तिथि यानी गुरुवार की संध्या पहर में अस्ताचलगामी भगवान भास्कर की पूजा संपन्न हो गई। व्रती महिला-पुरुष ने स्नान कर पीला व लाल वस्त्र धारण कर पूरी पवित्रता के साथ सूप में ऋतुफल, ईख, नारियल, केला रखकर डूबते हुए सूर्य को नदी घाटों पर अर्घ्य किया। अब शुक्रवार की सुबह व्रती उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करेंगे। इसके साथ ही व्रतियों का 36 घंटे का निर्जला उपवास खत्म हो जाएगा और वे पारण करेंगे।

लोक आस्था का यह साकार रूप स्थानीय छठिया पोखरा के घाटों पर दिख रहा था। छठिया पोखरा पर बड़ी संख्या में छठ व्रतियों ने पूजा-अर्चना कर सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। मान्यता है कि छठ महापर्व में छठ मइया व भगवान भास्कर की पूजा करने से मइया प्रसन्न होती हैं। इस व्रत के पुण्य प्रभाव से घर में खुशहाली का माहौल रहता हैं। छठिया पोखरा पर इस बार छठ व्रतियों की संख्या में इजाफा रहा, जिनकी सुरक्षा को लेकर पुलिस-प्रशासन के अलावे पूजा समिति के सदस्य भी मुस्तैद रहें। प्रशासन ने व्रतियों व श्रद्धालुओं के भीड़ की निगरानी की।

छह माह के अंतराल में मनाया जाता है छठ पर्व : साल में छह महीने के अंतराल पर कार्तिक व चैत्र मास की शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि पर होने वाले छठ पर्व का सामाजिक व धार्मिक दृष्टि से काफी महत्व है। पुराणों के अनुसार छठ पर्व लौकिक व परलौकिक दोनों ही जीवन को सुख देने वाला है। कहते हैं कि इस पर्व से मृत्यु के बाद भी सूर्य लोक में स्थान प्राप्त होता है और वहां जीवात्मा को सुख की प्राप्ति होती है।

कृषि से जुड़ा है लोक आस्था का महापर्व छठ : लोक आस्था का पर्व छठ कृषि से जुड़ा है। कार्तिक व चौत्र मास में यह पर्व तब मनाया जाता है जब नई फसलें कट कर किसानों के घर आ जाती है। अनाज से घर भरने को किसान सूर्य देव की कृपा मानते हैं। अन्न-धन से जब घर भर जाता हैं तो किसान परिवार सूर्य भगवान व उनकी बहन छठी मैया का आभार प्रकट करने को छठ पर्व मनाते हैं। छठी मैया ब्रह्मा की मानस पुत्री और षष्ठी तिथि की स्वामिनी हैं। भगवान सूर्य की बहन होने के नाते षष्ठी तिथि को छठी मैया के साथ सूर्य देव की भी पूजा-अर्चना की जाती है।

@केसठ : छठ व्रतियों ने दिया अर्घ्य, सुख समृद्धि की कामना की

केसठ। चार दिवसीय लोक आस्था का महापर्व चैती छठ के तीसरे दिन गुरुवार को छठ व्रतियों ने अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया। इसको लेकर चहल पहल देखा गया। चार दिनों तक चलने वाले छठ व्रत के तीसरे दिन गुरुवार को भक्तों ने अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया। इसको लेकर छठ पूजा समिति के सदस्यों ने साफ सफाई की व्यवस्था किया था प्रखंड के केसठ समेत अन्य गांवों में व्रतियों के छठ मईया के गीतों से गुंज उठा।वही अपने घरों में ही छठ मैया के गीतों को गाया। जिससे उनका घर आंगन छठ के गीतों से गुलजार रहा। इसके अलावा छठ व्रतियों ने बक्सर गंगा घाट के लिए भी प्रस्थान किया।

विदित हो कि शुक्रवार की सुबह उदयीमान सूर्य को अर्घ्य देकर छठ व्रती पारण करेंगी।इसी कड़ी में प्रखंड परिसर स्थित पोखरा पर पूजा समिति के द्वारा विधि व्यवस्था की संपूर्ण व्यवस्था की गई थी। सैकड़ों से अधिक महिलाओं ने छठ पूजा कर छठी मैया से सुख समृद्धि की कामना की। इस दौरान पूरा क्षेत्र भक्ति में बना रहा। वही लोगों ने कहा पिछले साल के मुकाबले इस साल अधिक संख्या में महिलाओं ने छठ उपासना का महापर्व किया।वही पूरी रात घाटों पर चहल पहल रही।

स्थानीय प्रशासन के द्वारा नहीं की गई थी व्यवस्था : चैती छठ पूजा को ले पूरा क्षेत्र में खुशी की लहर व्याप्त है, लेकिन स्थानीय प्रशासन के द्वारा घाटों पर किसी तरह का कोई व्यवस्था नहीं की गई थी। स्थानीय प्रशासन के द्वारा नहीं मजिस्ट्रेट और ना ही गोताखोरों की नियुक्ति की गई थी। अगर इस दौरान किसी तरह के अनहोनी हो जाती है तो इसका जिम्मेवार कौन होगा। बताते चले कि प्रखंड परिसर स्थित पोखरा पर प्रखंड का ऐतिहासिक पोखरा होने के नाते इस पर प्रशासन की पूरी नजर रहती है लेकिन इस बार चैती छठ को लेकर प्रशासन के द्वारा किसी तरह का कोई पहल नहीं की गई थी साथ ही किसी तरह की कोई विधि व्यवस्था नहीं की गई थी।

छठ महापर्व की झलकियां...

बक्सर के रामरेखा घाट पर अर्घ्य देने के इंतजार में बैठी व्रती महिलाएं।

डुमरांव छठिया पोखरा पर माता की अराधना करते व्रती व श्रद्धालु

डुमरांव छठिया पोखरा पर अर्घ्य देने की तैयारी में जुटी व्रती महिलाएं।

केसठ प्रखंड परिसर में अर्घ्य देने की तैयारी में जुटी व्रती महिलाएं।

एक नजर

नाराजगी : स्नातक ग्रेड में प्रोन्नति को लेकर नप क्षेत्र के शिक्षकों ने ईओ सौंपा मांग पत्र

डुमरांव। स्थानीय निकाय में मूल कोटि के बेसिक ग्रेड के शिक्षकों का 12 साल बाद प्रमोशन देने का शिक्षा विभाग में प्रावधान है। डुमरांव नगर परिषद क्षेत्र के स्कूलों में पढ़ाने वाले शिक्षक अपनी सेवा के बारह साल अधिक गुजार चुके हैं, लेकिन उनका स्नातक ग्रेड में प्रमोशन अभी तक नहीं हो पाया है। इसको लेकर गुरूवार को शिक्षकों का एक शिष्टमंडल नप ईओ मनीष कुमार से मिल अपनी बातों को रखते हुए एक मांग पत्र सौंपा। उन्होंने ईओ से कहा कि हमलोगों ने विभागीय निदेर्शों का पालन करते हुए इमानदारी के साथ अपने कार्यों किया है। लिहाजा नियमतरू जो हमलोगों प्रोन्नत का का लाभ मिलना चाहिए उसे देना होगा। इओ ने उनकी मांग पत्र को सही ठहराते हुए पूरी जानकारी देने के लिये बीडीओ संदीप कुमार पांडये पत्र देते हुए पूरे विवरण की मांग की है। मालूम हो कि विभागीय नयमावली 2020 के के कंडिका-16, 1 और 2 में निहित प्रावधान के तहत जिला शिक्षकों की सेवा संतोषजनक 12 साल सेवा पूर्ण करने लेने के बाद उन्हें स्नातक प्रोन्नति दिया जाता है। इसी नियम के आलोक में नगर परिषद क्षेत्र के स्कूलों में पढ़ाने वाले शिक्षकों ने स्नातक ग्रेड में प्रोन्नति की मांग नप ईओ से किया है। ईओ ने बीडीओ को भेजे गए पत्र में नप क्षेत्र में पदास्थापित शिक्षकों की सूची जांचोपरांत तैयार कर नप नियोजन इकाई को उपलब्ध कराने के लिये लिखा है। मांग पत्र के दिये गए आलोक में ईओ द्वारा बीडीओ से इसकी मांग किये जाने से शिक्षकों में काफी खुशी है।

तैयारी : गोपगुट महासंघ के शुरू होने वाले तीन दिवसीय कार्यक्रम को ले चस्पाया गया पोस्टर

बक्सर। जिला मुख्यालय के नगर भवन बक्सर में ऐतिहासिक राज्य सम्मेलन महासंघ गोप गुट के बैनर तले 10 से 12 अप्रैल तक आयोजित होना है। कार्यक्रम से पूर्व अपनी मांगों को लेकर प्रभात फेरी का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर पोस्टर चस्पाने का अभियान चलाया गया। दौरान कलेक्ट्रेट से निकलने वाली प्रभात फेरी में अपनी मांगों के समर्थन में नारा लगाते हुए पुरानी पेंशन बहाल करना होगा, संविदा पर कार्यरत सीएचओ, जीएनएम, एएनएम को परमानेंट बहाल करना होगा। आशा एवं आशा फैसिलिटेटरों को सम्मान जनक वेतन देना होगा, बेल्ट्रान एवं अन्य कंपनी द्वारा कार्यरत डाटा आपरेटरों को वेतन मान पर बहाल करना होगा, आउट सोर्स द्वारा कराये जा रहे मजदरों की मजदूरी सम्मान जनक देनी होगी, सीएचओ, जीएनएम, एएनएम, एवं एनएचआर कर्मियों का हड़ताल अवधि का वेतन देना होगा की मांगों को बुलंद किया जा रहा है। इन्हीं सब नारों के साथ आवाज बुलन्द करते हुए वापस नगर भवन आने के उपरान्त सम्मेलन आयोजित होगा। इसको लेकर जिलाध्यक्ष स्वास्थ्य विभाग दीपक कुमार रजक ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जानकारी गुरुवार को दी है। जिला समाहरणालय बक्सर, जिला न्यायालय बक्सर, पशु पालन विभाग बक्सर, पुराना सदर अस्पताल बक्सर में 23वां राज्य सम्मेलन को ले पोस्टर चस्पाने में जिला समाहरणालय के जिला सचिव महेन्द्र प्रसाद, चिकित्सा संघ के जिला अध्यक्ष दीपक कुमार रजक एवं रामजी राम, रुद्र प्रताप सिंह, हरेंद्र राम एवं अन्य सदस्य मौजूद रहे।

निर्धारित रूट से ही निकालें रामनवमी का जुलूस, अफवाहों पर न दें ध्यानः थानाध्यक्ष

केटी न्यूज/नावानगर

स्थानीय थाना परिसर में गुरुवार को शांति समिति की बैठक की गई। बैठक में रामनवमी के अवसर पर निकाली जाने वाली शोभायात्रा की तैयारियों, शोभायात्रा के मार्ग, सुरक्षा और प्रशासनिक दिशा-निदेर्शों पर चर्चा की गई।

बैठक में थानाध्यक्ष नंदू कुमार ने लोगों से आपसी सौहार्द एवं भाईचारे के साथ रामनवमी मनाने की आग्रह किया। उन्होंने कहा कि रामनवमी के जुलूस में डीजे पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। उन्होंने लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने और गलत अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की बात कही है। वहीं उन्होंने कहा की पुलिस और आम लोग मिलजुल कर काम करेंगी। किसी भी प्रकार की अगर सूचना आपके पास हो तो तुरंत हमें सूचित करें। उन्होंने कहा कि रामनवमी जुलूस पूर्व की तरह निर्धारित मार्ग से गुजना चाहिए। इस पर उपस्थित लोगों ने रामनवमी जूलूस शांतिपूर्ण संपन्न कराने को लेकर थानाध्यक्ष के कार्य में सहयोग करने की बात कही। मौके पर थाना क्षेत्र के सभी जनप्रतिनिधि व बुद्धजीवी लोग मौजूद थे।

पीसीसी रोड के ऊपर ही ढलाई करने का लोगों ने किया विरोध

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर परिषद द्वारा नगर सहित विस्तारित क्षेत्रों में दर्जनों स्थानों पर नाली, गली और पीसीसी रोड बनाने का काम लगा हुआ है। हर काम में नगरवासियों के द्वारा कार्य में अनियमितता बरतने की शिकायत नप को किया जा रहा है, लेकिन किसी कार्य की जांच-पड़ताल नहीं कर उसे ठंढे बस्ते में डाल दिया जाता है।

गुरुवार को नगर के मेढ़ू खां की गली के पास ही एक और गली है, जिसे कल्याण प्रसाद की गली के नाम से जाना जाता है। यह गली पहले से ही पीसीसी किया गया था, लेकिन गुरूवार को मोहल्लेवासियों के विरोध करने के बाद भी संवेदक के द्वारा फिर से ढलाई कर रोड पर रोड बना दिया गया। मोहल्लेवासी अधिवक्ता पवन कुमार, कन्हैया चौधरी सहित अन्य का कहना है कि रोड एकदम सही था, लेकिन

मना करने के बाद भी रोड पर ही रोड बना दिया। यह सरासर सरकारी राशि का दुरूपयोग किया जा रहा है। नगर सहित विस्तारित क्षेत्रों में इसी तरह के दर्जनों कार्य नप के द्वारा कराए जा रहे हैं। लोगों ने इसकी जांच की मांग किया है। लोगों का कहना है कि इस तरह का कार्य करना नप को भारी पड़ सकता है। लोग चुप नहीं बैठेंगे अधिकारी शिकायत नहीं सुनेंगे तो विभाग से लेकर मुख्यमंत्री तक जांच को लिखा जाएगा।

पवन के पिता रघुनाथपुर में करते हैं मजदूरी, मां ने पेट काटकर बच्चों को पढ़ाया

आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के पवन को नवोदय विद्यालय की परीक्षा में मिली सफलता

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

प्रतिभा किसी सुविधा की मोहताज नहीं होती और इसे साबित कर दिखाया है आर्थिक रूप से कमजोर नट परिवार से आने वाले पवन कुमार नट ने। ब्रह्मपुर प्रखंड अंतर्गत रघुनाथपुर के रहने वाले पवन के पिता संजय कुमार नट बहुत ही गरीब है और रघुनाथपुर में ही पालदारी का काम करते है जिससे जैसे तैसे घर का खर्चा चलता है। ऐसे में बच्चों को शिक्षा दे पाना बहुत ही मुश्किल कार्य है। पिता संजय ओर माता ऊषा देवी ने अपना पेट काटकर बच्चों को पढ़ाया लिखाया जिसका नतीजा है आज पवन नवोदय विद्यालय की कठिन और

प्रतिष्ठित परीक्षा में उत्तीर्ण हुआ। इससे पहले पवन की बहन भी मैट्रिक में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुई थी।

पवन ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता पिता और गुरु आवासीय बाल प्रतियोगिता निकेतन के सुनील सर को दिया है। पवन का सपना बड़ा होकर आईएएस बनने का है। उनकी इस सफलता पर श्रीराम ओझा मेमोरियल ट्रस्ट के द्वारा मेडल और प्रशस्ति पत्र और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष शैलेश कुमार ओझा ने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर पवन ने नवोदय विद्यालय की कठिन और प्रतिष्ठित परीक्षा उत्तीर्ण कर ये साबित कर दिया कि अगर मन में लगन और विश्वास हो तो विपरीत परिस्थितियों में भी सफलता हासिल की जा सकती है। संस्था के द्वारा भविष्य में भी उनकी उच्च शिक्षा के लिए हरसंभव सहयोग किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पवन काफी प्रतिभावान छात्र है तथा ऐसी प्रतिभा को संवारने में सभी को सहयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि नवोदय विद्यालय में उसका चयन पूरे रघुनाथपुर के लिए गर्व की बात है।

भाजपा नेता शंभू चंद्रवंशी, जयराम गुप्ता, कन्हैया कुमार, विशाल गुप्ता सहित कई ग्रामीणों ने भी पवन को बधाई देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बीजेपी भोजपुर व बक्सर के जिला कोर कमेटी की बैठक में बोले विनोद तावड़े

पीएम मोदी के विकसित भारत के संकल्प को मिलकर पूरा करेंगे

♦ भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी है और पार्टी पंडित दीनदयाल उपाध्याय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी के एकात्म मानववाद के सिद्धांत पर चलती है

केटी न्यूज/आरा

बीजेपी भोजपुर और बक्सर के जिला कोर कमेटी की बैठक भाजपा जिला कार्यालय बामपाली में हुई। जिसमें पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री सह बिहार प्रभारी विनोद तावड़े शामिल हुई। बैठक का शुभारंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी के तैलीय चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया उसके बाद वंदे मातरम् गायन किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि विनोद तावड़े ने कहा कि भाजपा कार्यकताओं की पार्टी है और और पार्टी पंडित दीनदयाल उपाध्याय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी के एकात्म मानववाद के सिद्धांत पर चलती है। आज भारतीय जनता पार्टी पार्टी स्थापना कल के 45 वें वर्ष में प्रवेश कर रही है आज केंद्र में एवं विभिन्न प्रदेशों में भाजपा की सरकार प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में चल रही है। एक तरफ जहां सभी पार्टी अपने परिवार को आगे बढ़ा रही है और देश में लोगों को गुमराह कर जाति और धर्म के नाम बांट कर अपने परिजनों को सत्ता के कुर्सी पर काबिज करा रही है। कुर्सी के लिए कल तक जो एक दूसरे के विरुद्ध थे आज सत्ता लिप्सा के लिए कांग्रेस के पीछे खड़े हैं जिस कांग्रेस ने देश को आपातकाल में झोंका था वहीं आपातकाल के नाम पर देश में नंगा नाच किया और संविधान के साथ खिलवाड़ कर कई लोगों को जेल में भेज कर यातना देने का काम किया। आज वह सभी अपमानों को भूलकर कांग्रेस के साथ गलबही कर रहे हैं ताकी भाजपा को रोक सके वहीं दूसरी ओर देश के प्रधानमंत्री ने सभी देशवासियों को अपना परिवार माना और एक आदर्श स्थापित किया कि अपने परिवार से किसी भी व्यक्ति को राजनीतिक रूप से संरक्षण नहीं दिया और सबका साथ सबका विश्वास और सबका विकास का नारा दिया।

जिसके चलते आज दुनिया में भारत की प्रतिष्ठा बड़ी है जिसके चलते आज हम पहले के तुलना में आर्थिक रूप से हम मजबूत हुए हैं। भारत का सभी क्षेत्रों में उन्नति हुआ है और आने वाले समय में प्रधानमंत्री ने जो विकसित भारत का संकल्प लिया है उसको हम सभी लोग मिलकर पूरा करेंगे उन्होंने कहा कि बिहार में जनता को ठगने वाले परिवार के लोग आज विभिन्न प्रलोभन के माध्यम से जानता ठग रहे हैं। आज उनकी पार्टी के` सभी प्रमुख पदों पर एक ही परिवार का कब्जा है जबकि पिछले 20 सालों से माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में एनडीए की सरकार चल रही है जिसमें सभी का विकास हो रहा है।

वर्तमान समय में हर क्षेत्र में लड़कियों एवं महिलाओं का दबदबा है यह आने वाले सुनहरे भविष्य का कल्पना है जो आगामी लोकसभा और विधानसभा चुनाव में महिला सशक्तिकरण के रूप में नजर आएगी आज जिस तरह सभी क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित है इस तरह लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं का 33 परसेंट भागीदारी सुनिश्चित रहेगी उन्होंने कार्यकताओं से अगले 6 महीने पार्टी को समर्पित करने का करने का आह्वान किया जिससे अगले चुनाव चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार बने और बिहार भी विकसित राज्य की श्रेणी में शामिल हो सके।

कायमनगर से जीरो माइल तक बननेवाले एनएच से नहीं हट पा रहा है अतिक्रमण

♦ 98.35 करोड रुपये की स्वीकृत की गयी थी, ताकि सड़क का निर्माण हो

केटी न्यूज/आरा

लोगों की सुविधा को देखते हुए सरकार ने कायम नगर से जीरो माइल तक राष्ट्रीय राजमार्ग का निर्माण होना है। परंतु प्रशासन की लचर व्यवस्था के कारण अतिक्रमणकारी प्रशासन पर भारी पड़ रहे हैं। धरहरा से लेकर प्राइवेट बस स्टैंड तक अतिक्रमणकारियों का साम्राज्य है। प्रशासन अतिक्रमण को हटा भी दे रहा है, तो एक दिन बाद फिर से अतिक्रमणकारी उसी जगह पर काबिज हो जा रहे हैं। ऐसे में प्रशासन को कड़ी कार्रवाई करने की आवश्यकता है। वर्ष 2022 में ही इस सड़क के निर्माण की स्वीकृति मिली थी तथा 98.35 करोड रुपये की राशि स्वीकृत की गयी थी, ताकि सड़क का निर्माण कार्य तेजी से संपन्न हो सके सरकार ने इसके पूर्ण होने की भी तिथि निर्धारित की थी। सड़क के निर्माण को 22 अप्रैल, 2024 तक की पूरा कर देना था, पर अतिक्रमणकारियों के कारण सड़क निर्माण के पूरा होने के निर्धारित समय सीमा से एक वर्ष अधिक बीत जाने के बाद भी इसका निर्माण अभी तक नहीं पूरा हो पाया है। संविधान की दुहाई देनेवाले कई संगठन एवं लोग संविधान के विपरीत विकास कार्यों में अड़ंगा डालने के लिए इन्हें उकसाया जा रहा है। फोरलेन सड़क की कुल लंबाई लगभग 8.5 किलोमीटर है। हालांकि धरहरा पुल से पटेल बस पड़ाव की लंबाई लगभग तीन किलोमीटर है। इस बीच में फोरलेन सड़क के निर्माण में अतिक्रमणकारियों के कारण काफी परेशानी हो रही है।

तनिष्क लूट से पहले बबुरा में डाला था डेरा

आरा। तनिष्क शोरूम से ज्वेलर्स लूटकांड में हर दिन नये खुलासे हो रहे हैं। जांच में सामने आया है कि लुटेरों ने वारदात से पहले करीब एक महीने तक बड़हरा के बबुरा इलाके में किराए पर मकान लेकर अपना डेरा डाला था। लुटेरों को किराया पर मकान दिलाने में बड़हरा के ही एक युवक ने मदद किया था। गिरफ्तार लुटेरों से पूछताछ में इसकी खुलासा होने की बात पुलिस द्वारा कही गई है। लुटेरों को जिसने किराया पर घर दिलाया था पुलिस अब उस युवक की तलाश में जुटी है। उसके एक भाई को हिरासत में लेकर पुलिस द्वारा पूछताछ की जा रही है।हिरासत में लिए गए युवक से पूछताछ के बाद उसकी निशानदेही पर पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है।

ऑटो ने राहगीर को मारी टक्कर, जख्मी

आरा। चरपोखरी थाना क्षेत्र के गड़हनी-बागर पथ पर एक राहगीर को तेज रफ्तार ऑटो ने टक्कर मार दी। हादसे में राहगीर गंभीर रूप से घायल हो गया। टक्कर मारने के बाद ऑटो चालक भागने की कोशिश में था, लेकिन कुछ ही दूरी पर ऑटो पलट गया। घटना के बाद मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने घायल को तुरंत गड़हनी पीएचसी पहुंचाया। ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर रंजन पांडेय ने बताया कि घायल की पहचान धंधौली निवासी भगवान सिंह के रूप में हुई है। उन्हें सिर में गंभीर चोट लगी है। सिर फटने के कारण दो टांके लगाने पड़े। एक दांत भी टूट गया है। हालत गंभीर होने पर बेहतर इलाज और सिटी स्कैन के लिए उन्हें आरा सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया।

वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय में मेंटेनेंस के नाम पर हो रहे पैसे खर्च, सुविधाओं का अभाव

केटी न्यूज/आरा

वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय का पोर्टल अपडेट नहीं है। इसके मेंटेनेंस के नाम पर केवल पैसा खर्च हो रहा है। रिटायर्ड शिक्षकों और दूसरे विश्वविद्यालय में स्थानांतरण हो चुके शिक्षकों का प्रोफाइल पोर्टल पर अपलोड है। एएस कॉलेज बिक्रमगंज, एमवी कॉलेज बक्सर, शेरशाह कॉलेज सासाराम, ग्राम भारती कॉलेज रामगढ़, एसएन कॉलेज शहमल खैरादेव के वर्तमान प्राचार्य का नाम पोर्टल पर अपलोड नहीं है। एएस कॉलेज बिक्रमगंज के वर्तमान में प्रभारी प्राचार्य डॉ अनुज रजक, एमवी कॉलेज बक्सर में डॉ प्रसुंजय कुमार सिन्हा, शेरशाह कॉलेज सासाराम में डॉ महेंद्रनाथ पांडेय और एसएन कॉलेज शहमल खैरादेव में डॉ अजरा प्रवीण प्राचार्य है। जबकि विश्वविद्यालय के पोर्टल पर इनकी जगह अन्य का नाम है। पोर्टल पर कॉन्टैक्ट अस कॉलम बनाया गया है लेकिन इसमें विश्वविद्यालय के अधिकारियों का मोबाईल नंबर नहीं है। कुलपति, प्रति कुलपति और कुलसचिव के नाम से दिया गया बेसिक फोन का नंबर काम नहीं करता है। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय अंतर्गत भोजपुर, बक्सर, रोहतास और कैमूर जिले में 19 अंगीभूत कॉलेज है। लेकिन पोर्टल पर केवल तीन अंगीभूत कॉलेजों के प्राचार्य का ही मोबाइल नंबर अपलोड है। शेरशाह कॉलेज, सासाराम, जेएलएन कॉलेज डेहरी-ऑन-सोन और गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज नौहट्टा के वर्तमान प्राचार्य का मोबाइल नंबर पोर्टल पर अपलोड है।

सहारा रिफन्ड पोर्टल पर लगभग एक लाख करोड़ रुपया का क्लैम जमाकताओं ने किया है

सहारा इंडिया के निवेशकों का पैसा वापस कराने के लिए लोकसभा के बाहर सांसदों ने किया प्रदर्शन

केटी न्यूज/आरा

सहारा इंडिया के निवेशकों का पैसा वापस कराने के लिए गुरुवार को लोकसभा के मकर द्वार पर आरा सांसद सुदामा प्रसाद के नेतृत्व में सांसदों ने प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में पांच सांसद शामिल थे। जिसमे बिहार से भाकपा माले के काराकाट सांसद कॉमरेड राजाराम सिंह,आरा से कॉमरेड सुदामा प्रसाद, कांग्रेस से किशनगन के सांसद डॉक्टर मोहम्मद जावेद, उत्तर प्रदेश के सलेमपुर से सपा सांसद श्री रमाशंकर राजभर और तमिलनाडु के कुड्डालोर से कांग्रेस सांसद डॉक्टर एम के विष्णु प्रसाद शामिल थे। प्रदर्शन के माध्यम से सांसदों ने सहारा इण्डिया के निवेशकों का ब्याज सहित वापस करो, सहारा इंडिया के सम्पतियों के बिक्री पर रोक लगाओ, सहारा के फरार अधिकारियों को गिरफ्तार करो, भ्रस्ट अधिकारियों को गिरफ्तार करने की मांग किया। इस मौके पर आरा सांसद सुदामा प्रसाद ने कहा कि सहारा रिफन्ड पोर्टल पर लगभग एक लाख करोड़ रुपया का क्लैम सहारा के जमा-कताओं ने किया है, जो ब्याज समेत लगभग ढाई लाख करोड़ होता है। सहारा इंडिया की वैली, मुंबई की बसोर्वा की जमीन समेत सहारा की सभी संपत्तियों की कीमत लाखों करोड़ में है। सहारा रिफन्ड पोर्टल पर सहारा की अन्य कंपनियां सहारा क्यू शॉप, सहारा इंडिया कॉमर्शियल कॉरपोरेशन लिमिटेड भी मौजूद है। सहारा रिफन्ड पोर्टल पर डेथ क्लैम और टक्र का क्लैम नहीं लिया जा रहा है। सहारा इंडिया के जमा-कताओं का डाटा सेंट्रल कॉपरेटिव रजिस्ट्रार को नहीं दे रहा है। सहारा इंडिया से भुगतान नहीं मिलने के कारण देश भर में लगभग दस हजार जमा-कताओं और अभिकताओं ने अभाव और तनाव के कारण आत्महत्या कर ली है।उन्होंने कहा कि सहारा इंडिया के अधिकारी, निवेशकों का धन हड़प कर देश विदेश में छुपे हुए है। सहारा इंडिया, अपनी जमीनों को औने-पौने दाम पर बेच रही है। सहारा इंडिया कार्य-कताओं का बकाया कमीशन और भविष्य निधि का पैसा हड़पना चाहती है।

संक्षिप्त समाचार

नाबालिग से दुष्कर्म कर पत्थर से कूचकर हत्या, भीड़ ने की आरोपी की पिटाई, आरोपी के घर से शव बरामद

पलामू, एजेंसी। मेदिनीनगर टाउन थाना क्षेत्र में 10 वर्षीय नाबालिग से दुष्कर्म कर पत्थर से कूचकर हत्या कर दी गई। नाबालिग का शव आरोपी के घर से बरामद किया गया। घटना के बाद लोगों ने आरोपी की पिटाई कर दी । घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी। घटना के बाद मोहल्ले के आक्रोशित लोग हंगामा कर रहे हैं और वरीय पुलिस अधिकारियों को मौके पर बुलाने की मांग कर रहे हैं। सदर एसडीपीओ मणिभूषण प्रसाद ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच कर रही है । दरअसल, बुधवार को 10 वर्षीय नाबालिग अपने घर के पास खेल रही थी। इसी क्रम में आरोपी मौके पर पहुंचा और नाबालिग को अपने साथ ले गया। काफी देर तक जब वह घर नहीं लौटी तो परिजनों ने नाबालिग की खोजबीन शुरू की। बाद में परिजनों ने सीसीटीवी फुटेज देखी तो नाबालिग मोहल्ले के ही रहने वाले आरोपी के साथ जाती दिखी। परिजनों ने तत्काल इसकी सूचना टीओपी टू के पुलिस अधिकारियों को दी और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया । मौके पर पुलिस के जवान भी पहुंचे लेकिन मामले में कोई संवेदनशीलता नहीं दिखी। बाद में मोहल्ले के लोगों ने खुद ही आरोपी से मामले के बारे में पूछताछ की और जब उसके घर गए तो देखा कि नाबालिग का शव पड़ा हुआ है। नाबालिग की हत्या पत्थरों से कुचलकर की गई थी ।

गिरिडीह ट्रिपल मर्डर: इस शक में पति ने ली तीनों की जान

गिरिडीह, एजेंसी। जिले में हुए ट्रिपल मर्डर का खुलासा पुलिस ने कर लिया है। साथ ही आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के मुताबिक हत्यारे ने पहले तीनों को घर के अंदर ही काफी बेरहमी से पीटा। पति से जान बचाने के लिए जब पत्नी अपने दोनों बच्चों को लेकर घर से निकली तो पति ने रास्ते में रोककर अपनी 9 साल की बेटी को तालाब के चट्टान पर पटक दिया और फिर तालाब में फेंक दिया, जिससे उसकी जान चली गई। इसके बाद आरोपी ने अपने मासूम बेटे और पत्नी की भी जान ले ली । यह मामला जिला के लोकाय नयनपुर थाना क्षेत्र से जुड़ी है। दरअसल इस गांव के रहने वाले एक महिला और दो बच्चों का शव दो दिन पूर्व इसी थाना क्षेत्र के पनियाय गांव के तालाब के पास मिली थी। इनमें 29 वर्षीय महिला, 09 वर्ष की बालिका और 06 वर्ष का बालक शामिल था। इसकी सूचना मिलते ही एसडीपीओ ने एसपी को इसकी जानकारी दी । इस बीच महिला के भाई ने थाना में लिखित शिकायत देते हुए अपने जीजा के अलावा अन्य दो सुनील हेंब्रम, मंझलू हेंब्रम पर हत्या का आरोप लगाया। एसपी डॉ। बिमल ने एसडीपीओ राजेंद्र प्रसाद की अगुवाई में टीम गठित की। इस टीम में इंस्पेक्टर गावां, लोकाय थानेदार अमित, मंशाडीह अमित कुमार, थानसिंगडीह ओपी के नीरज कुमार, थाना प्रभारी तिसरी रंजय कुमार और थाना प्रभारी गावां अभिषेक कुमार के अलावा अन्य पदाधिकारी को शामिल करते हुए जांच शुरू की गई । मामला हत्या का प्रतीत हुआ तो खोजी कुत्ता के साथ रांची से फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया। छानबीन शुरू हुई और शव को कब्जे में लिया गया। वहीं, मृतका के पति को पूछताछ के लिए थाना लाया गया। यहां पूछताछ के दरमियान उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। एसडीपीओ राजेंद्र प्रसाद ने इसकी पुष्टि करते हुए पूरे घटना की जानकारी दी। एसडीपीओ ने बताया कि पूछताछ में आरोपी पति ने बताया कि उसकी पत्नी का किसी से संबंध था। जिसकी जानकारी उसे लगातार मिल रही थी। ऐसे में घटना के दिन शाम पांच बजे वह अपने तीन साथियों के साथ पत्नी को यह कहकर घर से निकला कि वह काम करने जा रहा है। फिर तीनों साथियों ने ताड़ी पी। ताड़ी पीने के बाद चारो ने अपनी बाइक दोनों साथियों को दे दिया कि और वहीं से अपनी भाई की बाइक लेकर वापस अपने घर लौट आया । वारदात की रात करीब 9:40 में वापस घर आया तो उसने देखा कि घर के अंदर उसकी पत्नी के साथ चचेरा भाई है। यहां चचेरे भाई के साथ नोक झोंक हुई। फिर चचेरा भाई चला गया। इसके बाद पति ने दरवाजा बंद कर दिया और पत्नी के साथ दोनों बच्चों की पिटाई शुरू कर दी। एसडीपीओ का कहना है कि मृतका के घर के अंदर मारपीट के भी साक्ष्य मिले हैं। इस मामले में दो अन्य लोगों पर भी आरोप लगा है, उसकी जांच की जा रही है ।

बाल सुधार गृह से फरार 21 में से सात बाल बंदी लौटे, अब बोन डेंसिटी टेस्ट कराने की तैयारी

चाईबासा, एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम जिला मुख्यालय चाईबासा में स्थित सम्प्रेषण गृह (बाल सुधार गृह) का गेट तोड़कर मंगलवार शाम 21 बाल बंदी फरार हो गये थे। उनमें से चार बाल बंदी गुरुवार की रात 10 बजे वापस लौट आए। वहीं, बुधवार को तीन और बाल बंदियों को सम्प्रेषण गृह ले आया गया। 14 बाल बंदी अभी भी फरार हैं।

पुलिस उन्हें पकड़ने के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। बताया जा रहा है फरार बाल बंदियों में से लगभग आठ दुष्कर्म जैसे कांड में आरोपित हैं एवं कुछ पर रेलवे एक्ट का केस चल रहा है। इधर, घटना की गंभीरता को देखते हुए रांची से महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग की निदेशक समीरा एस और जिला समाज कल्याण कार्यालय के अपर सचिव अभयनंदन अम्बष्ठ बुधवार की सुबह चाईबासा के सम्प्रेषण गृह पहुंचे। उन्होंने जिले के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मामले की जांच की। मौके पर उप विकास आयुक्त संदीप कुमार मीणा, एसडीएम संदीप अनुराग टोप्पो और एसडीपीओ बहामन टुटी

मौजूद रहे। बाल संरक्षण आयोग के प्रतिनिधि और जिला पदाधिकारी भी वहां उपस्थित थे। निदेशक व अपर सचिव ने करीब तीन घंटे तक सम्प्रेषण गृह में जाकर जांच पड़ताल की। वहां निरुद्ध बच्चों से व्यवस्थाओं के बारे में पूछा। पूरे घटनाक्रम की भी जानकारी ली। इसके बाद उपायुक्त कुलदीप चौधरी से मिलकर आगे की कार्रवाई के संबंध में दिशा-निर्देश दिये।

उपायुक्त कुलदीप चौधरी ने कहा कि मंगलवार शाम जब यह घटना घटी थी, उस वक्त 21 बच्चे बाहर निकले थे। जैसे ही इस घटना की जानकारी मिली, हमने और एसपी ने मौके पर पहुंच कर मामले का जायजा लिया। बुधवार की शाम तक उनमें से 7 बच्चों को वापस ले आएगा गया है। बाकी बच्चों को भी पकड़ने की कार्रवाई की जा रही है। राज्य से और जिले से आई टीम ने निरीक्षण किया है। सभी बिंदुओं पर बारीकी से जांच की जा रही है। जांच में जो भी फैक्ट निकल कर आए हैं, उस पर कार्रवाई जरूर की जाएगी।

चाईबासा स्थित सम्प्रेषण गृह के गेट का ताला तोड़कर बाल बंदियों के फरार होने की घटना ने इस बाल सुधार गृह की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिये हैं। यहां बंद कुछ बच्चे इतने बड़े दिखते हैं कि उनकी सही उम्र का पता लगाना मुश्किल हो रहा है। ये ताकतवर भी हैं। होमगार्ड अथवा सामान्य पुलिसकर्मियों के लिए इन्हें संभालना मुश्किल हो रहा है। एक माह पूर्व भी इन लोगों ने एक कर्मचारी का सिर फोड़ दिया था। लगातार हो रही घटनाओं को देखते हुए जिला प्रशासन यहां बंद सभी बच्चों का बोन डेंसिटी टेस्ट कराने पर विचार कर रहा है ताकि उनकी सही उम्र का पता लगाया जा सके।

जिला प्रशासन का कहना है कि सटिफिकेट अथवा शारीरिक संरचना के आधार पर इनकी सही उम्र का पता लगाना मुश्किल है। इसलिए हम लोग इनका बोन डेंसिटी टेस्क कराने पर विचार कर रहे हैं। स्वीकृति मिलने पर यह किया जायेगा। सम्प्रेक्षण गृह में कुल बंदियों की संख्या 85 है। इनमें चाईबासा के 61 और सरायकेला के 23 बच्चे हैं। इनके लिए तीन वार्ड बने हैं। एक वार्ड में 33, दूसरे में 25 व तीसरे में 26 बच्चे रहते हैं। वर्तमान में इन्हीं में से 14 बच्चे फरार हैं। एक बच्चा एमजीएम में भर्ती है। शहर से सटकर बने इस सम्प्रेषण गृह के पीछे कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय है।

पलामू किले का जीर्णोद्धार कार्य दो महीने में होगा शुरू! हेरिटेज कंजर्वेशन की टीम ने बनाई योजना

पलामू, एजेंसी। 400 वर्ष पुराने पलामू किला का जीर्णोद्धार कार्य अगले दो महीने में शुरू हो जाएगा। जीर्णोद्धार कार्य के लिए सर्वे का कार्य पूरा हो गया है। नया और पुराना पलामू किला का जीर्णोद्धार कार्य एक साथ शुरू किया जाना है। जीर्णोद्धार करने वाली टीम ने मौसम के हिसाब से अलग-अलग योजना बनाई है। गर्मी के दिनों के लिए अलग, जबकि बरसात के दिनों के लिए अलग योजना तैयार की गई है।गर्मी के दिनों में किला का बाहरी कार्य होगा, जबकि बरसात के दिनों में किला के अंदर जीर्णोद्धार का कार्य किया जाएगा ।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर झारखंड सरकार ने पलामू किला को जीर्णोद्धार करवाने की घोषणा की थी। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने इसकी घोषणा की थी। पलामू किला का जीर्णोद्धार कार्य करने के लिए हेरिटेज कंजर्वेशन के श्रीदेव सिंह के नेतृत्व में एक टीम ने पलामू किला का सर्वे किया था। श्रीदेव सिंह के नेतृत्व वाली हेरिटेज कंजर्वेशन की टीम ने पलामू किला का सर्वे किया और रिपोर्ट तैयार की है। रिपोर्ट के आधार पर राज्य सरकार से बजट मांगी गई है।

इस संबंध में पलामू टाइगर रिजर्व के उपनिदेशक प्रजेशकांत जेना ने बताया कि अगले दो महीने में पलामू किला का जीर्णोद्धार कार्य शुरू हो जाएगा। एक्सपर्ट की टीम बरसात के दिनों में किले के अंदरूनी भाग, जबकि गर्मी के दिनों में बाहरी भाग में जीर्णोद्धार का कार्य करेगी।

एक से डेढ़ वर्षों में जीर्णोद्धार का कार्य पूरा हो जाएगा ।

चेरो राजवंश के राजाओं ने कराया था निर्माण

दरअसल, पलामू किला महान चेरो राजवंश के भव्यता का प्रतीक है।राजा प्रताप राय ने 1628 से 1658 के बीच पुराने किला का निर्माण करवाया था। वहीं नए किले का निर्माण प्रतापी राजा मेदिनी राय ने 1658 से 1674 के बीच करवाया था। सुंदर नक्काशी के कारण पलामू किला के दरवाजे को नागपुरी दरवाजा भी कहा जाता है। दरवाजे की चौड़ाई 15 फीट और ऊंचाई 40 फिट है ।

फिर से तूफान और बारिश का अलर्ट रांची समेत 10 जिलों पर होगा असर

रांची, एजेंसी। बुधवार को जहां राजधानी रांची में आंशिक बादल छाए रहे तो दूसरी ओर गुरुवार को राजधानी रांची समेत राज्य के 10 जिलों में तेज बारिश और आंधी चलने की संभावना है। जिसके बाद लगातार बढ़ रहे तापमान से थोड़ी राहत मिलेगी।

मौसम विज्ञान केंद्र रांची ने भी जारी पूर्वानुमान में बताया है कि अगले दो दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट हो सकती है। इसके बाद 5, 6 व 7 अप्रैल को तापमान में तीन से चार डिग्री सेल्सियस की बढ़ोत्तरी होगी।

राज्य के निकटवर्ती मध्य भाग रांची, रामगढ़, हजारीबाग, गुमला, बोकारो और खूंटी के अलावा दक्षिणी हिस्से पूर्वी व पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा और सरायकेला खरसावां में 40 से 50 किमी की रफ्तार से तेज हवा बहने की संभावना है साथ ही बिजली गिरने को लेकर आरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

मौसम विभाग ने आमजनों से बिना कारण बाहर न निकलने की अपील की है। मौसम विज्ञानी अभिषेक आनंद ने बताया कि अगले दो दिनों तक राजधानी व आसपास के जिलों में आंशिक बादल छाए रहेंगे और वर्षा होने की संभावना है। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि इस बदलाव के बाद जब मौसम साफ होगा तब फिर तेज गर्मी का एहसास होने लगेगा।

अभिषेक आनंद ने बताया कि बंगाल की खाड़ी और अरब सागर से आ रही नम हवा का असर देखने को मिलेगा। अधिक तापमान होने और नम हवा के कारण बादल संघनन की प्रक्रिया भी तेजी से होती है। ऐसे में वर्षा होने की प्रबल संभावना रहती है।

यह वर्षा राज्य के निश्चित क्षेत्र में होगी, बंगाल की खाड़ी और अरब सागर से आ रही नम हवा के कारण झारखंड के मौसम में भी बदलाव का असर देखने को मिलेगा।

पिछले 24 घंटे के मौसम की बात करें तो पूरे राज्य में मौसम शुष्क बना रहा। अधिकतम तापमान बोकारो थर्मल का 39।5 डिग्री सेल्सियस तो तापमान 14।2 डिग्री सेल्सियस गुमला का रिकार्ड किया गया। वहीं, रांची का अधिकतम तापमान 34।4 डिग्री जबकि न्यूनतम तापमान 19।8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

धनबाद के लिए खुशखबरी, मिलेगी एक और सेमी हाई स्पीड ट्रेन, 4 अप्रैल को होगा स्पीड ट्रायल

धनबाद, एजेंसी। हावड़ा से नई दिल्ली के बीच इस साल से 160 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से सेमी हाई स्पीड ट्रेन चलाई जा सकती हैं। धनबाद रेल मंडल के प्रधानखंता से मानपुर तक 200 किमी लंबे रेल मार्ग पर इसके लिए स्पीड ट्रायल शुरू किया गया है।

मंगलवार को मानपुर से प्रधानखंता से 140 की गति से स्पीड ट्रायल किया गया था। बुधवार को धनबाद से गया तक 145 किमी प्रति घंटे की गति से स्पीड ट्रायल किया गया। स्पीड ट्रायल सफल रहा। अब पूर्व मध्य रेल महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह चार अप्रैल को 160 की गति से स्पीड ट्रायल करेंगे।

डीआरएम कमल किशोर सिन्हा ने कहा कि ट्रेनों की मौजूदा अधिकतम गति 130 किमी प्रति घंटे से बढ़ा कर 160 किमी किए जाने को लेकर रेलवे ट्रैक के दोनों ओर चहारदीवारी निर्माण अंतिम चरण में है। ट्रैक का काम लगभग पूरा हो चुका है।

ओएचई ओवरहेड तार का काम भी 80 प्रति शत तक पूरा कर लिया गया है। सिग्नल विभाग के कुछ काम बचे हैं जिसे पूरा किया जा रहा है। इसके साथ ही सुरक्षित ट्रेन चलाने को लेकर आटोमेटिक सिग्नलिंग और कवच के काम भी चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि महाप्रबंधक के स्पीड ट्रायल से पहले प्री ट्रायल किया गया। कुछ छोटे-मोटे काम

बचे हैं। उन्हें पूरा किया जा रहा है।

सेमी हाई स्पीड ट्रेन चलाने के लिए ग्रैंड कार्ड सेक्शन पर प्रधानखंता से मानपुर के बीच मार्च तक 15 रेलवे फाटक बंद अंडरपास का निर्माण कराया गया है। 10 अन्य रेल फाटकों पर कम चल रहा है। कुछ जगहों पर रोड ओवरब्रिज (आरओबी) भी बन रहे हैं।

वर्तमान में इस खंड पर वीवीआइपी ट्रेन दुरंतो, राजधानी, वंदेभारत सहित मेल-एक्सप्रेस 130 किमी की गति से चल रही है। इसके लिए धनबाद से पहाडपुर तक सिग्नल सिस्टम को आधुनिक किया गया है। सारे पैनल को बदलकर रूट रिले इंटरलाकिंग सिस्टम से लैस किया गया है। रेलवे ट्रैक को दुरुस्त किया जा रहा है।

धनबाद से मानपुर के बीच बुधवार को दो कोच की स्पेशल ट्रेन का 145 किमी की रफ्तार से सफल ट्रायल किया गया। यह ट्रेन धनबाद से दिन 11।22 बजे खुली और एक घंटा 48 मिनट में धनबाद से मानपुर 199 किमी की दूरी तय की।

धनबाद से गया के बीच राजधानी एक्सप्रेस दो घंटा 27 मिनट में दूरी तय करती है जो ट्रायल में लगभग 35 मिनट कम पडा। रेलवे ने लोगों से रेलवे लाइन पार करने के लिए ओवरब्रिज का सहारा लेने की अपील की है।

रांची के लोगों की हो गई बल्ले-बल्ले! इस रूट के लिए मिली एक और ट्रेन की सौगात

रांची, एजेंसी। रेलवे की ओर से रांची से दिल्ली जाने के लिए एक और ट्रेन की सेवा शुरू हो रही है। हाल ही में दो जोड़ी ट्रेन की सेवा शुरू के बाद रेलवे ने एक और ट्रेन दी है।

ट्रेनों में अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेन 02877/02878 रांची - नई दिल्ली - रांची समर स्पेशल ट्रेन का परिचालन होगा।

ट्रेन 02877 रांची - नई दिल्ली समर स्पेशल चार अप्रैल से 27 जून तक प्रत्येक शुक्रवार को रांची से प्रस्थान करेगी। कुल 13 ट्रिप ट्रेनों का परिचालन होगा।

ट्रेन का रांची प्रस्थान शुक्रवार 23:55 बजे, मुरी आगमन 01:00 बजे प्रस्थान 01:05 बजे, बरकाकाना आगमन 02:40 बजे प्रस्थान 02:45 बजे, गढ़वा रोड आगमन 06:00 बजे प्रस्थान 06:05 बजे, पंडित दीनदयाल उपाध्याय आगमन 10:15 बजे प्रस्थान 10:35 बजे, प्रयागराज आगमन 15:20 बजे प्रस्थान 15:30 बजे, कानपुर आगमन 19:25 बजे प्रस्थान

19:30 बजे एवं नई दिल्ली आगमन रविवार 03:00 बजे होगा।

ट्रेन 02878 नई दिल्ली - रांची समर स्पेशल छह अप्रैल से 29 जून तक प्रत्येक रविवार को नई दिल्ली से प्रस्थान करेगी। कुल 13 ट्रिप ट्रेन का परिचालन होगा।

धनबाद-कोडरमा-गया-डीडीयू रेलखंड पर शीघ्र ही 160 किमी की रफ्तार से ट्रेन दौड़ेगी। इसे लेकर रेलवे ने भी रेलवे ट्रैक के दोनों तरफ हजारीबाग रोड से पहाड़पुर तक दीवार लगाने का कार्य लगभग पूर्ण कर लिया है। कोडरमा-गया के रास्ते 160 किलोमीटर की रफ्तार से ट्रेन चलाने के लिए शुक्रवार को ट्रायल किया जाएगा। ट्रायल में रेलवे बोर्ड दिल्ली पूर्व मध्य रेलवे हाजीपुर के जीएम के अधिकारी भी शामिल होंगे।

वर्तमान में इस खंड पर वीवीआइपी ट्रेन दुरंतो, राजधानी, वंदेभारत सहित मेल-एक्सप्रेस 130 किमी की गति से चल रही है। इसके लिए धनबाद से पहाडपुर तक सिग्नल सिस्टम को आधुनिक किया गया है।

सारे पैनल को बदलकर रूट रिले इंटरलाकिंग सिस्टम से लैस किया गया है। रेलवे ट्रैक को दुरुस्त किया जा रहा है।

धनबाद से मानपुर के बीच बुधवार को दो कोच की स्पेशल ट्रेन का 145 किमी की रफ्तार से सफल ट्रायल किया गया।

यह ट्रेन धनबाद से दिन 11।22 बजे खुली और एक घंटा 48 मिनट में धनबाद से मानपुर 199 किमी की दूरी तय की।

धनबाद से गया के बीच राजधानी एक्सप्रेस दो घंटा 27 मिनट में दूरी तय करती है जो ट्रायल में लगभग 35 मिनट कम पडा। रेलवे ने लोगों से रेलवे लाइन पार करने के लिए ओवरब्रिज का सहारा लेने की अपील की है।

गिरिडीह बनेगा झारखंड का सबसे बड़ा सोलर हब, 170 मेगावाट का लगेगा प्लांट

गिरिडीह, एजेंसी। कोल इंडिया गिरिडीह को सोलर हब के रूप में विकसित कर रही है। सौर ऊर्जा से चार मेगावाट बिजली का उत्पादन कर रही सीसीएल गिरिडीह एरिया अब इस दिशा में बड़ी परियोजना लाने की तैयारी में हैं। सीसीएल गिरिडीह एरिया में अब झारखंड का सबसे बड़ा सोलर प्लांट बनाने की योजना है। योजना के अनुसार सीसीएल की खाली जमीन पर 170 मेगावाट सौर ऊर्जा तैयार की जाएगी फिर इस बिजली को बेचा भी जाएगा। इसकी जानकारी सीसीएल गिरिडीह कोलियरी के महाप्रबंधक गिरीश कुमार राठौर और परियोजना पदाधिकारी जीएस मीणा ने दी है ।

जीएम ने बताया कि झारखंड की सबसे बड़ी सौर ऊर्जा परियोजना के लिए जमीन को चिह्नित करने का काम किया गया है। वहीं सीएमपीडीआई (सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट) की टीम द्वारा सर्वे का काम भी किया जा चुका है। सीएमपीडीआई की टीम द्वारा रिपोर्ट की गयी, अब डीपीआर (डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट) बनेगी। इसके बाद योजना धरातल पर उतारी जाएगी। इस परियोजना का लाभ सीधे तौर पर सीसीएल गिरिडीह एरिया को मिलेगा ।

परियोजना पदाधिकारी जीएस मीणा ने बताया कि यह सोलर हब झारखंड का सबसे बड़ा हब होगा। यहां से जो सौर ऊर्जा मिलेगी उसे नियर ग्रिड चाहे वह राज्य सरकार का हो या डीवीसी का उनसे बात करके पावर को फीड किया जाएगा, उससे गिरिडीह के लोगों को पावर मिलेगा ।

जीएस मीणा ने कहा कि अभी ड्रोन सर्वे किया गया है। डीपीआर के बाद टेंडर होगा, फिर काम शुरू होगा। उन्होंने कहा कि यह काम कोल इंडिया की इकाई सीसीएल करेगी। यह कार्य ग्रीन रिन्यूएबल एनर्जी के तहत होगा। इस मौके पर सीसीएल के पदाधिकारी शम्मी कपूर और राजवर्धन कुमार मौजूद थे ।

डुप्लेक्स में रहेंगे विधायक, परिसर में होंगी ढेर सारी सुविधाए, अब तक 16 आवास बनकर तैयार

रांची, एजेंसी। झारखंड सरकार के मंत्रियों के बाद विधायकों को भी नए सुसज्जित आवासों में गृह प्रवेश कराया जाएगा। कुल 70 विधायक आवास बनाए जा रहे हैं, जिनमें से अभी तक 16 पूर्ण भी हो चुके हैं। पूर्ण हो चुके आवासों को अंतिम तौर पर आवंटन के पहले दुरुस्त किया जा रहा है। सभी काम पूरे कर लेने के बाद आवासों को विधायकों के नाम से आवंटित किया जाएगा।

ज्ञात हो कि धुर्वा में विधानसभा के निकट विधायकों के लिए डुप्लेक्स बनकर तैयार हो रहे हैं। जनवरी माह में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इन आवासों का निरीक्षण भी किया था और काम जल्दी पूरा करने को लेकर आवश्यक निर्देश भी दिए थे। उन्होंने जून तक काम पूरा

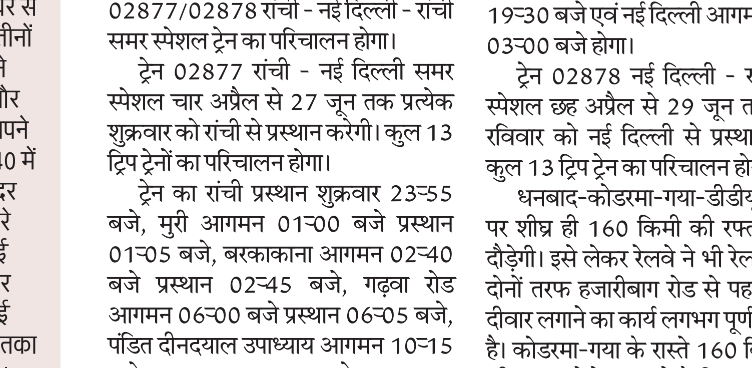

करने का निर्देश दिया था। काम पूरा होने में नवंबर तक का समय लग सकता है। विभागीय सूत्रों ने बताया कि सरकार के निर्देश के बाद काम में तेजी लाई गई है।

निर्माणाधीन विधायक आवास परिसर में हेल्थ सेंटर, शापिंग कांप्लेक्स, बिजली, पानी, सड़क, प्लेग्राउंड, पार्किंग, ड्रेनेज सिस्टम सहित अन्य सुविधाएं होंगी।

पूरे परिसर के निर्माण पर अनुमानित लागत 216 करोड़ के करीब था, जो बढ़ भी सकता है। इसकी वजह आवासीय परिसर में सुविधाओं में बढ़ोतरी है।

विधायकों के लिए बन रहे डुप्लेक्स के लिए कुल 43।5 एकड़ में आवासीय परिसर बनकर तैयार हो रहा है। इसमें डिटोरियम, इनडोर स्टेडियम, चिल्ड्रेन पार्क आदि की सुविधा भी होगी।

परिसर में बड़े पैमाने पर पौधरोपण का भी निर्देश दिया गया है। ज्ञात हो कि अभी विधायकों को राजधानी के अलग-अलग क्षेत्रों में आवास आवंटित किया गया है।

कुछ मोरहाबादी में रहते हैं तो कुछ धुर्वा और डोरंडा में। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया था कि सभी विधायकों को एक ही परिसर में रहने की सुविधा मुहैया कराई जाए।

स्मार्ट सिटी परिसर में मंत्रियों के लिए बना आवास लगभग तैयार हो चुका है। इस महीने के अंत तक सभी मंत्रियों को आवास आवंटित कर दिया जाएगा।

सबसे पहले पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार को आवास आवंटित किया। वे इस परिसर में रह भी रहे हैं। इनके अलावा एक और मंत्री को आवास आवंटित किया गया है।

उधर, पीएम आवास से जुड़ी एक खबर भी सामने आई है। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2।0 के तहत योग्य अभ्यर्थियों का आवेदन लिया जा रहा है।

झुमरीतिलैया नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी अंकित गुप्ता ने बताया कि नप क्षेत्र में रहने वाले आवास विहीन परिवार योजना के पात्र होंगे।

आवेदक की वार्षिक आय तीन लाख रुपये से कम होना चाहिए। आधार कार्ड मोबाइल फोन नंबर लिंक होना अनिवार्य है। आधार, पैन, वोटर कार्ड की छायाप्रति आवेदन के साथ जमा करना होगा।

संस्कृति बचानी है तो मांदर-नगाड़ा की थाप पर नृत्य करें, सरना कोड के लिए जारी रहेगा संघर्ष : चमरा लिंडा

रांची, एजेंसी। फूलखोंसी के साथ तीन दिवसीय प्रकृति पर्व सरहुल का समापन हो गया। इस क्रम में बुधवार को कांके स्थित मायापुर सरना स्थल में आदिवासी 22 पड़ाहा सरना समिति, ओरमांझी कांके की ओर से 29वां सरहुल पूजा महोत्सव का आयोजन किया गया। इसमें अनुचित जाति, जनजाति और पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के मंत्री चमरा लिंडा ने शिरकत की। इस दौरान उन्होंने आदिवासी समाज की सांस्कृतिक पहचान और परंपराओं को संरक्षित करने की बात कही ।

मंत्री चमरा लिंडा ने कहा कि आदिवासी संस्कृति को संरक्षित रखना जरूरी है। सरहुल महोत्सव में पारंपरिक मांदर और नगाड़े की धुनों पर नृत्य करना चाहिए, न कि आधुनिक डीजे और फिल्मी गीतों के माध्यम से। उन्होंने कहा, हमारा मंत्रालय आदिवासी कल्याण के लिए कार्य कर रहा है और हम आदिवासी समाज को शिक्षित और सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं ।

सरना धर्म को मान्यता दिलाने के संघर्ष पर जोर देते हुए मंत्री चमरा लिंडा ने कहा कि जब तक हम संघर्ष करते रहेंगे, तब तक हम अपनी संस्कृति को बचाए रख पाएंगे। अगर केंद्र सरकार सरना कोड नहीं देती है, तो हम सड़क पर उतरकर आंदोलन करेंगे। जरूरी हुआ तो संपूर्ण राज्य को बंद करने के लिए भी तैयार रहेंगे। उन्होंने समाज के सभी लोगों से एकजुट होकर इस आंदोलन को समर्थन देने की अपील की।

वक़्फ संशोधन बिल 2025 लोकसभा में पारित

- किशन सनमुखदास भावनानीं

विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत के लोकतंत्र के मंदिर रूपी संसद व उच्च सदन राज्यसभा में किसी महत्वपूर्ण विधेयक पर बहस कर उसमें संशोधन से लेकर वोटिंग तक पर पूरी प्रक्रिया को भारत सहित पूरे विश्व नें ध्यान से देखा व सुना है, जिसमें महिला आरक्षण विधेयक बिल, जीएसटी बिल, आर्टिकल 370 बिल सहित अनेकों बिलो को हमने लोकसभा के दोनों सदनों से पास होते हमने देखा है। आज यह चर्चा हम इसलिए कर रहे हैं क्योंकि आज अर्ली मॉर्निंग करीब 4 बजे तक मैंनें करीब 16 घंटे लगातार वक़्फ (संशोधन) बिल 2025 की पूरी बहस, वोटिंग प्रक्रिया व अमेंडमेंट पर वोटिंग प्रक्रिया पर पर मैं नजर रखी। मैंने लगातार 16 घंटे संचार माध्यमों से जुड़ा रहा, क्योंकि ऐसे विषय पर लाइव देखकर रिपोर्टिंग बनाना मेरी रुचि रही है। मैंने देखा कि विपक्ष व पक्ष के सदस्यों ने ध्रुवीकरण बोलने पर विशेष ध्यान दिया विपक्ष के नेताओं ने ध्रुवीकरण पर आरोप प्रत्यारोप लग रहे थे बहस के दौरान मैंने एक बात देखी कि एक सदस्य वाली पार्टी को भी बोलने का अधिकार दिया गया था, जिसमें चंद्रशेखर, पप्पू यादव, असदुद्दीन ओवैसी भी शामिल थे। ओवैसी साहब ने बिल को फाड़ने की बात तो की,लेकिन बिल को फाड़ नहीं पाए बल्कि दो भागों को स्टेपलर की पिन खोलकर अलग किया। बहस पूरी हो जाने के बाद जेपीसी अध्यक्ष ने उसका जवाब दिया, फिर अंत में अल्पसंख्यक विभाग के मंत्री ने बहस का जवाब दिया। मैंने महसूस किया कि पक्ष और विपक्ष दोनों ही पूरी तैयारी के साथ बहस में शामिल होने,बहस की प्रक्रिया हो जाने के बाद माननीय सदस्यों द्वारा 100 से अधिक संशोधनों जो दर्ज कराए गए थे, उसमें तीन संशोधन की वोटिंग मशीन से वोटिंग हुई व बाकी 100 से अधिक संशोधनों को ध्वनि मत से जिसमें करीब-करीब विपक्ष के सभी संशोधन खारिज कर दिए गए। विशेष बात यह रही कि मैं पिछले 10-12 सालों में मैंने रात्रि 2-3 बजे तक संसद चलने और विधेयक पारित होने की प्रक्रिया नहीं देखी थी। वक़्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 रात 1.56 बजे लोकसभा में पारित हुआ। विधेयक पर 1 घंटे 50 मिनट तक वोटिंग चली। विधेयक के समर्थन में 288 वोट पड़े, जबकि विरोध में 232 वोट पड़े। अनेक संशोधन में एक संशोधन पर इलेक्ट्रॉनिक पद्धति से मतदान के बाद कुल 464 वोट दर्ज किए गए। विधेयक के पक्ष में 273 और विरोध में 191 मत पड़े। शुद्धि के बाद स्पीकर ओम बिरला आधिकारिक आंकड़ों का एलान करेंगे। लोकसभा संसद सदस्यों द्वारा दिए गए संशोधन में सबसे महत्वपूर्ण संशोधन बोर्ड में शामिल होने वाले 11 गैरमुस्लिम सदस्यों वाला संशोधन 288 के मुकाबले 231 मतों से गिर गया, यानि अब गैरमुस्लिम सदस्य बोर्ड में शामिल होंगे।वक़्फ (संशोधन) बिल 2025 आज ही उच्चसदन यांने राज्यसभा में पेश होगा उम्मीद है बहस के बाद इस सदन में भी वक़्त (संशोधन) बिल 2025 पारित हो जाएगा ऐसा मेरा मानना है। चूँकि संसद में 12 घंटे की लंबी मैराथन बहस के बाद वक़्त संशोधन बिल 2025 लोकसभा से पारित हो गया है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग सेइस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, वक़्फ संशोधन बिल 2025 की लड़ाई, अंजाम तक आई। लोकसभा में अर्ली मॉर्निंग 232 के मुकाबले 288 मतों से यह बिल पारित किया गया तथा आज 3 अप्रैल को ही राज्यसभा सदन में भी पारित कर दिया जाएगा ऐसी संभावना है।

साथियों बात अगर हम वक्फ बिल पर लोकसभा में बहस के के बाद जेपीसी के अध्यक्ष द्वारा जवाब देने की करें तो उन्होंने कहा यदि बीजेपी चाहती तो इस विधेयक को सीधे संसद में पास करा सकती थी, लेकिन सरकार ने इसे जेपीसी को भेजने का फैसला किया ताकि अन्य दलों के साथ विस्तृत चर्चा हो सके। उन्होंने कहा कि यह सरकार की लोकतांत्रिक प्रतिबद्धता को दिखाता है कि उसने बिना किसी जल्दबाजी के इस विषय पर व्यापक विमर्श किया।उन्होंने असदुद्दीन ओवैसी द्वारा वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 को फाड़ने की बात को असंवैधानिक करार दिया है। उन्होंने कहा कि ओवैसी इस बिल को असंवैधानिक बता रहे हैं, लेकिन असली असंवैधानिक हरकत तो उन्होंने खुद की है। पाल ने लोकसभा में कहा कि संसद में इस तरह से विधेयक को फाड़ना लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का अपमान है और यह संसदीय मयार्दाओं के खिलाफ है।

साथियों बात अगर हम 2 अप्रैल 2025 को हुए बिल पर चर्चा का जवाब रात्रि 12 बजेअल्पसंख्यक विभाग के मंत्री द्वारा जवाब देने की करें तो उन्होंने कहा, सरकार ने बुधवार को लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पेश किया। इसपर आधी रात तक लगभग 12 घंटे तक चर्चा हुई। अब सदन में वोटिंग हो रही है। पक्ष ने जहां बिल का समर्थन किया तो विपक्ष ने जोरदार हमला बोलते हुए इसे मुस्लिमों को हाशिए पर धकेलने वाला बताया। बिल पेश करते हुए केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि पूर्ववर्ती यूपीए सरकार ने वक्फ कानून में बदलावों के जरिए इसे अन्य कानूनों से ऊपर कर दिया था, इसलिए इसमें नए संशोधनों की जरूरत पड़ी। गौरतलब है कि लोकसभा में संख्याबल के हिसाब से एनडीए की स्थिति मजबूत है, जिसके पास 294 सांसद हैं, जबकि बिल पास करने के लिए 272 वोटों की जरूरत है।

साथियों बातें कर हम विधेयक का विरोध करने की करें तो, एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने वक्फ बिल पर बहस के दौरान कहा, इस बिल का असली मकसद मुसलमानों को जलील करना है। सरकार हमारे वक्फ की संपत्तियों पर कब्जा जमाना चाहती है और हमारे धार्मिक अधिकार छीनना चाहती है। अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए उन्होंने सदन में कहा कि मैं इस बिल को फाड़ता हूं। उन्होंने इसे अल्पसंख्यकों के धार्मिक अधिकारों पर सीधा हमला बताया और कहा कि यह संविधान के अनुच्छेद 25 और 26 का उल्लंघन करता है। संसद में मदनी वक्फ संशोधन बिल पेश किए जाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए जमीयत उलमा-ए- हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असअद मदनी ने कहा कि संसद में पेश किया गया वक्फ से संबंधित यह बिल असंवैधानिक है और मूल अधिकारों का उल्लंघन करता है। सरकार अपनी संख्यात्मक बहुमत के बल पर इसे पारित कराने की कोशिश कर रही है।यह रवैया बहु संख्यकवादी मानसिकता पर आधारित है और लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। इस बिल को जबरन संसद में लाया गया है, जिसका उद्देश्य अल्पसंख्यकों के अधिकारों को छीनना है, जो किसी भी हाल में स्वीकार्य नहीं है। जिस तरह से यह बिल तैयार किया गया है और जिस मंशा व रवैये के साथ इसे पेश किया जा रहा है, वह मुसलमानों के खिलाफ एक नकारात्मक रुख को दशार्ता है। उन्होंने कहा,हम पहले ही कह चुके हैं कि पुराने कानून में सुधार की जरूरत थी, लेकिन इसके बजाय सरकार ने ऐसे संशोधन पेश किए हैं, जो समस्याओं का समाधान करने के बजाय उन्हें और जटिल बना रहे हैं।अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्य के रूप में, मैं स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि यह बिल पूरी तरह अस्वीकार्य है और हम इसे पूरी तरह खारिज करते हैं। इसके खिलाफ हमारी लड़ाई जारी रहेगी और हम हर संवैधानिक और शांतिपूर्ण तरीके से इस अन्याय के खिलाफ अपनी आवाज उठाते रहेंगे।

सुभाषितम्

कभी भी घृणा को घृणा से खत्म नहीं किया जा सकता घृणा प्यार से कम होती है. यह एक अटल नियम है। - गौतम बुद्ध

ट्रंप के टैरिफ का वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दिखेगा जल्द असर

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ मामले में जो कहा वह करके दिखला दिया है। इसे लेकर दुनियां के अनेक देश दोस्ती और दुश्मनी वाला फामूर्ला तलाशने में लग गए हैं। बताया जा रहा है कि ट्रंप के टैरिफ से किसे क्या नुक्सान और क्या फायदा होगा, लेकिन इतना तो तय है कि ट्रंप ने एक बार फिर अपनी व्यापारिक नीतियों से वैश्विक बाजार में हलचल मचा दी है। हाल ही में उन्होंने चीन, भारत, बांग्लादेश और पाकिस्तान समेत कई देशों पर भारी टैरिफ लगाने की घोषणा की है। चीन पर 34 प्रतिशत, बांग्लादेश पर 37 प्रतिशत और पाकिस्तान पर 29 प्रतिशत टैरिफ लगाने के अलावा, भारत से अमेरिका में आयात होने वाले सामानों पर 26 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने की घोषणा की गई। ट्रंप का कहना है कि यह कदम अमेरिका की आर्थिक सुरक्षा के लिए आवश्यक है। जहां तक भारत की बात है तो ट्रंप ने यहां के लिए 26 प्रतिशत टैरिफ की घोषणा करते हुए दावा किया कि भारत अमेरिकी आयात पर 52 प्रतिशत टैरिफ लगाता है। हालांकि, भारतीय व्यापार नीति और अमेरिकी निर्यात पर लगाए गए करों का विश्लेषण करने पर यह आंकड़ा अतिशयोक्तिपूर्ण प्रतीत होता है। इसलिए यदि यह कहा जा रहा है कि ट्रंप की यह नई घोषणा भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों को प्रभावित कर सकती है, तो गलत नहीं है। देखने वाली बात तो यह भी है कि जिस तरह से ट्रंप ने कनाडा और मैक्सिको को लेकर बयान दिए थे, उसके बाद यही कहा जा रहा था कि इन देशों पर सौ फीसद टैरिफ लगाया जा सकता है, लेकिन इसके उलट व्हाइट हाउस ने कनाडा और मैक्सिको को इस टैरिफ से छूट दे दी। इसकी वजह इन दोनों देशों के साथ अमेरिका के मौजूदा अंतर्राष्ट्रीय व्यापार समझौते लागू होने को बताया जा रहा है। मतलब यह हुआ कि ट्रंप बयान कुछ देते हैं और नीति कुछ और लागू करते हैं, जिसका उदाहरण ये दो देशों को टैरिफ से छूट और भारत को दोस्त बताने के बावजूद टैरिफ में शामिल करना है। इस स्थिति में ट्रंप के अन्य देशों पर लगाए गए नए शुल्क वैश्विक व्यापार पर महत्वपूर्ण असर डालने वाले साबित हो सकते हैं, जिससे विश्व अर्थव्यवस्था अस्थिर हो सकती है।

ट्रंप की नई टैरिफ नीति के चलते वैश्विक व्यापारिक संतुलन बिगड़ सकता है। विचार करने वाली बात है कि कोविड-19 महामारी के बाद से दुनिया की अर्थव्यवस्था अभी बमुश्किल संभलने का प्रयास कर रही थी कि यह नया झटका निवेशकों की चिंता बढ़ाने वाला साबित हो सकता है। यह टैरिफ वैश्विक व्यापारिक वृद्धि को धीमा कर सकते हैं, कॉर्पोरेट आय पर असर डाल सकते हैं और महंगाई बढ़ा सकते हैं। इसका मतलब यह नहीं हुआ कि अमेरिका दुनियां के अन्य देशों से हटकर मंदी की मार से बच रहेगा। बल्कि इसका बुरा असर उस पर भी पड़ेगा। इसका आंकलन करते हुए ही इंफ्रास्ट्रक्चर कैपिटल एडवाइजर्स के सीईओ जय हैटफील्ड कहते हैं, कि यह सबसे बुरी स्थिति है, जिसकी बाजार को उम्मीद थी। अमेरिका को मंदी में धकेलने के लिए यह टैरिफ काफी हैं, और इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था भी प्रभावित होगी। इसी प्रकार नोमूरा रिसर्च इंस्टीट्यूट के प्रमुख अर्थशास्त्री ताकाहिदे कियुची ने भी ट्रंप की इस नीति को ग्लोबल फ्री ट्रेड के लिए खतरा बताया है। उनका मानना है कि दूसरे विश्व युद्ध के बाद से अमेरिका ही वैश्विक मुक्त व्यापार का नेतृत्व कर रहा था, लेकिन इस तरह के टैरिफ से यह प्रणाली बुरी तरह प्रभावित होगी। ऐसे में भारत समेत दुनियां के अनेक देशों के लिए यह नई टैरिफ नीति चिंता का विषय बनी हुई है। भारतीय निर्यातकों को डर है कि इससे उनके उत्पादों की अमेरिकी बाजार में प्रतिस्पर्धात्मकता घट जाएगी। अगर अमेरिका ने भारतीय उत्पादों पर 26 प्रतिशत टैरिफ लगाया, तो भारतीय व्यापारियों को अपने उत्पादों की कीमतें बढ़ानी पड़ेंगी, जिससे उनकी मांग कम हो सकती है। मांग घटने पर आपूर्ति घट जाएगी और उत्पादन पर विपरीत असर पड़ेगा। कंपनी व उद्योग जगत को खासा नुक्सान उठाना पड़ेगा। ऐसे में कहना गलत नहीं होगा कि अमेरिका के ये कड़े कदम वैश्विक व्यापार युद्ध को और भड़का सकते हैं। यूरोपीय संघ और चीन जैसे बड़े व्यापारिक साझेदार अमेरिका की इस नीति के खिलाफ जवाबी टैरिफ लगा सकते हैं, जिससे वैश्विक व्यापार और अधिक जटिल हो सकता है। कुल मिलाकर ट्रंप के टैरिफ से केवल भारत ही नहीं बल्कि दुनियां के अन्य देश भी बुरी तरह प्रभावित होंगे, जिससे अमेरिका खुद भी अछूता नहीं रह पाएगा।

चिंतन-मनन

द्वंद्व के बीच शांति की खोज

केवल ज्ञान की बातें करों। किसी व्यक्ति के बारे में दूसरे व्यक्ति से सुनी बातें मत दोहराओ। जब कोई व्यक्ति तुम्हें नकारात्मक बातें कहे, तो उसे वहीं रोक दो, उस पर वास भी मत करो। यदि कोई तुम पर कुछ आरोप लगाये, तो उस पर वास न करो। यह जान लो कि वह बस तुम्हारे बुरे कर्मो को ले रहा है और उसे छोड़ दो। यदि तुम गुरु के निकटतम में से एक हो तो संसार के सारे आरोपों को हंसते हुए ले लोगे। द्वद्व संसार का स्वभाव है और शांति आत्मा का स्वभाव है। द्वद्व के बीच शान्ति की खोज करो। द्वद्व समाप्त करने की चेष्टा द्वद्व को और ज्यादा बढ़ाती है। आत्मा की शरण में आकर विरोध के साथ रहो। जब शान्ति से मन ऊबने लगे तो सांसारिक क्रिया-कलापों का मजा लो। और जब इनसे थक जाओ तो आत्मा की शान्ति में आ जाओ। यदि तुम गुरु के करीब हो, तो दोनों क्रिया कलाप साथ-साथ करोगे। ईश्वर व्यापक हैं। और अन्नत काल से ईश्वर सभी विरोधों को संभालते आए हैं। यदि ईश्वर सारे विरोधों को ले सकते हैं, तो निश्चित ही तुम भी ऐसा कर सकते हो। जैसे ही तुम विरोध के साथ रहना स्वीकार कर लेते हो, विरोध स्वतः समाप्त हो जाता है। शान्ति चाहने वाले लोग लड़ना नहीं चाहते और इसके विपरीत लड़ाई करने वाले शान्ति पसन्द नहीं करते। शान्ति चाहने वाले लड़ाई से बचना चाहते हैं। आवश्यक यह है कि मन को शांत करें और फिर लड़ें। गीता की यही मूल शिक्षा है। कृष्ण अजरुन को उपदेश देते हैं कि अजरुन युद्ध करो मगर हृदय को शान्त रखकर।

इतिहास से सबक सीखें या अतीत की घटनाओं का हिसाब-किताब करें?

- राम पुनियानी

संघ परिवार द्वारा 1992 में बाबरी मस्जिद ढहाए जाने के बाद से जो सैकड़ों साल पह्लेहुआ था वह अचानक समाज में चर्चा का मुख्य विषय बन गया है। इतिहास को देखने का एक विशिष्ट नजरिया, जिसमें इतिहास को राजाओं और उनके धर्म के चश्मे से देखा जाता है, को समाज पर थोप दिया गया है। वह भी एक सुनियोजित तरीके से। अब एक कदम आगे बढ़कर साम्प्रदायिक शक्तियां इसको राष्ट्रवाद से जोड़ रहीं हैं। दिलचस्प बात यह है कि साम्राज्यों के काल के इतिहास को राष्ट्रवाद से जोड़ा जा रहा है, इस तथ्य को पूरी तरह भुलाकर कि राष्ट्र-राज्य एक आधुनिक परिकल्पना है और भारत की संकल्पना उपनिवेशवादी शक्तियों के विरूद्ध हुए संघर्ष के समानांतर उदित हुई।

साम्प्रदायिक शक्तियां मुस्लिम शासकों से लड़ने वाले हिंदू राजाओं को देशभक्त और महान राष्ट्रवादी और राष्ट्र के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत कर रही हैं। इससे पहले महात्मा गांधी के सीने में तीन गोलियां मारने वाले नाथूराम गोडसे ने अपने अदालती बयानों पर आधारित पुस्तक ह्यह्यमे इट प्लीज युअर ऑनरह्यह्य में गांधीजी पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि छत्रपति शिवाजी महाराज या महाराणा प्रताप जैसे राष्ट्रवादियों की तुलना में वे अत्यंत तुच्छ थे।

अब उसकी विचारधारा को मानने वाले यही बात और जोर से दुहरा रहे हैं। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल में ह्यह्यअतीत के आक्रमणकारियों का महिमामंडन करने वालोंह्यह्य पर तीखा हमला करते हुए कहा था कि यह देशद्रोह है जिसे ह्यनया भारतह्य बर्दाश्त नहीं करेगा। भाजपा के तेजतर्रार नेता की यह टिप्पणी महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर जिले में स्थित मुगल शासक औरंगजेब की कब्र हटाए जाने की मांगों के बीच आई है।

इसी तरह आरएसएस के सरकार्यवाह (महासचिव) ने सवाल उठाया कि क्या किसी ऐसे व्यक्ति को नायक बताना ठीक है जिसका आचरण भारत के लोकाचार के विपरीत रहा हो। उन्होंने पूछा कि गंगा-जमुनी तहजीब (हिंदू और मुस्लिम सांस्कृतिक तत्वों के मिलन) की वकालत करने वालों ने कभी औरंगजेब के बड़े भाई दारा शिकोह को नायक क्यों नहीं बताया जो सांप्रदायिक सौहार्द का प्रवर्तक बताया जाता है।

ये सारी बातें उस माहौल में कही जा रही हैं जब जोर-शोर से औरंगजेब को एक आक्रामक और क्रूर खलनायक बताया जा रहा है। आक्रमणकारी कौन थे? क्या औरंगजेब एक आक्रमणकारी था? सीधी सी बात यह है कि औरंगजेब को अपने पिता शाहजहां के वारिस के रूप में साम्राज्य मिला। मुगल साम्राज्य का संस्थापक बाबर था, जो काबुल पर राज कर रहा था। राणा सांगा ने उसे पत्र लिखकर कहा कि वह आकर दिल्ली के सम्राट इब्राहिम लोधी को पराजित करे। अंततः हुआ यह कि बाबर ने राणा सांगा और इब्राहिम लोधी दोनों से युद्ध किया और दिल्ली की सत्ता पर काबिज हुआ।

बाबर के पहले यूनानी, कुषाण, हूण और शकों ने उत्तर-पश्चिम से आक्रमण किया और वे यहां के जनसमुद्र का हिस्सा बन गए। केवल मुगल ही यहां नहीं आए, खिलजी, गुलाम और गजनी भी स्थानीय राजाओं के पराजित कर यहां की सत्ता पर काबिज हुए। उस समय भारत, दिल्ली से शासित होने वाले राष्ट्र के मौजूदा स्वरूप में अस्तित्व में नहीं था। राजाओं के बीच सत्ता और संपदा के लिए संघर्ष चलते रहते हैं और शक, हूण, कुषाण व पूर्व में अहोम जैसे विभिन्न समुदायों के मिलन से एक मिश्रित और बहुवादी सभ्यता यहाँ अस्तित्व में आई।

भारत देश के प्रतीक कौन हैं? योगी और गोडसे शिवाजी और राणा प्रताप को राष्ट्र नायकों के रूप में प्रस्तुत करते हैं। शिवाजी के प्रशासन में मुसलमान बहुत से उच्च सैन्य एवं असैन्य पदों पर थे। उन्होंने औरंगजेब के खिलाफ युद्ध लड़ा जिसकी सेना का नेतृत्व मिर्जा राजा जयसिंह के हाथ में था। राणा प्रताप द्वारा हल्दीघाटी में दिखाई गई वीरता स्तुत्य है पर क्या यह भारतीय राष्ट्रवाद के लिए किया गया संघर्ष था? उनकी सेना में 3000 सिपाही थे जिनमें से एक हजार पठान थे जिनका नेतृत्व हाकिम खान सूर करते थे। दूसरी ओर अकबर की सेना के प्रमुख मानसिंह थे। युद्ध राष्ट्रवाद के मुद्दे पर नहीं, बल्कि मनसब के मुद्दे पर लड़ा गया था। हिंदू राष्ट्रवादी भले ही मुसलमानों के खिलाफ युद्ध लड़ने वालों को राष्ट्र नायकों की तरह प्रस्तुत करना चाहते हों, लेकिन पूरी कहानी इससे ज्यादा जटिल है। यह राजाओं की राजाओं से लड़ाई थी न कि हिंदुओं की मुसलमानों से।

ऐसा भी नहीं है कि सारे मुस्लिम राजा जालिम थे और हिंदू राजा शांति के पुजारी थे। कलिंग युद्ध के संबंध में अशोक की कितनी बदनामी है। चोल राजाओं का चालुक्य राजाओं के खिलाफ युद्ध भी अनेक क्रूर घटनाओं के लिए जाना जाता है जिनमें राजेन्द्र चोल की विजयी सेना ने पराजित चालुक्य राजा के सेनापति समुद्रराज का सिर काट दिया जाना और उसकी पुत्री की नाक काट देना शामिल है। औरंगजेब का दानवीकरण राजनैतिक लक्ष्यों की पूर्ति के लिए किया जाता है और हिंसा और गौमांस, लव जिहाद जैसे मुद्दों के जरिए मुसलमानों के एक वर्ग को आतंकित और एक दायरे में सिमटने के लिए मजबूर कर दिया जाता है। औरंगजेब को आज के असहाय मुस्लिम समुदाय से जोड़ना कैसे न्यायोचित है।

जहां तक इतिहास का सवाल है, उसे कई तरीकों से प्रस्तुत किया जा सकता है। हिन्दू साम्प्रदायिक तत्व राजाओं को इसलिए बढ़ा-चढ़ाकर पेश करते हैं क्योंकि वे अतीत में हुई जाति-वर्ण की ऊंच-नीच से जुड़ी क्रूरताओं और महिलाओं के दमन को छिपाना चाहते हैं। अम्बेडकर भारत के इतिहास को बौद्धवाद और ब्राम्हणवाद के संघर्ष के रूप में प्रस्तुत करते हैं। उनके अनुसार बौद्ध धर्म का उदय ब्राम्हणवादी जातिवादी-वर्णवादी मूल्यों के खिलाफ एक क्रांति के रूप में हुआ। और इसी वजह से बौद्ध धर्म भारत का एक प्रमुख धर्म बन गया। अशोक ने इसे दक्षिण पूर्व एशिया में फैलाया और एक विश्वव्यापी धर्म बन गया। अंबेडकर के अनुसार इस क्रांति के बाद पुष्यमित्र शुंग के नेतृत्व में एक प्रतिक्रांति हुई जिसने हिंसा के जरिए बुद्ध धर्म और बौद्धों का सफाया कर दिया और उसका भारत से लोप हो गया। भारत में उसे दुबारा अंबेडकर लाए।

भारत में दलितों और महिलाओं पर अत्याचार आम बात थी। औपनिवेशिक काल में हुए समाज सुधारों से इनमें कमी आई लेकिन ये किसी न किसी रूप में आज भी अस्तित्व में हैं।

संघ-भाजपा में तालमेल से जुड़े सुखद संकेत

-ललित गर्ग

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के 25 साल बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख्यालय के अंगने में पहुंचकर संघ के संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार और दूसरे सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर (गुरुजी) के स्मारक स्मृति मंदिर में श्रद्धांजलि दी, जिससे संघ एवं भाजपा के बीच एक नई तरह की ऊर्जामयी सोच एवं समझ विकसित हुई है। एक नई प्राणवान ऊर्जा का सूरज उगा है, नये संकल्पों को पंख लगे हैं। संघ के सौ वर्ष पूरे करने के ऐतिहासिक अवसर पर मोदी ने सही कहा कि संघ भारत की अमर संस्कृति का आधुनिक अक्षय वट है, जो निरंतर भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना को ऊर्जा प्रदान कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने 34 मिनट की संबोधन में देश के इतिहास, भक्ति आंदोलन, इसमें संतों की भूमिका, संघ की निःस्वार्थ कार्य प्रणाली, देश के विकास, युवाओं में धर्म-संस्कृति, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, शिक्षा, भाषा और प्रयागराज महाकुंभ की चर्चा करते हुए जहां नये बन रहे भारत की बानगी प्रस्तुत की, वही संघ की उपयोगिता एवं महत्व को चार-चांद लगाये। प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी की संघ के मुख्यालय की इस पहली यात्रा के गहरे निहितार्थ भी हैं तो दूरगामी परिदृश्य भी है। जो इस बात का संकेत है कि पिछले आम चुनाव के दौरान संघ व भाजपा के रिश्तों में जिस खटास को अनुभव किया गया था, वह संवाद, समझ, सकारात्मक सोच व संपर्क से दूर कर ली गई है। जो इस बात का भी संकेत है कि आने वाले वक्त में भाजपा व सरकार के अहम फैसलों में संघ की भूमिका बढ़ेगी, जिससे देश हिन्दू राष्ट्र के रूप में सशक्त होते हुए विश्व गुरु बनने के अपने संकल्प को पूरा कर सकेगा। वसुधैव कुटुम्बकम के भारत के उद्घोष को अधिक सार्थक करते हुए दुनिया के लिये एक रोशनी बनेगा।

यह सर्वविदित है कि मोदी भी संघ की पृष्ठभूमि से आते हैं। साथ ही वे संघ की रीति-नीतियों से भली-भांति परिचित हैं। लेकिन पिछले आम चुनाव के दौरान भाजपा के कुछ वरिष्ठ नेताओं के कुछ अतिशयोक्तिपूर्ण एवं अहंकारी बयानों से भाजपा का कद संघ से बड़ा बताने की कोशिशें हुई थी, जिसके चलते संघ व भाजपा के रिश्तों में कुछ कसक एवं खटास देखी गई। जिसका असर लोकसभा चुनाव में चार सौ पार के लक्ष्य पर पड़ा, उसके मूल में संघ कार्यकताओं की उदासीनता रही है। बाद में दोनों के रिश्ते सामान्य होने के बाद हरियाणा, महाराष्ट,ज छत्तीसगढ़ एवं दिल्ली के विधानसभा चुनाव में भाजपा को जो आशातीत सफलता हाथ लगी, कहा जा रहा था कि उसमें संघ कार्यकताओं का समर्पण व सक्रिय भागीदारी महत्वपूर्ण घटक रहा। अब संघ मुख्यालय में प्रधानमंत्री की यात्रा से यह तथ्य भी उजागर हुआ कि दोनों की रीतियों-नीतियों फिर से बेहतर तालमेल स्थापित हुआ है। इसका असर आने वाले दिनों में भाजपा अध्यक्ष के चुनाव में संघ की भूमिका को लेकर देखने को मिलेगा, ऐसा ही असर बदलते वक्त के साथ पार्टी के अन्य फैसलों पर भी नजर आ सकता है।

आज का राशिफल

मेष आज दिन शुभ है। आपके जीवन में खुशियां आएंगी। समाज में अच्छे काम करने से आपका नाम होगा।

तुला कामकाज से जुड़े सभी झगड़े सुलझ सकते हैं। कुछ नए प्रॉजेक्ट पर भी काम शुरू कर सकते हैं।

वृषभ आज दिन नई योजनाओं पर ध्यान देने का है। किसी धार्मिक जगह पर जाने से मन को शांति मिलेगी।

वृश्चिक आज आर्थिक स्थिति आज मजबूत रहेगी। आपको दिनभर लाभ के अवसर मिलेंगे।

मिथुन आज दिन रचनात्मक है। आप किसी कलात्मक कार्य को पूरा करने में दिन बिताएंगे।

धनु दिन सावधानी बरतने का है। बिजनस के मामले में थोड़ा जोखिम उठाने से बड़ा फायदा हो सकता है।

कर्क आज आज का दिन सृजनात्मक है। आप जो भी काम मन लगाकर करेंगे।

मकर आज का दिन सामान्य है। पार्टनरशिप में किया गया बिजनस आपको काफी फायदा पहुंचाएगा।

सिंह आज दिन व्यस्त रहेगा। आपको पढ़ाई-लिखाई के लिए थोड़ा समय निकालना चाहिए।

कुंभ आज अपनी सेहत का ध्यान रखना चाहिए। मौसम बदलने से कुछ परेशानियां हो सकती हैं।

कन्या लोगों से झगड़ा न हो, इस बात का ध्यान रखें। किसी शुभ काम की चर्चा हो सकती है।

मीन आज दिन फायदेमंद रहेगा। व्यापार में जोखिम उठाने का फल आज अच्छा मिलेगा।

विशेष

बक्फ विल से इंडिया गठबंधन मजबूत

केंद्र सरकार वक्फ बिल को रमजान के महीने में ईद के समय लेकर आई। इस बिल का देश भर में भारी विरोध हुआ। मुसलमानों ने काली पट्टी बांधकर ईद मनाई। मुस्लिम वोटो को लेकर अब इंडिया गठबंधन के सभी घटक दल एक साथ चुनाव लड़ने के लिए विवश हो गए हैं। इंडिया गठबंधन के दल एक साथ मिलकर चुनाव लड़ेंगे,तो इसका बड़ा फायदा होगा। पश्चिम बंगाल में टीएमसी का कांग्रेस मिलकर पश्चिम बंगाल विधानसभा का चुनाव लड़ेगी। कम्युनिस्ट पार्टी अब वहां पर अलग-थलग पड़ गई है। इसी तरह बिहार में अब स्थितियां तेजी के साथ बदल रही है। लालू यादव और तेजस्वी यादव के लिए मजबूरी है। वह कांग्रेस के साथ कांग्रेस की शर्तों पर गठबंधन करके चुनाव लड़े।

भारत के लिए ग्रहण बना अमेरिका

अमेरिका मे जब से डोनाल्ड ट्रंप दोबारा राष्ट्रपति बने हैं। उसके बाद से लग रहा है, भारत को अमेरिका का ग्रहण लग गया है। डोनाल्ड ट्रंप और एलन मस्क राहू केतु की तरह भारत को परेशान कर रहे थे। जैसे तैसे बातचीत शुरू हुई। भारत ने सभी शुल्क अमेरिका के लिए कम कर दिए। राहु केतु को शांत कर ही रहे थे। इसी बीच न्यूयॉर्क टाइम्स ने शनि के रूप में नया मोर्चा खोल दिया। न्यूयॉर्क टाइम्स ने रिपोर्ट प्रकाशित की है। भारत की सरकारी कंपनी हिंदुस्तान एयरोटोनिक्स लिमिटेड ने रूस को हथियार सप्लाई किए हैं। जो अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के तहत नहीं किया जा सकते हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स ने भारत पर आरोप लगाया है। संवेदनशील उपकरण और तकनीकी भारत ने रूस को बेची है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1783 वारेन हेस्टिंग्स के खिलाफ ब्रिटिश संसद ने भ्रष्टाचार के ग्यारह आरोप लगाए, 1858 हागू रोज के नेतृत्व में ब्रिटिश फौजों से भीषण लड़ाई के बाद झांसी की रानी लक्ष्मीबाई झांसी से काल्पी और ग्वालियर गई. 1889 साहित्यकार माखनलाल चतुर्वेदी का जन्म. 1904 प्रसिद्ध गायक कुंदनलाल सहगल का जन्म. 1912 चीनी गणराज्य की घोषणा तिब्बत में की गई. 1942 बावरिया में बंगाल की खाड़ी में तीन ब्रिटिश जहाजों को डुबा दिया गया. 1942 वाशिंगटन में उत्तर अटालांटिका संधि पर अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, बेल्जियम, इटली, पुर्तगाल, नार्वे डेनमार्क, आइसलैंड और कनाडाा हस्ताक्षर किये. 1961 हाउस्ट, टेक्सास के एक अस्पताल में कृत्रिम हृदय का प्रत्यारोपण किया.

दैनिक पंचांग

4 अप्रैल 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति	
सूर्य	मीन में
चंद्र	मिथुन में
मंगल	कर्क में
बुध	मीन में
गुरु	वृष में
शुक्र	मीन में
शनि	मीन में
राहु	मीन में
केतु	कन्या में

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
मेष	06.23 बजे से
वृष	08.03 बजे से
मिथुन	10.01 बजे से
कर्क	12.15 बजे से
सिंह	14.31 बजे से
कन्या	16.43 बजे से
तुला	18.53 बजे से
वृश्चिक	21.08 ब.से
धनु	23.24 बजे से
मकर	01.29 बजे से
कुंभ	03.16 बजे से
मीन	04.49 बजे से

शुक्रवार 2025 वर्ष का 94 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि सप्तमी 20.13 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मृगशीर्ष 05.51 बजे तदनन्तर आर्द्रा 05.21 बजे प्रातः को समाप्त।
योग शोभन 21.45 बजे को समाप्त।
करण गर 08.52 बजे तदनन्तर वणिज 20.13 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 05.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 05° 42'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872304
जूलियन दिन 2460769.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना सव्वाल
तारीख 05

दिन का चौघड़िया				
चर	05.55	से	07.23	बजे तक
लाभ	07.23	से	08.51	बजे तक
अमृत	08.51	से	10.19	बजे तक
काल	10.19	से	11.47	बजे तक
शुभ	11.47	से	01.15	बजे तक
रोग	01.15	से	02.43	बजे तक
उद्वेग	02.43	से	04.10	बजे तक
चर	04.10	से	05.38	बजे तक

रात का चौघड़िया				
रोग	05.38	से	07.1	बजे तक
काल	07.11	से	08.43	बजे तक
लाभ	08.43	से	10.15	बजे तक
उद्वेग	10.15	से	11.47	बजे तक
शुभ	11.47	से	01.19	बजे तक
अमृत	01.19	से	02.51	बजे तक
चर	02.51	से	04.23	बजे तक
रोग	04.23	से	05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

सेहत के लिहाज से काफी फायदेमंद है नारियल पानी

नारियल पानी अधिकतर लोगों को पसंद आता है। लेकिन ये सिर्फ स्वादिष्ट ही नहीं बल्कि सेहत के लिहाज से भी काफी फायदेमंद है। दरअसल, इसमें शरीर के लिए फायदेमंद कई तरह के विटामिन्स, मिनरल्स और इलेक्ट्रोलाइट पाए जाते हैं। जो आपको कई सेहत लाभ देते है। तो आइए जानते हैं नारियल पानी से क्या-क्या फायदे मिलते हैं.

- नारियल पानी का सेवन लिवर के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। नारियल पानी में एंटी-ऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं। जो लिवर में कई तरह के विषाक्त पदार्थों की गतिविधि को कम करते हैं। इसका सेवन करना लिवर के लिए काफी लाभकारी होता है।
- पेट के लिए नारियल पानी बेहद फायदेमंद है। इसके सेवन से पेट दर्द, एसिडिटी, अल्सर में थोड़ा-थोड़ा नारियल पानी पीने से आराम मिलता है।
- ऊर्जावान रहने के लिए नारियल पानी काफी अच्छा होता है। इसके सेवन से कमजोरी, थकान, चक्कर आने जैसी समस्याओं में इसको पीने से तत्काल लाभ प्राप्त होता है।
- नारियल पानी हृदय रोग का जोखिम कम करने का काम करता है। इसके सेवन से खराब कोलेस्ट्रॉल कम होता है।
- वजन कम करना चाहते है, तो नारियल पानी आपकी बहुत मदद करेगा। यह कैलोरी में कम और पचाने में आसान होता है। इसमें कई ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो वजन और मोटापा कम करने में मददगार हैं।
- त्वचा में ग्लो और स्किन बिलकुल क्लिन रखना चाहते है तो नारियल पानी आपको नियमित रूप से पीना चाहिए। यदि चेहरे पर मुहांसे और दाग धब्बों की समस्या बढ़ गई है ,तो नारियल पानी का सेवन आपकी सारी समस्या को दूर करेगा।

बेल का जूस पीने से सुराही जैसा ठंडा रहेगा पेट

गर्मी में बेल का रस जरूर पीना चाहिए। ये समर ड्रिंक शरीर को चिलचिलाती धूप से बचाने और हाइड्रेट करने का काम करती है। आइए इस फल का शरबत पीने के फायदे जानते हैं।

गर्मी में चिलचिलाती धूप से बचना बहुत जरूरी है। यह शरीर में पानी की कमी, कब्ज, पेट में जलन, सीने में जलन जैसी दिक्कतें कर सकती है। इन समस्याओं को दूर रखने के लिए गर्मी में बेल का जूस पीना चाहिए। यह समर ड्रिंक बेहद हेल्दी होती है। बेल फरूट को बिल्व भी कहा जाता है, जो मूल रूप से भारत में पैदा होता है। यह फल पेट की गर्मी दूर करने का रामबाण इलाज है। आप इसका शरबत पीकर पेट को ठंडक दे सकते हैं। आयुर्वेद एक्सपर्ट डॉ. अबरार मुल्तानी ने बेल शरबत के फायदों के बारे में बताया है। बेल फल काफी पौष्टिक होता है। इसमें प्रोटीन, पानी, फाइबर, कैल्शियम, पोटैशियम, विटामिन बी1, विटामिन बी2, विटामिन सी की अच्छी मात्रा मिल जाती है। इसका गूदा पेट और पाचन के लिए बेहतरीन माना जाता है।

गर्मी की बेस्ट ड्रिंक

डॉ. बेल जूस के बेनिफिट बताते हुए इसे गर्मी के लिए बेस्ट ड्रिंक कहते हैं। इसके रस में ठंडा, ताजगी, पोषण, लैक्सेटिव आदि गुण होते हैं। जो इसे धूप के मौसम के लिए टॉनिक बनाते हैं।

खुल जाएंगी आंतें

पाचन खराब होने पर आंतों का संकुचन कम हो जाता है, जो कि कब्ज बनाता है। गर्मी में डिहाइड्रेशन इस समस्या को गंभीर बना सकती है। मगर बिल्व रस पानी की पूर्ति करके आंतों को रिलैक्स करता है और संकुचन सामान्य करने में मदद करता है।

हड्डियों की मजबूती बढ़ाता है

पेट के अलावा बेल फल का जूस हड्डियों के लिए फायदेमंद है। इसमें कैल्शियम का लेवल शारीरिक ढांचे को मजबूत बनाए रखने में मदद करता है। यह ड्रिंक तुरंत एनर्जी देने के लिए भी जानी जाती है।

बढ़ जाएगा खून

बेल के जूस में विटामिन बी2 होता है, जो शारीरिक विकास में मदद करता है। ये पौष्टिक गुण रेड ब्लड सेल्स के उत्पादन में मददगार होता है। जिससे खून की कमी दूर होती है।

गर्मी में रामबाण है बेल का शर्बत

गर्मी के दुष्प्रभाव और सेहत की हर समस्या के लिए बेल का प्रयोग रामबाण है। यह न केवल शरीर में ठंडक पैदा करेगा बल्कि आपको सेहत से जुड़े ऐसे लाभ देगा, जिसके बारे में जानकर आप हैरान रह जाएंगे। गर्मियों में रामबाण है बेल और उसका शर्बत। जानें 7 फायदे -

- गर्मी के दिनों में लू लगने का डर सबसे ज्यादा होता है। बेल का शर्बत बनाकर पीने से लू का खतरा नहीं होता और लू लग जाने पर यह दवा के रूप में कार्य करता है। तपते शरीर की गर्मी दूर करने में यह बेहद लाभकारी है।
- शरीर में गर्मी अधिक बढ़ जाने पर आंव- दस्त जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इससे छुटकारा पाने के लिए प्रतिदिन आधे कच्चे-पक्के बेलफल का सेवन करें या फिर बेल के शर्बत का सेवन करें। यह डायरिया रोग में काफी लाभप्रद है।
- कई मर्तबा गर्मियों में आंखें लाल-लाल होने के साथ ही जलने लगती हैं। ऐसी स्थिति में बेल के पत्तों का रस एक-एक बूंद आंख में डालने से तुरंत लाभ होता है और इसका कोई नुकसान नहीं होता। इसे बात का ध्यान रखें कि रस में कचरा न हो। आंख के दर्द में बेल के पत्तों की लुगदी आंख पर बांधने से काफी आराम मिलता है।
- पाचन संबंधी समस्याओं में पके हुए बेलफल का सेवन लाभदायक होता है। इसका शर्बत पीने से पेट साफ रहता है। यह फल पाचक होने के साथ-साथ बलवर्द्धक है। इसके सेवन से वात-कफ संबंधी समस्याएं भी समाप्त हो जाती हैं। गर्मियों में गर्भवती स्त्रियों का जी मिचलाने लगे तो बेल और सौंठ का काढ़ा दो चम्मच पिलाने पर लाभ होता है।
- बेल का मुरब्बा शरीर की शक्ति बढ़ाता है और कमजोरी दूर करता है। यह पेट संबंधी समस्याओं में तो फायदेमंद है ही, बेल के गूदे को खांड के साथ खाने से आंत संबंधी रोग में राहत मिलती है।
- बच्चों के पेट में कीड़े होने पर तो इसके पत्तों का अर्क पिलाना कारगर उपाय है। छोटे बच्चों को प्रतिदिन एक चम्मच पका बेल खिलाने से शरीर की हड्डियां मजबूत होती हैं।
- बेल के पके फल को शहद व मिश्री के साथ चाटने से शरीर के खून का रंग साफ होता है और खून में भी वृद्धि होती है। वहीं इसके गूदे में काली मिर्च, सेंधा नमक मिलाकर खाने से आवाज भी सुरीली होती है।

मेडिटेशन करते समय आती है नींद? ऐसे पाएं छुटकारा

सेहत के लिए मेडिटेशन के फायदे हम सभी अच्छे से जानते हैं। ऐसे में कई लोग ऐसे हैं जो सालों से इसे कर रहे हैं वहीं कुछ ऐसे हें जो अपने इस साल के वादे को पूरा करने के लिए हाल ही में मेडिटेशन करना शुरू कर रहे हैं। जो हाल ही में मेडिटेशन की ओर कदम बढ़ा रहे हैं उन लोगों को एक समस्या का सामना करना पड़ रहा है। अक्सर लोगों की शिकायत रहती है कि ध्यान लगाते समय उन्हें नींद आती है। ऐसे में जानते हैं इसकी वजह और कैसे पाएं इससे छुटकारा।

मेडिटेशन आपके दिमाग को बेहतर तरीके से काम करने में मदद करता है। यह आपकी याददाश्त में सुधार करने, तनाव को कम करने में मदद करता है। कई लोगों की शिकायत होती है कि उन्हें मेडिटेशन के दौरान नींद आती है। ऐसा मेडिटेशन के कारण बिल्कुल नहीं होता बल्कि नींद की कमी के कारण ऐसा होता है। नींद की कमी, पोषक तत्वों की कमी और तनाव ऐसे प्रमुख कारण हैं जिनकी वजह से आपको हर समय नींद आती है। ऐसे में आपको एक्टिव रहने के लिए काम करना चाहिए, ऐसे में सबसे ज्यादा जरूरी है सही लाइफस्टाइल और एक अच्छा मेडिटेशन सेशन करना चाहिए, जिससे आप नींद को खत्म कर सकें।

खाने से पहले ध्यान करें

मेडिटेशन में पूरे शरीर को एक बिंदु पर ध्यान केंद्रित करना और खुद के साथ एक आध्यात्मिक संबंध बनान होता है। अगर आप खाने के ठीक बाद ध्यान करना शुरू करते हैं, तो आपको बहुत नींद आएगी क्योंकि आपका शरीर खाना और अन्य जटिल प्रक्रियाओं को पचाने में शामिल होगा और यह आपको विचलित करेगा। खाना खाने से पहले ध्यान करना अधिक फायदेमंद होगा क्योंकि आपका शरीर बिना विचलित हुए इसे पूरा करेगा।

जागरूक और एक्टिव रहें

ध्यान करते समय सचेत और एक्टिव रहना जरूरी है, आपको यह महसूस करना चाहिए कि आपके अंदर कुछ अच्छा हो रहा है। आप इन चीजों पर ध्यान लगाने के लिए सांस की एक्सरसाइज और कुछ शांत म्यूजिक बजा सकते हैं।

अपने ब्रेन को तैयार करें

मेडिटेशन प्रेक्टिस करना एक अच्छा कदम है। लेकिन बहुत लंबे मेडिटेशन सेशन से बचना बेहतर है क्योंकि शुरू में वे आपको नींद में डाल देंगे। आपको अपने दिमाग को इस तरह से प्रशिक्षित करना शुरू करना होगा कि आपका ध्यान अटूट रहे जो केवल 5 मिनट या 10 मिनट के छोटे सत्रों के साथ शुरू करने के बाद ही संभव होगा और फिर धीरे-धीरे लंबे समय तक आगे बढ़ें। जब आप छोटे सत्रों के लिए जागेंगे तो आपका दिमाग अपने आप काम करना शुरू कर देगा और ध्यान करते समय आपको नींद नहीं आएगी।

ओपन एरिया में करें ध्यान

खुले में ध्यान करना हमेशा बेहतर होता है क्योंकि आपका शरीर नेचर के साथ एक्टिव रिलेशन महसूस कर सकता है। इसके अलावा, आपके चारों ओर ठंडी हवा, पक्षियों की हल्की आवाज के साथ आपके मन को शांत करता है और ध्यान करते समय आपको एक्टिव महसूस करने के लिए मदद मिलती है।

किसी भी रूप में फायदेमंद है मूंग दाल का सेवन

दालें प्रोटीन से भरपूर होती हैं। वैसे तो हर दाल पोषक तत्वों से भरपूर होती है लेकिन फिर भी अगर आपको प्रोटीन की मात्रा से के साथ कुछ परेशानियों को जड़ से खत्म करना है, तो आप अपनी डाइट में मूंग दाल जरूर जोड़ें। किसी भी रूप में मूंग दाल के सेवन के कई फायदे हैं।

दाल के पोषक तत्व

- दालों में सबसे पौष्टिक दाल, मूंग की होती है, इसमें विटामिन ए, बी, सी और ई की भरपूर मात्रा होती है। साथ ही पोटेशियम, आयरन, कैल्शियम की मात्रा भी मूंग में बहुत होती है। इसके सेवन से शरीर में कैलोरी भी बहुत नहीं बढ़ती है। अगर अंकुरित मूंग दाल खाएं तो शरीर में कुल 30 कैलोरी और 1 ग्राम फैट ही पहुंचता है।
- अंकुरित मूंग दाल में मैग्नीशियम, कॉपर, फोलेट, राइबोफ्लेविन, विटामिन, विटामिन सी, फाइबर, पोटेशियम, फास्फोरस, मैग्नीशियम, आयरन, विटामिन बी -6, नियासिन, थायमिन और प्रोटीन होता है।
- मूंग की दाल के स्प्राउट में ग्लूकोज लेवल बहुत कम होता है इस वजह से मधुमेह रोगी इसे खा सकते हैं।
- मूंग की दाल के स्प्राउट में ओलियोसाच्चाराइडस होता है जो पॉलीफिनॉल्स से आता है। ये दोनों की घटक, गंभीर रोगों से लड़ने की क्षमता को प्रबल करते हैं। कैंसर के रोगी भी इसका सेवन आराम से कर सकते हैं।
- मूंग की दाल में ऐसे गुण होते हैं, जो शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा देते हैं और उसे बीमारियों से लड़ने की ताकत देते हैं। इसमें एंटी-माइक्रोबियल और एंटी-इंफलामेट्री गुण होते हैं, जो शरीर की इम्यूनिटी बढ़ाते हैं।

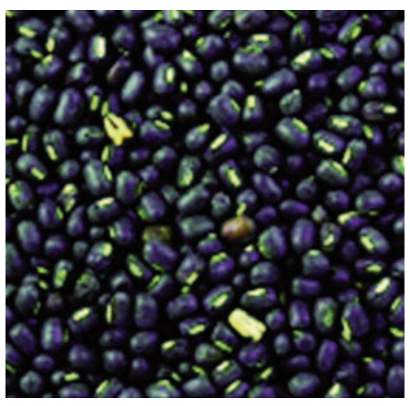

- मूंग की दाल के स्प्राउट में शरीर के टॉक्सिक को निकालने के गुण होते हैं। इसके सेवन से शरीर में विषाक्त तत्वों में कमी आती है।

ऐसे बनाएं हेल्दी मूंग दाल का चीला

रात को मूंग दाल को एक पैन में पानी डालकर रख दें। इसके बाद सुबह इसे छान कर ग्राइंडर में पीस लें। इसके बाद इसमें नमक डालकर अच्छी तरह से मिला लें। अब तवा को गर्म करें। गर्म हो जाने में थोड़ा सा तेल डालकर मूंग दाल के पेस्ट को डालकर अच्छी तरह से फैला लें। इसके बाद इसमें सभी सब्जियां और पनीर डाल दें। इसके बाद इसमें थोड़ा सा घी डालकर दूसरी तरफ भी सेंक लें। इसके बाद इसे प्लेट में निकाल लें। आपका मूंग दाल का चीला बनकर तैयार हैं। इसे हरी या लाल चटनी के साथ गर्मागर्म सर्व करें।

अमेरिका के 26 प्रतिशत टैरिफ से देश के निर्यातकों पर होगा असर

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से लगाए 26 फीसदी आयात शुल्क (टैरिफ) से निसंदेह भारत के घरेलू खिलाड़ी (निर्यातक) प्रभावित होंगे। हालांकि, भारत की स्थिति अन्य देशों की तुलना में बेहतर है। यह बात भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (एफआईईओ) के महानिदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अजय सहाय ने गुरुवार को कही।

सहाय ने उम्मीद जताई कि भारत और अमेरिकी बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौता पर बातचीत जल्द पूरी होगी, जिससे इन जवाबी टैरिफ के असर को कम किया जा सकेगा। समाचार एजेंसी पीटीआई से बातचीत में उन्होंने कहा, हमें इसके प्रभाव का आकलन करना होगा। लेकिन अगर हम अन्य देशों पर लगाए गए टैरिफ को देखें तो भारत को कम दर के दायरे में रखा गया है। वियतनाम, चीन, इंडोनेशिया, म्यांमार जैसे प्रमुख प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में हमारी स्थिति बेहतर है। इन टैरिफ से हम पर निश्चित रूप से असर पड़ेगा, लेकिन कई अन्य देशों की तुलना में हम बेहतर स्थिति में हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह टैरिफ इसलिए लगाया है, क्योंकि उनका कहना है कि भारत अमेरिकी उत्पादों पर अधिक टैरिफ लगाता है। उन्होंने एक चार्ट दिखाते हुए कहा कि भारत अमेरिका से आने वाले उत्पादों पर 56 फीसदी टैरिफ लगाता है, जिसमें मुद्रा हेरफेर और व्यापारिक अवरोध भी शामिल हैं। अमेरिका ने भारत पर 26 फीसदी रियायती जवाबी टैरिफ लगाने का फैसला किया है। चार्ट में यूरोपीय संघ, भारत, चीन और ब्रिटेन जैसे देशों की ओर से लगाए गए टैरिफ और अब इन देशों पर लगाए जाने वाले पारस्परिक टैरिफ दर्शाए गए थे। ट्रंप ने कहा, भारत बहुत मुश्किल देश है, बहुत ही मुश्किल। प्रधानमंत्री (नरेंद्र मोदी) अभी-अभी यहां से गए हैं। वह मेरे अच्छे मित्र हैं, लेकिन मैंने उनसे कहा- आप मेरे मित्र हैं, लेकिन हमें सही तरीके से नहीं समझ रहे हैं। वह हम पर 52 फीसदी टैरिफ लगाते हैं। वित्तीय वर्ष 2021-22 से 2023-24 तक अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार रहा। अमेरिका, भारत के कुल निर्यात का 18 फीसदी (आयात का 6.22 फीसदी और द्विपक्षीय व्यापार का 10.73 फीसदी) हिस्सा रखता है। अमेरिका के साथ भारत को 2023-24 में 35.32 अरब डॉलर का व्यापार अधिशेष (निर्यात और आयात का अंतर) हुआ। इससे पहले, 2022-23 में यह 27.7 अरब डॉलर, 2021-22 में 32.85 अरब डॉलर, 2020-21 में 22.73 अरब डॉलर और 2019-20 में 17.26 अरब डॉलर था।

हाउसिंग डॉट कॉम की मूल कंपनी आरईए इंडिया के सीईओ का इस्तीफा

नईदिल्ली, एजेंसी। रियल एस्टेट क्लासीफाइड प्लेटफॉर्म हाउसिंग डॉट कॉम की मूल कंपनी आरईए इंडिया के सीईओ ध्रुव अग्रवाल ने कंपनी से इस्तीफा दे दिया है। गुरुवार को एक बयान में ऑस्ट्रेलिया के आरईए ग्रुप ने घोषणा की कि ध्रुव ने 14 साल तक कारोबार में रहने के बाद आरईए इंडिया के सीईओ पद से हटने का फैसला किया है। बयान में कहा गया, ध्रुव अग्रवाल अपने उत्तराधिकारी की नियुक्ति में सहयोग करेंगे। वे जाने से पहले एक सहज नेतृत्व परिवर्तन सुनिश्चित करने में कंपनी की हरसंभव सहायता करेंगे। नए सीईओ की नियुक्ति के लिए एक व्यापक प्रक्रिया चल रही है। आरईए इंडिया के पास रियल एस्टेट प्रौद्योगिकी प्लेटफॉर्म हाउसिंग डॉट कॉम और प्रॉपटाइगर डॉट कॉम का स्वामित्व है।

पीएम मुद्रा योजनाः महिलाओं-पिछड़े वर्गों की बदली जिंदगी; 52 करोड़ खाते खुले

27.5 लाख करोड़ बैंकों ने दिए कर्ज

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकार की ओर से 2016 में शुरू किए गए प्रधानमंत्री मुद्रा योजना यानी पीएमएमवाई ने पिछले एक दशक में महिलाओं और पिछड़े वर्गों की जिंदगी बदल दी है। इसके तहत अब तक कुल 52 करोड़ से अधिक बैंक खाते खुले हैं। बैंकों ने इनको 27.5 लाख करोड़ रुपये का कर्ज दिया है। एसबीआई की बुधवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, सूक्ष्म, छोटे और मझोले उद्योगों (एमएसएमई) में कृषि और उससे संबंधित गतिविधियों को छोड़कर मुद्रा के तहत कर्ज दिया जाता है। वित्त वर्ष 2014 में इस क्षेत्र को कुल 8.5 लाख करोड़ रुपये कर्ज दिया गया, जो 2023-24 में तीन गुना बढ़कर 27.5 लाख करोड़ को पार कर गया। 2024-25 में यह 30 लाख करोड़ को पार कर सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, अब तक 52 करोड़ खाते खुले हैं।

इसमें से 40 करोड़ यानी 78 फीसदी खाते शिशु कैटेगरी के हैं। 10 करोड़ यानी 20 फीसदी किशोर के और दो करोड़ यानी दो फीसदी तरुण के हैं। कुल खातों में शिशु का हिस्सा 2024-25 में कम होकर 51.7 फीसदी हो गया, जो 2025-26 में 93 फीसदी था। किशोर का हिस्सा 5.9 फीसदी से बढ़कर 44.7 फीसदी पर पहुंच गया है। इसका मतलब यह कि जिन लोगों ने शिशु के तहत कर्ज लिया वे अब किशोर की श्रेणी में आ गए हैं।

कर्ज का औसत आकार 1.02 लाख रुपये

रिपोर्ट बताती है कि 2015-16 में कर्ज का औसत आकार 38,000 रुपये था। अब यह 1.02 लाख रुपये हो गया है। 51 करोड़ खातों में से आधे खाते सामान्य श्रेणी वालों के हैं। कुल खातों में महिला उद्यमी का हिस्सा 68 फीसदी है। 11 फीसदी अल्पसंख्यकों के हैं। वित्त वर्ष 2016 से अब तक के 9 वर्षों में प्रति महिलाओं को वितरित रकम सालाना 13 फीसदी चक्रवृद्धि दर से बढ़कर 62,679 रुपये हो गई है। इसी दौरान जमा की रकम 14 फीसदी बढ़कर 95,269 रुपये हो गई है।

जमीनी स्तर पर महिलाओं को संबल

रिपोर्ट बताती है कि इन आंकड़ों का असर सीधे जमीनी स्तर पर महिलाओं को आर्थिक संबल देने में दिख रहा है। उदाहरण के तौर पर 2020 में शुरू किए गए उद्यम पोर्टल पर महिलाओं का हिस्सा कुल पंजीकृत एमएसएमई में 20.5 फीसदी हो गया है।

कुल खातों में ओबीसी का हिस्सा 28 फीसदी...कुल खातों में 28 फीसदी हिस्सा ओबीसी यानी अन्य पिछड़ी जातियों का है। एसटी यानी अनुसूचित जनजाति का हिस्सा 6 फीसदी और एससी (अनुसूचित जाति) का हिस्सा 16 फीसदी है।

सबसे ज्यादा महिला खाता बिहार में...

बिहार में सबसे अधिक 4.2 करोड़ महिला खाते हैं। तमिलनाडु में चार करोड़, पश्चिम बंगाल में 3.7 करोड़, कर्नाटक में 3.4 करोड़, महाराष्ट्र में 3.3 करोड़ और उत्तर प्रदेस में तीन करोड़ खाते हैं।

सीएमआईई की रिपोर्टः देश में लगातार घट रहे रोजगार के अवसर

42 लाख लोगों की नौकरियों पर खतरा

नईदिल्ली, एजेंसी। देश में रोजगार के अवसर घट रहे हैं। आलम यह है कि मार्च, 2025 में भारतीय श्रम बाजार सिकुड़ गया, जिससे 42 लाख लोगों की नौकरियों पर खतरा मंडराने लगा है। इनमें से कुछ लोगों की नौकरी चली गई है और कइयों ने रोजगार की तलाश बंद कर दी है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकॉनमी (सीएमआईई) की रिपोर्ट के मुताबिक, फरवरी में देश का श्रम बल 45.77 करोड़ से 42 लाख घटकर मार्च में 45.35 करोड़ रह गया। यह नवंबर, 2024 के बाद से इसका सबसे निचला स्तर है। वहीं, रोजगार की संख्या भी फरवरी के 41.91 करोड़ से घटकर मार्च में 41.85 करोड़ रह गई।

दिसंबर, 2024 के बाद से लगातार तीन महीनों तक रोजगार में गिरावट देखने को मिली है। श्रम बल और रोजगार में यह निरंतर गिरावट अर्थव्यवस्था में मंदी का संकेत है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मार्च में बेरोजगारों की संख्या 3.86 करोड़ से घटकर 3.5 करोड़ रह गई। फरवरी की तुलना में मार्च में करीब 36 लाख कम लोग सक्रिय रूप से नौकरी तलाश कर रहे थे। ये 36 लाख लोग संभवतः रोजगार के अवसरों की कमी के चलते मार्च में श्रम बाजारों से बाहर निकल गए।

बेरोजगारी के साथ रोजगार भी घट रहा

रिपोर्ट में कहा गया है कि सामान्य तौर पर हर महीने बेरोजगारों की संख्या में करीब 10 लाख की शुद्ध वृद्धि होती है। मार्च, 2021 से मार्च, 2025 के दौरान हर महीने औसत शुद्ध वृद्धि 9.90 लाख थी। बेरोजगारों की संख्या में कमी आने के कारण बेरोजगारी दर फरवरी के 8.4 फीसदी की तुलना में मार्च में घटकर 7.7 फीसदी रह गई। बेरोजगारी दर में गिरावट का मतलब है कि आर्थिक स्थिति में सुधार हो रहा है।

ऑफिस कर्मचारियों की नियुक्ति 1.4 फीसदी घटी

ऑफिस में काम करने वालों की भर्ती के रुझान में मार्च, 2024 की तुलना में इस साल मार्च में 1.4 फीसदी की मामूली गिरावट आई है। इसका कारण खुदरा, तेल-गैस और शिक्षा क्षेत्रों में भर्ती में गिरावट है। नौकरी डॉट कॉम की रिपोर्ट के अनुसार, होली और ईद की छुट्टियों के बावजूद व्हाइट कॉलर रोजगार बाजार मार्च में पिछले साल की समान अवधि की तुलना में लगभग स्थिर रहा। खुदरा (13 फीसदी), तेल-गैस (10 फीसदी) और शिक्षा (14 फीसदी) में भर्तियां कम रहीं। आईटी क्षेत्र में 3 फीसदी की गिरावट देखी गई।

जेम के जरिये 10 लाख भर्ती

सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जेम) ने 2024-25 में सरकारी संगठनों के जरिये 10 लाख से अधिक भर्तियों की सुविधा प्रदान की। इस प्लेटफॉर्म पर 33,000 से अधिक सेवा प्रदाता खरीदारों को न्यूनतम मजदूरी और निश्चित पारिश्रमिक सहित विविध मानदंडों के आधार पर लोगों को नियुक्त करने में सक्षम बनाते हैं।

सेबी ने एचडीएफसी बैंक को दी चेतावनी

नईदिल्ली, एजेंसी। प्राइवेट सेक्टर के एचडीएफसी बैंक को नियामकीय दिशानिर्देशों का पालन नहीं करने को लेकर चेतावनी पत्र जारी किया गया है। यह चेतावनी पत्र भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने जारी किया है। एचडीएफसी बैंक ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि बैंक के कामकाज के समय-समय पर होने वाले निरीक्षण के बाद सेबी ने कुछ नियामकीय दिशानिर्देशों का कथित तौर पर अनुपालन नहीं करने के लिए एक प्रशासनिक चेतावनी पत्र जारी किया है। बैंक ने कहा कि ऐसे पत्र में खामियों को दूर करने के लिए वह आवश्यक कदम उठाएगा। इससे पहले, सेबी ने दिसंबर, 2024 में मर्चेंट बैंकिंग गतिविधि से संबंधित नियामकीय गैर-अनुपालन के लिए एचडीएफसी बैंक को एक प्रशासनिक चेतावनी पत्र जारी किया था।

को-लोकेशन मामले में जुर्माना

सेबी ने एनएसई को-लोकेशन के मुद्दे के संबंध में बाजार सर्वर तक अनुचित पहुंच के मामले में बुधवार को शेयर ब्रोकर ओपीजी सिक्योरिटीज और इसके निदेशकों पर 5.2 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया। सेबी ने उन्हें 45 दिनों के भीतर जुर्माना देने का निर्देश दिया है। एनएसई 'को-लोकेशन' से मतलब ऐसी सुविधा से है, जहां कारोबारी सदस्य अपने सर्वर को एक्सचेंज के परिसर में रख सकते हैं। इससे बाजार के आंकड़ों और ऑर्डर निष्पादन तक पहुंच अपेक्षाकृत तेज होती है। इसके अलावा, सेबी ने ओपीजी सिक्योरिटीज और संजय गुप्ता पर नियामक की आचार संहिता का अनुपालन न करने और जांच में बाधा डालने के लिए क्रमशः 10-10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया।

सेबी ने निवेश सलाहकारों को दी ये अनुमति

सेबी ने निवेश सलाहकारों और शोध विश्लेषकों को एक वर्ष तक अग्रिम शुल्क लेने की अनुमति दे दी है। मौजूदा नियमों के तहत, निवेश सलाहकार (आईएएस) ग्राहक के सहमत होने पर दो तिमाहियों तक के लिए अग्रिम शुल्क ले सकते हैं, जबकि शोध विश्लेषकों (आरएएस) के लिए सिर्फ एक तिमाही के लिए शुल्क लेने की अनुमति थी।

कर्ज फ्री है पेनी स्टॉक एचक्यू

कंपनी के शेयर को खरीदने की मची लूट, 1.30 पर आया शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। टीमो प्रोडक्शंस एचक्यू लिमिटेड के शेयर लगातार फोकस में हैं। कंपनी के शेयर में आज गुरुवार को 5 प्रतिशत का अपर सर्किट लगा है।

इसी के साथ यह शेयर आज 1.30 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गया था। कर्ज फ्री कंपनी का पिछला बंद भाव 1.19 रुपये प्रति शेयर था। शेयर का 52-सप्ताह का उच्चतम स्तर 2.78 रुपये प्रति शेयर और 52-सप्ताह का न्यूनतम स्तर 1.02 रुपये प्रति शेयर रहा। इसका मार्केट कैप 142 करोड़ रुपये का है। शेयर 5 सालों में 500 प्रतिशत से अधिक का मल्टीबैगर रिटर्न दिया है।

दिसंबर तिमाही के नतीजे

तिमाही नतीजों के अनुसार कंपनी ने दिसंबर तिमाही में 94.45 करोड़ रुपये की कुल बिक्री और 0.47 करोड़ रुपये का कुल मुनाफा दर्ज किया। अपने 8 महीने के नतीजों में, 9स्न्नङ्ख25 में 9स्न्नङ्ख24 की तुलना में कुल बिक्री 3 प्रतिशत बढ़कर 354.06 करोड़ रुपये हो गई और कुल लाभ 144 प्रतिशत बढ़कर 3.44 करोड़ रुपये हो गया।

कंपनी ने वित्त वर्ष 24 में 457.96 करोड़ रुपये का ऑपरेशन रेवेन्यू दर्ज किया, जबकि वित्त वर्ष 23 में यह 830.38 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 23 में 2.88 करोड़ रुपये की तुलना में वित्त वर्ष 24 में नेट मुनाफा 69.4 प्रतिशत बढ़कर 4.88 करोड़ रुपये हो गया।

क्या है डिटेल

टीपीएचक्यू ने प्रमुख इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कंपनी गंगा रियल्टी ग्रुप से 120 मिलियन रुपये के ऑर्डर भी हासिल किए हैं।

यह जीत टीपीएचक्यू के अपने प्रोजेक्ट बिक्री सेगमेंट और इंफ्रास्ट्रक्चरल स्टील मार्केट में डायरेक्ट-टू-कंज्यूमर बिक्री के विस्तार पर स्ट्रैटेजिक फोकस को उजागर करती है।

मारुति, स्पाइस जेट, रिलायंस समेत 10 स्टॉक्स पर रखें नजर

नईदिल्ली, एजेंसी। ट्रंप के टैरिफ के साए में घरेलू शेयर मार्केट में ट्रेडिंग होगी। इसका बड़ा प्रभाव सेंसेक्स-निफ्टी पर देखने को मिल सकता है। इसके अलावा मारुति, स्पाइस जेट जैसे कुछ स्टॉक्स ऐसे हैं, जो खबरों में हैं। आज इन पर निवेशकों की विशेष नजर रहेगी।

मारुति सुजुकी- देश के सबसे बड़े कार निर्माता ने उच्च इनपुट लागत, परिचालन व्यय, नियामक अपडेट और नई सुविधाओं के कारण 8 अप्रैल से सात मॉडलों की कीमतें बढ़ाने की योजना बनाई है।

स्पाइसजेट

स्पाइसजेट, जिसने कोविड महामारी से पहले नेपाल के लिए नियमित उड़ानें संचालित की थीं, को अब काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से निर्धारित उड़ानों के लिए अनुमति और स्लॉट मिल गए हैं।

एचडीएफसी बैंक- भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने बैंक को उसकी कस्टोडियन गतिविधियों से संबंधित अनुपालन में कथित कमियों के लिए एक प्रशासनिक चेतावनी पत्र भेजा है।

मैक्रोटेक डेवलपर्स- रियल एस्टेट फर्म मैक्रोटेक डेवलपर्स, जिसका नेतृत्व अभिषेक लोधा करते हैं, ने उनके छोटे भाई अभिनंदन लोधा द्वारा स्थापित हाउस ऑफ अभिनंदन लोधा पर लोधा ब्रांड और पंजीकृत ट्रेडमार्क का अवैध उपयोग करने के लिए जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है।

हिंदुस्तान कॉपर- हिंदुस्तान कॉपर ने कोडेल्को के साथ सहयोग और जानकारी साझा करने के लिए एक समझौता किया है।

हिंदुस्तान जिंक- हिंदुस्तान जिंक ने अपनी चौथी तिमाही का उत्पादन अपडेट जारी किया है, जिसमें खनन धातु उत्पादन में 4 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई है।

ल्यूपिन- ल्यूपिन हेल्थकेयर (यूके), ल्यूपिन की सहायक कंपनी, ने रेनासाइंस फार्मा का 12.3 मिलियन पौंड में पूर्ण अधिग्रहण कर लिया है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज

कंपनी ने आंध्र प्रदेश के कानिगिरी में अपना पहला रिलायंस कंप्रेस्ड बायो-गैस संयंत्र बनाने की शुरुआत की है। 139 करोड़ के निवेश वाली इस परियोजना के साथ, राज्य भर में 500 ऐसे संयंत्र विकसित करने की एक बड़ी योजना शुरू हो रही है, जिसमें कुल 65,000 करोड़ का निवेश होगा।

टाटा कम्युनिकेशंस

टीसी नीदरलैंड्स के बोर्ड ने टाटा कम्युनिकेशंस इंटरनेशनल पीटीई से 16.718 मिलियन यूरो मूल्य की जारी शेयर पूंजी को वापस खरीदने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यह कंपनी की प्रत्यक्ष पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। बायबैक के बाद, अष्ट नीदरलैंड्स कंपनी की प्रत्यक्ष पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी बन जाएगी।

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स ने भारतीय वायु सेना के साथ आकाश मिसाइल सिस्टम के लिए रखरखाव सेवाएं प्रदान करने के लिए 593 करोड़ का अनुबंध हासिल किया है, जिसे कंपनी ने पहले आपूर्ति किया था।

नवरत्न कंपनी को इंडियन एयरफोर्स से मिला ऑर्डर, 285 रुपये के पार पहुंचे कंपनी के शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। नवरत्न कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयर गुरुवार को उछाल के साथ 285.90 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी को इंडियन एयरफोर्स से 593.22 करोड़ रुपये का कॉन्ट्रैक्ट मिला है। कॉन्ट्रैक्ट के मुताबिक, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स आकाश मिसाइल सिस्टम के लिए मेंटीनेंस सर्विसेज उपलब्ध कराएगी। कंपनी ने ही आकाश मिसाइल सिस्टम की सप्लाई की है। पिछले पांच साल में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयरों में 1115 पर्सेंट से ज्यादा का उछाल देखने को मिला है।

कंपनी को मिला नए वित्त वर्ष का पहला ऑर्डर- भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड को नए वित्त वर्ष 2026 में मिला यह पहला ऑर्डर है। इस हफ्ते की शुरुआत में कंपनी ने कहा था कि उसे वित्त वर्ष 2025 में 18,715 करोड़ रुपये के ऑर्डर मिले हैं। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स ने पिछले वित्त वर्ष में 25000 करोड़ रुपये के ऑर्डर मिलने का अनुमान लगाया था। कंपनी को मिले ऑर्डर, टारगेट्स से कम रह गए हैं। हालांकि, कंपनी ने 23,000 करोड़ रुपये का प्रोविजनल टर्नओवर बताया है, जो कि इससे पिछले साल के मुकाबले 16 पर्सेंट ज्यादा है।

5 साल में 1115 प्रतिशत उछले हैं नवरत्न कंपनी के शेयर- नवरत्न कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयर पिछले पांच साल में 1115 पर्सेंट उछल गए हैं। एयरोस्पेस एंड डिफेंस इंडस्ट्री से जुड़ी कंपनी के शेयर 3 अप्रैल 2020 को 23.33 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 3 अप्रैल 2025 को 285.90 रुपये पर जा पहुंचे हैं। पिछले चार साल में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयरों में 574 पर्सेंट की तेजी देखने को मिली है। पिछले दो साल में कंपनी के शेयर 190 पर्सेंट चढ़ गए हैं। पिछले एक साल में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयरों में 28 पर्सेंट से ज्यादा की तेजी आई है। वहीं, पिछले एक महीने में कंपनी के शेयर करीब 11 पर्सेंट चढ़ गए हैं। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 340.35 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 218.30 रुपये है।

एटलेटिको को हराकर बार्सिलोना फाइनल में, चिर प्रतिद्वंद्वी रियल मैड्रिड से होगा खिताबी मुकाबला

मैड्रिड। बार्सिलोना की तरफ से फेरान टोरेस ने पहले हाफ में गोल किया जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ। इससे पहले इन दोनों टीमों के बीच फरवरी में खेला गया सेमीफाइनल के पहले लेग का खेल 4-4 से बराबर रहा था।स्पेन के दिग्गज फुटबॉल क्लब बार्सिलोना ने बुधवार को एटलेटिको मैड्रिड को कोपा डेल रे टूर्नामेंट के सेमीफाइनल के दूसरे लेग में 1-0 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। खिताबी मुकाबले में अब उसका सामना अपने चिर प्रतिद्वंद्वी रियल मैड्रिड से होगा। बार्सिलोना की तरफ से फेरान टोरेस ने पहले हाफ में गोल किया जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ। इससे पहले इन दोनों टीमों के बीच फरवरी में खेला गया सेमीफाइनल के पहले लेग का खेल 4-4 से बराबर रहा था।इस तरह से बार्सिलोना ने कुल मिलाकर 5-4 से जीत दर्ज करके फाइनल में जगह बनाई। यह पिछले चार सत्र में पहला अवसर है जब बार्सिलोना इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचा है।रियल मैड्रिड ने मंगलवार को अतिरिक्त समय तक चले मैच में रियल सोसिदाद को 5-4 के कुल स्कोर से पराजित करके फाइनल में जगह बनाई थी। इन दोनों टीमों के बीच 2013-14 सत्र के बाद पहली बार फाइनल खेला जाएगा। तब रियल मैड्रिड ने खिताब जीता था।

गुवाहाटी को पहली बार टेस्ट क्रिकेट की मेजबानी: दिसंबर में साउथ अफ्रीका और भारत का मुकाबला

नई दिल्ली। टीम इंडिया की मेंस टीम अक्टूबर से दिसंबर के बीच वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका से सीरीज खेलेगी। गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम को पहली बार टेस्ट की मेजबानी मिली। यहां साउथ अफ्रीका से भारत का मुकाबला होगा। इस दौरान मोहाली के मुल्लांपुर में बने स्टेडियम में पहली बार कोई मेंस इंटरनेशनल मैच भी खेला जाएगा।भारत और वेस्टइंडीज के बीच 2 टेस्ट की सीरीज अक्टूबर में होगी। जबकि साउथ अफ्रीका के खिलाफ टीम इंडिया 2 टेस्ट, 3 वनडे और 5 टी-20 की सीरीज नवंबर-दिसंबर में खेलेगी। इस बीच टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया जाकर 3 वनडे और 5 टी-20 की सीरीज भी खेलेगी।टीम इंडिया का होम सीजन वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 टेस्ट की सीरीज से शुरू होगा। 2 अक्टूबर से दोनों टीमों के बीच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में पहला टेस्ट खेला जाएगा। 10 अक्टूबर से फिर कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में दूसरा टेस्ट शुरू होगा।वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 टेस्ट वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा हैं। इसके बाद टीम इंडिया 19 से 25 अक्टूबर तक ऑस्ट्रेलिया में 3 वनडे की सीरीज खेलेगी। फिर 29 अक्टूबर से 8 नवंबर तक ऑस्ट्रेलिया में 5 टी-20 की सीरीज भी होगी।ऑस्ट्रेलिया से लौटने के बाद टीम इंडिया को साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीनों फॉर्मेट की सीरीज खेलनी है। 18 नवंबर से नई दिल्ली में पहला टेस्ट और 26 नवंबर से गुवाहाटी में दूसरा टेस्ट शुरू होगा। बरसापारा स्टेडियम में पहली बार रेड बॉल से इंटरनेशनल मैच होगा। इससे पहले यहां वनडे और टी-20 के 12 इंटरनेशनल मैच खेले जा चुके हैं।30 नवंबर से 6 दिसंबर तक दोनों टीमों के बीच 3 वनडे होंगे। इनकी मेजबानी रांची, रायपुर और वाइजैग को मिली है। 9 से 19 दिसंबर तक दोनों टीमें 5 टी-20 खेलेंगी। इनकी मेजबानी कटक, मुल्लांपुर, धर्मशाला, लखनऊ और अहमदाबाद को मिली है।मुल्लांपुर के महाराजा यादवेंद्र सिंह स्टेडियम को पहली बार किसी मेंस इंटरनेशनल मैच की मेजबानी मिली। यहां इसी साल विमेंस वर्ल्ड कप का फाइनल खेला जाएगा। वर्ल्ड कप के बाद स्टेडियम में मेंस टी-20 होगा।

गुजरात ने रोका आरसीबी का विजय रथ

मोहम्मद सिराज के बाद जोस बटलर ने मचाया धमाल; अंक तालिका में बदलाव

बंगलुरू, एजेंसी

मोहम्मद सिराज की घातक गेंदबाजी के बाद साई सुदर्शन और जोस बटलर की तूफानी बल्लेबाजी के दम पर गुजरात टाइटंस ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को आठ विकेट से हरा दिया। बुधवार को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी आरसीबी ने लियाम लिविंगस्टोन की अर्धशतकीय पारी की बदौलत 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 169 रन बनाए। जवाब में गुजरात ने 17.5 ओवर में दो विकेट खोकर 170 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

तीसरे स्थान पर पहुंची आरसीबी

मौजूदा सत्र में यह गुजरात की लगातार दूसरी जीत है जबकि आरसीबी को लगातार दो मैचों में जीत के बाद पहली बार मुंह की खानी पड़ी। रजत पाटीदार के नेतृत्व वाली टीम इस शिकस्त के साथ अंक तालिका के शीर्ष पायदान से लुढ़क कर तीसरे स्थान पर पहुंच गई। उनका नेट रन रेट 1.149 ही रह गया। वहीं, गुजरात चौथे स्थान पर चार अंक और 0.807 के नेट रन रेट के साथ है। पहले स्थान पर चार अंक और 1.485 के नेट रन रेट के साथ पंजाब किंग्स है।

गुजरात की पारी

170 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात को साई सुदर्शन और शुभमन गिल ने सधी शुरुआत दिलाई थी। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 32 रनों की साझेदारी हुई। भुवनेश्वर कुमार ने पांचवें ओवर में कप्तान को लिविंगस्टोन को कैच आउट कराया। वह 14 रन बनाकर आउट हुए।

इसके बाद मोर्चा जोस बटलर ने संभाला। उन्होंने साई सुदर्शन के साथ दूसरे विकेट के लिए 47 गेंदों में 75 रनों की ताबड़तोड़ साझेदारी की। इस दौरान सुदर्शन सिर्फ एक रन से अपना अर्धशतक पूरा करने से चूक गए। वह 36 गेंदों में सात चौकों और एक छक्के की मदद से 49 रन बनाने में कामयाब हुए। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए शेरफेन रदरफोर्ड भी शानदार फॉर्म में नजर आए। उन्होंने बटलर के साथ तीसरे विकेट के लिए 63 रन की नाबाद साझेदारी की और टीम को जीत दिलाई। विकेटकीपर बल्लेबाज बटलर 73 और रदरफोर्ड 30 रन बनाकर नाबाद रहे। आरसीबी के लिए भुवनेश्वर कुमार और जोस हेजलवुड ने एक-एक विकेट चटकाया।

ताश के पत्तों की तरह ढहा आरसीबी का बल्लेबाजी क्रम

इससे पहले गुजरात की घातक गेंदबाजी के आगे आरसीबी का बल्लेबाजी क्रम ताश के पत्तों की तरह ढह गया। उनके लिए लियाम लिविंगस्टोन ने सर्वाधिक 54 रन बनाए। उनके अलावा जितेश शर्मा ने 33 और टिम डेविड ने 32 रन बनाए। वहीं, विराट कोहली सात, फिल सॉल्ट 14, देवदत्त पडिक्कल चार, रजत पाटीदार चार और क्रुणाल पांड्या पांच रन बनाकर आउट हुए। गुजरात के लिए मोहम्मद सिराज ने तीन और साई किशोर ने दो विकेट झटके। अरशद खान, प्रसिद्ध कृष्णा, ईशांत शर्मा को एक-एक सफलता मिली।

कैरम बॉल पर पिछले 3-4 वर्षो से काम कर रहा था : साई किशोर

बेंगलुरु – गुजरात टाइटंस के स्पिनर आर साई किशोर इंडियन प्रीमियर लीगके वर्तमान सत्र में अपनी कैरम बॉल से बल्लेबाजों को गच्चा देने के लिए तैयार हैं जिस पर वह पिछले तीन–चार वर्षो से काम कर रहे थे। किशोर ने बुधवार को यहां गुजरात टाइटंस की रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ आसान जीत के दौरान अपनी कैरम बॉल से क्रुणाल पांड्या को हैरान कर दिया था। इस 28 वर्षीय स्पिनर ने मैच के बाद खुलासा किया कि वह पिछले कुछ सत्र से कैरम बॉल पर काम कर रहे थे लेकिन उन्होंने किसी भी तरह के मैच में अभी तक इसका उपयोग नहीं किया था।
किशोर ने आधिकारिक प्रसारक से कहा, 'टी20 क्रिकेट में प्रासंगिक बने रहने के लिए आपको हमेशा अपने खेल में कुछ नया जोड़ना होगा। मैं पिछले तीन–चार वर्षो से इसका अभ्यास कर रहा था लेकिन मैंने कहीं भी इसका उपयोग नहीं किया था। उन्होंने कहा, 'मैं आईपीएल में इसका उपयोग करने को लेकर आश्वस्त था और मैंने खुद पर भरोसा बनाए रखा।
गौर हो कि आईपीएल 2025 में शानदार प्रदर्शन करने वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को आखिरकार हार का स्वाद चखना पड़ा है। घरेलू मैदान पर पहला ही मुकाबला खेल रही आरसीबी को गुजरात टाइटंस ने जोस बटलर के 73 रनों की बदौलत 8 विकेट से हरा दिया। गुजरात टाइटंस ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला किया था। 42 रन पर चार विकेट गिरने के बाद लिविंगस्टन ने 40 गेंदों पर 54, जितेश शर्मा ने 33 तो टिम डेविड ने 18 गेंदों पर 32 रन बनाकर स्कोर 169 तक पहुंचा दिया।

पंजाब किंग्स धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम में सात दिन करेगी नेट प्रैक्टिस

धर्मशाला, एजेंसी

आईपीएल सीजन-2025 में होने वाले आईपीएल मैचों के दौरान पंजाब किंग्स की टीम 11 दिन धर्मशाला में ठहरेगी। इस दौरान तीन मैच खेलेगी और मैचों के बीच सात दिन अभ्यास कर मैदान और पिच के मिजाज को भी जानेगी। पंजाब की टीम अपने दूसरे होम ग्राउंड अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम धर्मशाला में 4 मई को लखनऊ के साथ होने वाले मैच के लिए पहली मई को पहुंच जाएगी। दो दिन धर्मशाला में अभ्यास करने के बाद 4 मई को पंजाब की टीम आईपीएल का मैच खेलेगी।

लखनऊ की टीम 4 मई को होने वाले मैच से दो दिन पूर्व ही धर्मशाला आएगी। धर्मशाला में पंजाब किंग्स से मुकाबले से पहले लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम 27 अप्रैल को मुंबई में मुंबई से मैच खेलेगी। इसके बाद वह कुछ दिन आराम करने के बाद दो मई को धर्मशाला आएगी। 3 मई को अभ्यास करने के बाद लखनऊ की टीम 4 मई को मैच खेलेगी। दिल्ली कैपिटल्स की टीम 6 मई को धर्मशाला आएगी, जो 7 मई को अभ्यास करने के बाद 8 मई को मैच खेलेगी।

इसके अलावा 11 मई को होने वाले मुकाबले के लिए मुंबई की 8 या 9 मई को धर्मशाला पहुंचेगी। इसके बाद अभ्यास करने के बाद 11 मई को मैच खेलेगी। एचपीसीए के सचिव अवनीश परमार ने कहा कि धर्मशाला में होने वाले आईपीएल मैचों के लिए पंजाब की टीम सबसे पहले आएगी। टीम 11 दिन धर्मशाला में रुकेगी। अभी टीमों के अभ्यास का शेड्यूल जारी नहीं हुआ है। उम्मीद है कि मैचों के बीच पंजाब की टीम सात दिन अभ्यास करेगी। बाकी टीमें एक या दो दिन अभ्यास के बाद मैच खेलेंगी।

घरेलू टीमों को पिच की स्थिति चुनने का अधिकार होना चाहिए

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय खिलाड़ी और मौजूदा कमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में पिच की स्थिति तय करने के घरेलू टीमों के अधिकार पर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि घरेलू टीमों को अपनी पसंद की पिच की स्थिति तय करने का अधिकार होना चाहिए, उन्होंने तर्क दिया कि यह घरेलू लाभ का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हर घरेलू टीम को यह तय करने का अधिकार होना चाहिए कि वे किस तरह की सतह चाहते हैं, उन्हें सतह की मांग करनी चाहिए, और उन्हें यह मिलना चाहिए, ऐसा मुझे लगता है, क्योंकि घरेलू लाभ वास्तविक है, और यह केवल दो रूपों में आता है- एक वह सतह जिसे आप चुनते हैं और दूसरा वह भीड़ का समर्थन जो वहां होता है। इसके अलावा यह एक दूर का खेल है। आकाश चोपड़ा ने का यह भी मानना था कि पिच किसी टीम के प्रदर्शन के लिए सबसे महत्वपूर्ण कारक है, यहां तक कि भीड़ के समर्थन से भी ज्यादा। उनका तर्क है कि अगर पिच की स्थिति प्रतिकूल है, तो टीम की पूरी खेल योजना बाधित हो सकती है। उन्होंने कहा, सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वे किस सतह पर खेलने जा रहे हैं - भीड़ अभी भी गौण हो सकती है। अगर आप पिच को हटा देते हैं, तो मुझे लगता है कि पूरी योजना पूरी तरह से पटरी से उतर जाएगी। गौर हो कि कोलकाता नाइट राइडर्स के मुख्य कोच चंद्रकांत पंडित ने कहा है कि ईडन गार्डन्स में पिच तैयार करने पर उनकी टीम का बहुत कम या कोई प्रभाव नहीं है।

भुवनेश्वर ने बेंगलुरु में रचा इतिहास, ड्वेन ब्रावो की बराबरी की

बेंगलुरु (कर्नाटक)। अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने अपना नाम इतिहास की किताब में दर्ज करा लिया है और मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए अपने शानदार स्पेल के बाद तेज गेंदबाजों में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए।

बेंगलुरु के घरेलू मैदान में रजत पटडियार को आरसीबी कप्तान के रूप में पहली हार का सामना करना पड़ा। टाइटन्स ने 170 रन के लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया और 8 विकेट की शानदार जीत के साथ अपना दबदबा कायम रखा। अपने घरेलू मैदान पर हारने के बावजूद वे कुछ सकारात्मक चीजें हासिल करने में सफल रहे जिनमें भुवनेश्वर का शानदार स्पेल भी शामिल था। उन्होंने अपने चार ओवर के स्पेल का पूरा कोटा फेंका, तज्ञ के कप्तान शुभमन गिल को आउट करके शुरुआती बढ़त हासिल की और 1/23 के आंकड़े के साथ लौटे।

भले ही उनके शुरुआती प्रयास व्यर्थ गए लेकिन भुवनेश्वर ने रिकॉर्ड बुक को फिर से लिखने के लिए पर्याप्त प्रभाव डाला। उन्होंने ड्वेन ब्रावो के 183 स्कैलप के टैली की बराबरी करने के बाद तेज गेंदबाजों में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में स्टेडियम छोड़ा। पूर्व कैरेबियाई स्टार ने 161 मैचों में 183 विकेट लिए जबकि भुवनेश्वर ने 178 मैचों में यह उपलब्धि हासिल की। कुल मिलाकर वह कैश-रिच लीग में सर्वकालिक विकेट लेने वालों की सूची में तीसरे स्थान पर हैं। उनके टैली से केवल युजवेंद्र चहल (206) और पीयूष चावला (192) बेहतर हैं। भुवनेश्वर ने अपने कौशल सेट पर भरोसा किया और इसे पूर्णता के साथ निष्पादित किया। उन्होंने अपनी ताकत का फायदा उठाया और मेजबान टीम के लिए सबसे किफायती गेंदबाज बनकर उभरे, उन्होंने महज 5.80 रन दिए।

भारत दूसरे संयुक्त राष्ट्र खेलों का सह आयोजक, योग और शतरंज में करेगा अगुआई

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत खेलों के माध्यम से कूटनीति और सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किए जा रहे दूसरे संयुक्त राष्ट्र खेलों का सह आयोजक है जिसमें वह योग और शतरंज जैसे खेलों में अगुवाई करेगा। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पार्वथनेनी हरीश ने बुधवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा, दूसरे संयुक्त राष्ट्र खेलों के उद्घाटन समारोह का हिस्सा बनना मेरे लिए सम्मान की बात है। सह आयोजक के रूप में, भारत शतरंज और योग में अग्रणी भूमिका निभाएगा।

हरीश ने कह कि संयुक्त राष्ट्र खेल एकता और अंतरराष्ट्रीय सहयोग की भावना का उत्सव है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, %मुझे उम्मीद है कि अगली बार इन खेलों में क्रिकेट को भी शामिल किया जाएगा मैं सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देता हूं। भारतीय टीम को अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं।% संयुक्त राष्ट्र खेल अप्रैल-मई 2025 में आयोजित किए जाएंगे।

योग नौ अप्रैल को संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में नॉर्थ लॉन के रोज़ गार्डन में, जबकि शतरंज भी उसी दिन नॉर्थ लॉन के ओलंपिक कॉर्नर में आयोजित किया जाएगा। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने 21 जून, 2023 को नौवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विशाल नॉर्थ लॉन में एक ऐतिहासिक योग सत्र का नेतृत्व किया था। हरीश ने कहा कि हालांकि हर कोई सक्रिय खिलाड़ी नहीं हो सकता है, लेकिन राजनयिक समुदाय के अधिकतर सदस्य उत्साही प्रशंसक हैं। लोग अलग-अलग टीमों के समर्थक हो सकते हैं, लेकिन खेल उन्हें एकजुट करते हैं।

उन्होंने कहा कि एक अरब से अधिक भारतीयों की तरह वह भी क्रिकेट प्रेमी हैं और उम्मीद जताई के अगली बार संयुक्त राष्ट्र खेलों में क्रिकेट भी शामिल होगा। हरीश ने कहा कि योग और शतरंज में आगे बढ़ना भारत के लिए सौभाग्य की बात है, जैसा कि पिछले साल हुआ था। उन्होंने कहा, %2014 में रिकॉर्ड संख्या में सदस्य देशों के सह-प्रायोजन के साथ 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित करने के प्रस्ताव को सर्वसम्मति से अपनाने के बाद से, योग दुनिया भर में लाखों लोगों के लिए जीवन का एक तरीका बन गया है।

हरीश ने कहा, जहां तक शतरंज का सवाल है तो भारत ने सदियों पहले इस खेल को अपना दिया था। वर्तमान समय में शतरंज की दुनिया में भारत के युवा खिलाड़ियों का दबदबा है जो रिकॉर्ड तोड़कर और वैश्विक चैंपियनशिप जीतकर इतिहास रच रहे हैं।% पिछले साल भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश विश्व शतरंज चैंपियनशिप में चीन के डिंग लिरेन को हराकर 18 साल में सबसे कम उम्र के विश्व शतरंज चैंपियन बने थे।

भारतीय दूत ने विश्वास जताया कि मित्रता और सौहार्द की भावना क्षेत्र के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय शांति के लिए पेशेवर और कार्यात्मक आचरण में भी दिखाई देगी। संयुक्त राष्ट्र खेल सितंबर 2024 के संयुक्त राष्ट्र महासभा के प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र खेल और खेल के माध्यम से शांति और बेहतर दुनिया को बढ़ावा देने वाले अन्य प्रस्तावों पर आधारित हैं।संयुक्त राष्ट्र ने कहा, उद्घाटन संस्करण की तरह संयुक्त राष्ट्र खेल 2025 खेलों के माध्यम से सौहार्द, कूटनीति और सहयोग को बढ़ावा देना जारी रखेंगे। संयुक्त राष्ट्र खेल 2025 का उद्घाटन समारोह बुधवार को संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित किया गया।

विविएन वेस्टवुड का फैशन शो:

करीना से लेकर दिशा पटानी तक बॉलीवुड हसीनाओं ने बिखेरा जलवा

प्रसिद्ध फैशन डिजाइनर विविएन वेस्टवुड ने भारत में अपना पहला फैशन शो आयोजित किया, जो मुंबई के ऐतिहासिक गेटवे ऑफ इंडिया पर हुआ। इस शो में फैशन और फिल्म इंडस्ट्री की कई जानी-मानी हस्तियां एकत्रित हुईं। बॉलीवुड की प्रमुख एक्ट्रेसेस जैसे करीना कपूर, जान्हवी कपूर, दिशा पटानी ने इस इवेंट में अपने ग्लैमरस अंदाज से फैशन की दुनिया में चार चांद लगाए।

राशि ने अपनी एनर्जेटिक जिम रूटीन से फिटनेस को बनाया मजेदार!

कौन कहता है कि वर्कआउट सिर्फ पसीना बहाने और थकने का नाम है? पैन-इंडिया स्टार राशि खन्ना फिटनेस को एक नया रूप दे रही हैं, जहां मेहनत और मस्ती का अनोखा मेल देखने को मिल रहा है! अपनी सीमाओं को लगातार आगे बढ़ाने वाली राशि इन दिनों जिम में पहले से ज्यादा मेहनत कर रही हैं, लेकिन उनके वर्कआउट सेशन्स में सिर्फ इंटेंस एक्सरसाइज़ ही नहीं, बल्कि ढेर सारी मस्ती और जोश भी शामिल है। अपनी हालिया सोशल मीडिया पोस्ट में, राशि एकदम बीस्ट मोड में नजर आ रही हैं–वेट लिफ्टिंग, एगिलिटी ड्रिल्स और जबरदस्त वर्कआउट कर रही है। लेकिन जो चीज़ उनकी रूटीन को सबसे ज्यादा प्रेरणादायक बनाती है, वो है उनकी इंफेक्शियस एनर्जी और चुलबुला अंदाज। एक्सरसाइज़ के बीच-बीच में वह अपने ट्रेनर के साथ मजेदार पल भी शेयर कर रही हैं, यह साबित करते हुए कि मेहनत और मस्ती एक साथ चल सकते हैं। उन्होंने इस पोस्ट के साथ लिखा, एवरी डे, आई शो अप। एवरी डे, आई कम्प्लेन। एवरी डे, आई सर्वाइव। रिलेटेबल? राशि के फिटनेस सफर की यह झलक प्रशंसकों को काफी पसंद आ रही है, लोग उनकी मेहनत और पॉजिटिव एनर्जी की तारीफ कर रहे हैं। 'द साबरमती रिपोर्ट' में अपने दमदार किरदार से सबका दिल जीतने वाली राशि आज की सबसे प्रतिभाशाली पैन-इंडिया स्टार्स में से एक मानी जाती हैं और वह स्क्रीन के अंदर और बाहर, दोनों जगह अपने फैंस को लगातार प्रभावित कर रही हैं। राशि ने हाल ही में इस साल के लिए कुछ रोमांचक प्रोजेक्ट्स की ओर इशारा किया है, हालांकि अभी तक ज्यादा डिटेल्स सामने नहीं आई हैं। इसके अलावा, उन्हें एक्सेल एंटरटेनमेंट के ऑफिस में स्पॉट किया गया, जिससे फैंस के बीच उनके अगले प्रोजेक्ट को लेकर एक्साइटमेंट और भी बढ़ गई है। फिटनेस, मस्ती और प्रोफेशनल सफलता को बैलेंस करते हुए राशि खन्ना लगातार यह साबित कर रही हैं कि वह इंडस्ट्री की सबसे शानदार और दमदार कलाकारों में से एक हैं!

करीबी दोस्त ने किया खुलासा

जल्द शादी के बंधन में बंधेंगे जैस्मिन और अली गोनी

टीवी जगत के चर्चित सितारे अली गोनी और जैस्मिन भसीन की लव स्टोरी किसी से छिपी नहीं है। दोस्ती से शुरू हुआ इनका रिश्ता बिग बॉस 14 में जाकर मोहब्बत की दहलीज तक जा पहुंचा। यहां दोनों ने एक-दूजे से प्यार का इजहार किया। लंबे वक्त से एक-दूसरे को डेट कर रहे कपल के प्रशंसकों को अब इनकी शादी का इंतजार है। यह इंतजार अब पूरा होने की घड़ी आ गई है, ऐसा दावा एक करीबी दोस्त ने किया है।

इस साल हो जाएगी शादी

अली गोनी की करीबी दोस्त कृष्णा मुखर्जी ने हाल ही में अली और जैस्मिन की शादी को लेकर बड़ा खुलासा किया है। दरअसल, कृष्णा हाल ही में रश विद रुचि के पॉडकास्ट में नजर आई, जहां उनसे अली और जैस्मीन की शादी के बारे में पूछा गया। इस पर उन्होंने कहा, इस साल हो रही है, या फिर अगले साल हो रही है उनकी शादी, दोस्तों। कृष्णा ने आगे कहा, इस साल हो जाएगी, इस साल के आखिर तक हो जाएगी।

ज्ञानवापी फाइल्स का पहला पोस्टर जारी

दर्जी कन्हैया लाल की भूमिका में नजर आएंगे विजय राज

दर्जी कन्हैया लाल की क्रूर हत्या पर आधारित एक फिल्म ज्ञानवापी फाइल्स- ए टेलर मर्डर स्टोरी रिलीज के लिए तैयार है, जिसमें मशहूर बॉलीवुड अभिनेता विजय राज मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म का पहला आधिकारिक पोस्टर आज जारी किया गया, जो एक बेहद चर्चित प्रोजेक्ट की शुरुआत है। अभिनेता का फिल्म से पहला लुक भी जारी हुआ है।

फिल्म का पहला पोस्टर

निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज की तारीख का भी एलान किया है। यह फिल्म 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म की घोषणा आज 2 अप्रैल 2025 को सोशल मीडिया पर की गई। फिल्म के पहले पोस्टर के साथ कैप्शन में लिखा गया, उस कहानी के गवाह बनें, जिसे बताया जाना चाहिए। ज्ञानवापी फाइल्स- ए टेलर मर्डर स्टोरी 27 जून को सिनेमाघरों में।

कैसी होगी फिल्म की कहानी

मामले की संवेदनशील प्रकृति को देखते हुए फिल्म की घोषणा ने पहले ही महत्वपूर्ण चर्चा को जन्म दे दिया है। हालांकि, फिल्म निर्माताओं ने अभी तक कहानी कहने के तरीके के बारे में विवरण का खुलासा नहीं किया है, लेकिन उम्मीद है कि इस परियोजना में हत्या और उसके बाद की घटनाओं को गहराई से दिखाया जाएगा।

क्या था पूरा मामला

दरअसल, कन्हैया लाल की जून 2022 में उदयपुर में दो हमलावरों ने दिनदहाड़े सिर काटकर हत्या कर दी थी। हमलावरों ने बाद में हत्या की बात कबूल करते हुए एक वीडियो जारी किया, जिसमें दावा किया गया कि यह नूपुर शर्मा के समर्थन में सोशल मीडिया पर पोस्ट करने का बदला था। भाजपा के पूर्व प्रवक्ता शर्मा ने पैगंबर मुहम्मद के बारे में टिप्पणी करके विवाद खड़ा कर दिया था, जिसके कारण व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए थे।

कांचा गाचीबोवली मामले को लेकर ऋचा चड्ढा ने राहुल गांधी को घेरा

बॉलीवुड अभिनेत्री ऋचा चड्ढा अपनी फिल्मों के अलावा बेबाकी से अपनी राय रखने के लिए भी जानी जाती हैं। अब एक बार फिर अभिनेत्री ने एक मामले पर अपनी राय रखी है। उन्होंने तेलंगाना में 400 एकड़ की वन भूमि को नष्ट किए जाने पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की आलोचना की है।

रिचा ने राहुल गांधी से कही बात

अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर इस मामले से जुड़े एक वीडियो को अपने एक्स अकाउंट पर री-शेयर करते हुए राहुल गांधी को मेंशन करते हुए लिखा, राहुल गांधी, बहुत मोहब्बत हो गई। कुछ मोहब्बत प्रकृति के लिए भी करो। अपनी इस पोस्ट में ऋचा चड्ढा ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को भी मेंशन किया है।

मामले को लेकर काफी एक्टिव हैं अभिनेत्री

ऋचा इस मामले पर लगातार सक्रिय दिख रही हैं और वो इस पूरे मामले को लेकर लगातार ट्वीट कर रही हैं या लोगों के ट्वीट को रिट्वीट कर रही हैं। एक और पोस्ट को री-शेयर करते हुए अभिनेत्री ने लिखा, कांचा गाचीबोवली को बचाओ। मुख्यमंत्री को टैग करो, नेतृत्व को टैग करो। जंगल किसी की व्यक्तिगत संपत्ति नहीं है।

सरकार के फैसले का हो रहा विरोध

बता दें कि हैदराबाद विश्वविद्यालय के परिसर में स्थिति कांचा गाचीबोवली जंगल में जैव विविधता से भरपूर जमीन की निकासी और नीलामी के खिलाफ तेलंगाना में प्रदर्शन हो रहे हैं। आज तेलंगाना पुलिस ने विश्वविद्यालय के छात्रों और यूनिवर्सिटी से जुड़े प्रदर्शन कर रहे लोगों पर लाठीचार्ज भी किया। क्योंकि उन्होंने अपना विरोध प्रदर्शन तेज कर दिया था। उनमें से कुछ को हिरासत में भी लिया गया। हालांकि, विरोध के बावजूद तेलंगाना सरकार ने रंगारेड्डी जिले के कांचा गाचीबोवली में 400 एकड़ वन भूमि को साफ कर दिया है। सरकार इस भूमि की नीलामी करने की योजना बना रही है, जिससे 10,000 से 15,000 करोड़ रुपये के बीच राजस्व मिलने की उम्मीद है, साथ ही विश्व स्तरीय आईटी पार्क और शहरी स्थान विकसित करने का प्रस्ताव है।

सहज किरदार और हर विधा में करना चाहता हूं काम: राघव जुयाल

अभिनेता राघव जुयाल ने अपनी आकांक्षाओं के बारे में बात की और कहा कि वह हर विधा में काम करना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि वह मजेदार और सहज किरदार निभाना चाहते हैं। राघव ने कहा, मैं हर विधा में काम करना चाहता हूं और मजेदार, सहज किरदार निभाना चाहता हूं, जहां मैं बस आराम से रह सकूं और अच्छा समय बिता सकूं, लेकिन साथ ही शानदार और चुनौतीपूर्ण भूमिकाएं भी निभाना चाहता हूं, जो मुझे प्रेरित करती हैं। उन्होंने कहा, मैं अभिनय करूंगा, मैं डांस करूंगा, मैं होस्ट करूंगा और मैं इस इंडस्ट्री में पेश की जाने वाली हर चीज करूंगा। मैं कुछ भी मिस नहीं करना चाहता, मैं सब कुछ करना चाहता हूं। राघव हाल ही में एक्शन फिल्म किल में नजर आए थे। उन्होंने कहा कि आलोचना एक व्यक्ति को अपने काम को बेहतर बनाने में मदद करती है। आलोचकों ने उनके जीवन को आकार दिया है। उन्होंने बताया, मेरी जिंदगी आलोचकों द्वारा बनाई गई है, मेरे करियर में बदलाव उनके द्वारा प्राप्त मान्यता के कारण हुआ, खासकर किल के साथ। यह एक अभिनेता के लिए काम करता है क्योंकि इससे अधिक अवसर भी मिलते हैं। अपनी छवि को किसी ऐसी चीज से बदलना अविश्वसनीय रूप से कठिन है जिसके लिए आप प्रसिद्ध हैं। राघव को स्लो स्पीड की शैली में उनके डांस और भारत में स्लो मोशन वॉक के लिए स्लो मोशन किंग के रूप में जाना जाता है। वे डांस रियलिटी शो डांस इंडिया डांस 3 में एक प्रतियोगी और फाइनलिस्ट होने और डांस इंडिया डांस लिटिल मास्टर्स 2 जैसे शोज में उनकी टीम की प्रस्तुति से लोकप्रिय हुए थे।

उन्होंने 2014 में चारुदत्त आचार्य के निर्देशन में बनी कॉमेडी ड्रामा फिल्म सोनाली केबल से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी।

स्त्री 2 के बाद बड़ा धमाल मचाएंगी श्रद्धा

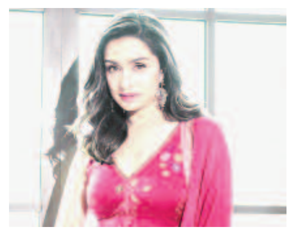

श्रद्धा कपूर ने हाल ही में हॉरर-कॉमेडी फिल्म स्त्री 2 से दर्शकों का दिल जीता था। इसके बाद से उन्होंने अपनी अगली फिल्म की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की थी। हालांकि, अब खबर आ रही है कि श्रद्धा जल्द ही तुम्बाड़ के निर्देशक राही अनिल बर्वे के साथ एक नया प्रोजेक्ट शुरू करने वाली हैं। इस फिल्म का निर्माण एकता कपूर करेंगी।

तुम्बाड़ के निर्देशक के साथ करने जा रहीं काम

हालांकि, अभी इसकी कहानी और नाम का खुलासा नहीं हुआ है। पिंकविला की एक रिपोर्ट के मुताबिक श्रद्धा और एकता कपूर कई फिल्मों को लेकर बातचीत कर रही हैं।

कार्तिक आर्यन, करण जौहर और महावीर जैन एक बड़े बजट की कॉमेडी ट्राइलॉजी के लिए साथ आए: रिपोर्ट

कार्तिक आर्यन और करण जौहर एक बार फिर साथ काम करने के लिए तैयार हैं, और इस बार, वे निर्माता महावीर जैन के साथ एक महत्वाकांक्षी कॉमेडी ट्राइलॉजी के लिए साथ आ रहे हैं। हाल ही में कार्तिक और करण ने रोमांटिक कॉमेडी तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी की शूटिंग शुरू की थी, और अब यह जोड़ी एक हाई-कॉन्सेप्ट फिल्म के लिए साथ आ रही है, जो हंसी, सरप्राइज और शानदार विजुअल्स से भरपूर होगी। एक रिपोर्ट के अनुसार, इस प्रोजेक्ट का निर्देशन फुकरे फ्रेंचाइजी के निर्देशक मृगदीप सिंह लांबा करेंगे। इस प्रोजेक्ट से जुड़े एक सूत्र ने खुलासा किया, मृगदीप सिंह लांबा लंबे समय से इस हाई-कॉन्सेप्ट कॉमेडी पर काम कर रहे हैं, और इसे एक ट्राइलॉजी के रूप में बनाया जा रहा है, जिसमें कार्तिक आर्यन मुख्य भूमिका निभाएंगे। करण को यह कॉन्सेप्ट बेहद पसंद आया और उन्होंने तुरंत इस प्रोजेक्ट को बड़े पर्दे के लिए प्रोड्यूस करने के लिए हामी भर दी। इस स्क्रिप्ट में हर वर्ग के सिनेमा प्रेमियों से जुड़ने की क्षमता है।

फिल्म फिलहाल प्री-प्रोडक्शन स्टेज में है, और टीम इसकी भव्यता और विजुअल अपील पर काम कर रही है ताकि इसे एक अनोखा सिनेमाई अनुभव बनाया जा सके। फिल्म की अवधारणा को लेकर सूत्र ने आगे बताया, ÷यह सिर्फ एक कॉमेडी से कहीं बढ़कर है, क्योंकि मेकर्स इसे बड़े स्केल और शानदार विजुअल्स के साथ दर्शकों को चौंकाने के इरादे से बना रहे हैं। फिलहाल फिल्म की प्री-प्रोडक्शन प्रक्रिया चल रही है और यह सितंबर 2025 में फ्लोर पर जाएगी। प्रोजेक्ट के पैमाने को देखते हुए, निर्माता 2026 में रिलीज़ की उम्मीद कर रहे हैं। इस सहयोग से कार्तिक आर्यन की फिल्मोग्राफी में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होने की उम्मीद है, क्योंकि वह लगातार खुद को एक बहुमुखी कलाकार के रूप में स्थापित कर रहे हैं, खासकर कॉमेडी शैली में। करण जौहर के लिए भी यह फिल्म उनके बैनर धर्मा प्रोडक्शंस के तहत एक और रोमांचक प्रोजेक्ट साबित होगी, जहां वह कॉमेडी जॉनर को एक नए दृष्टिकोण से एक्सप्लोर कर रहे हैं। वहीं, मृगदीप सिंह लांबा के निर्देशन में, जो पहले भी दर्शकों को पसंद आने वाली एंटरटेनिंग फिल्में दे चुके हैं, इस फिल्म से काफी उम्मीदें लगाई जा रही हैं।

कार्तिक आर्यन की फिल्म से आउट हुई श्रीलीला, इस बॉलीवुड अभिनेत्री ने छीना रोल

पुष्पा 2 के किसिक गाने में अपने बेहतरीन डांस से सभी को अपना दीवाना बना चुकीं श्रीलीला को बॉलीवुड की एक फिल्म से दरकिनार कर दिया है और अब उनकी जगह एक बॉलीवुड अभिनेत्री को ले लिया गया है, जो पहले ही उई अम्मा गाने से आपको अपना दीवाना बना चुकी हैं। श्रीलीला इन दिनों अपनी कई फिल्मों को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं, जिनमें हाल ही में साउथ अभिनेता नितिन के साथ उनकी तेलुगु फिल्म रॉबिनहुड रिलीज हुई है। वहीं श्रीलीला, कार्तिक के साथ एक अनाम फिल्म में नजर आएंगी, लेकिन वहीं अब उन्हें कार्तिक की ही एक फिल्म से निकाल दिया गया है, जिसकी वजह और कोई नहीं बल्कि रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी हैं। खबर के मुताबिक, श्रीलीला को कार्तिक आर्यन के साथ फिल्म पती पत्नी और वो के सीक्वल में फाइनल कर लिया गया था, लेकिन आखिरी मौके पर फिल्म के निर्माताओं ने उन्हें हटा दिया। कहा जा रहा है कि यह फिल्म पति पत्नी और वो का सीक्वल है, जिसमें श्रीलीला को लगभग फाइनल कर ही लिया गया था।

रान्या राव केस में आया नया मोड़

तीसरे आरोपी को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया

रान्या राव सोना तस्करी मामले में एक नया मोड़ आया है। इस हाई-प्रोफाइल केस में तीसरे आरोपी साहिल जैन को विशेष आर्थिक अपराध कोर्ट ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। आज यानी 2 अप्रैल 2025 को राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने साहिल को कोर्ट में पेश किया। उनकी हिरासत की अवधि खत्म होने के बाद यह फैसला लिया गया। दूसरी ओर, कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव ने जमानत के लिए कर्नाटक हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। मंगलवार को उनके वकील बी एस गिरीश ने हाई कोर्ट में याचिका दायर की। इससे पहले निचली अदालतों ने उनकी जमानत को तीन बार खारिज कर दिया था। रान्या पर गंभीर आरोप हैं, जिसके चलते कोर्ट ने उन्हें राहत देने से इनकार किया था। 27 मार्च को बेंगलुरु की 64वीं सीसीएच सत्र अदालत ने उनकी जमानत याचिका ठुकराई थी। उससे पहले 14 मार्च को विशेष आर्थिक अपराध कोर्ट और मजिस्ट्रेट कोर्ट ने भी उनकी अर्जी नामंजूर कर दी थी।

डीआरआई ने कोर्ट को दी ये जानकारी

डीआरआई ने कोर्ट को जानकारी दी है कि रान्या ने हवाला के जरिए सोना खरीदने की बात कबूल की है। जांच में यह भी सामने आया कि साहिल जैन इस तस्करी के नेटवर्क में अहम भूमिका निभा रहे थे। डीआरआई ने कस्टम्स एक्ट की धारा 108 के तहत जांच शुरू की है, ताकि इस मामले में वित्तीय अनियमितताओं और कानून के उल्लंघन की गहराई तक जाया जा सके। यह मामला तब शुरू हुआ जब रान्या को हवाई अड्डे पर पकड़ा गया। उनके पास बरामद सोने की कीमत करीब 12 करोड़ रुपये से ज्यादा आंकी गई है।

साभार एजेंसी